नासिरा प्रेस

मालवीयनगर-गोण्डा

मो0-9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

त्रिगुट

गोण्डा बुधवार 18 अक्टूबर 2023 वर्ष 39 अंक 61 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स-05262-230683 डाक पंजीयन संख्या-NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ- 8 मूल्य 2.00 रुपये

ट्रासजेंडर कर सकते हैं शादी और ले सकते हैं बच्चा गोद

नई दिल्ली(ईएमएस) ।बहुप्रतीक्षित फैसले को सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने कहा कि ट्रासजेंडर शादी कर सकते हैं और बच्चा भी गोद ले सकते हैं। समलैंगिक विवाह का फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने मंगलवार सुबह को अपना फैसला सुनाया ।बेंच ने एक तरफ जहां ट्रांसजेंडर को महिला या पुरुष से शादी करने की छूट दी, वहीं समलैंगिक और अविवाहित जोड़ों को बच्चा गोद लेने से रोकने वाले सीएआरए विनियमन को रद्द भी कर दिया। संविधान पीठ का फैसला सुनाते चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि यह कोर्ट कानून नहीं बना सकता, सिर्फ उसकी व्याख्या कर उसे लागू करा सकता है। उन्होंने कहा कि स्पेशल मैरिज एक्ट के प्रावधानों में बदलाव की जरूरत है या नहीं, यह तय करना संसद का काम है। गौरतलब है कि सेम सेक्स मैरिज का समर्थन कर रहे याचिकाकर्ताओं ने इसे स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत रजिस्टर्ड करने की मांग की थी।

दीपावली के उपहार स्वरूप प्रत्येक उज्ज्वला योजना कनेक्शन धारण करने वाले को निःशुल्क रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने उद्यमियों से संवाद स्थापित किया

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि विगत 09 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हम सभी ने नए भारत का दर्शन किया है। यह समर्थ, शक्तिशाली, स्वावलम्बी और दुनिया की महाशक्ति के रूप में स्थापित होने वाला भारत है। देश में वर्ष 2014 से पूर्व अविश्वास तथा असुरक्षा का माहौल था।घुसपैठिए घुसपैठ करते थे।भारत के सामने असमंजस की स्थिति थी कि कौन सी नीति अपनानी है और किस रास्ते चलना है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी ने वर्ष 2014 में आने के बाद नये भारत को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। जिसमें जाति, मत, मजहब, क्षेत्रवाद और भाषा के आधार पर भेदभाव न होकर गांव, गरीब, किसान, नौजवान और महिलाओं को सम्मान के साथ आगे बढ़ने के लिए योजनाओं का लाभ समान रूप से प्रदान किया जाता है।

मुख्यमंत्री जी आज जनपद बुलंदशहर में आयोजित 'नारी शक्ति वंदन' महिला सम्मेलन में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 632 करोड़ रुपये की 256 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 208 करोड़ रुपये लागत की 104 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और 424 करोड़ रुपये लागत की 152 विकास परियोजनाओं के शिलान्यास सम्मिलित है। लोकार्पित एवं शिलान्यास की गई विकास परियोजनाएं शिक्षा, आवास, सड़क, किसानों, महिलाओं और युवाओं से सम्बन्धित हैं।

मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर 'राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन', 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना, 'प्रधानमंत्री रोजगार सृजन' योजना, 'प्रधानमंत्री आवास' योजना, 'मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार' योजना आदि योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, टैबलेट, आवास की चाभी प्रदान कीं। मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम के पश्चात उद्यमियों से संवाद स्थापित किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नारी गरिमा अभिवृद्धि में 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। देश की संसद में लोगों को वर्षों से इस अधिनियम के पारित होने की प्रतीक्षा थी। बहनों को पंचायत और स्थानीय निकाय की तरह विधानसभा और लोकसभा में भी एक तिहाई अतिरिक्त सीटों पर विजयी बनने और चुनकर आने का अवसर प्राप्त होगा। इस अधिनियम से सम्बन्धित प्रक्रिया पूरी होने और परिसीमन होने के पश्चात बहुत सारी बहनें ऐसी होंगी, जो विधानसभा में विधायक और संसद में सांसद के रूप में चुनकर आएंगी। इसके लिए प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार प्रकट करने की आवश्यकता है, जिन्होंने आधी आबादी की गरिमा और सम्मान को बनाए रखने के लिए इस अधिनियम को पारित करवाकर मातृशक्ति का सम्मान बढ़ाया है। मातृशक्ति का स्नेह सबको समान रूप से प्राप्त होता है, इसकी कोई जाति नहीं होती। मातृशक्ति की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन के लिए पूरे समाज को खड़ा होना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मातृशक्ति सम्मान के दृष्टिगत 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' का जो कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ उसका परिणाम है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की बेटियां सुश्री पारुल चौधरी और सुश्री अनुरानी एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल लेकर आयी हैं। इन दोनों बेटियों ने मातृशक्ति के गौरव तथा देश का सम्मान बढ़ाया है। अपनी शक्ति और सामर्थ्य का एहसास देश और दुनिया को कराया है। प्रदेश सरकार ने इन दोनों बेटियों को डिप्टी एस0पी0 बनाने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि शीघ्र ही प्रदेश की राजधानी लखनऊ में समारोह आयोजित कर एशियन गेम्स में प्रदेश के स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 03 करोड़ रुपये, रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को डेढ़ करोड़ रुपए और कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 75 लाख रुपये पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। बेटियों को यह सम्मान प्रधानमंत्री जी की बेटियों को बचाने और पढ़ाने की मुहिम और खेलो इंडिया और फिट इंडिया मूवमेंट के कारण सम्भव हुआ।

डीएम ने किया राजस्व कार्यशाला में अधिकारियों व कर्मचारियों से संवाद

संवाद कार्यक्रम में राजस्व अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सभी कार्यों को समय से निस्तारण करने के निर्देश

निज संवाददाता

गोण्डा। वेंकटाचार्य क्लब में जिलाधिकारी नेहा शर्मा की अध्यक्षता में राजस्व विभाग के कार्यशाला / राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों से संवाद करते हुए कहा कि राजस्व मामलों से संबंधित शिकायत हो किसी अन्य विभाग से संबंधित शिकायत हो सभी का निस्तारण पूरी निष्ठा व लगन से करें ताकि शिकायत करने वाले आमजन मानस को बार-बार तहसील या जिला मुख्यालय का चक्कर न लगाना पड़े। ताकि समाज में इसका एक अच्छा सन्देश जाय।कार्यक्रम में मुख्य राजस्व अधिकारी ने वहां पर उपस्थित सभी राजस्व कर्मचारियों को राजस्व विभाग से संबंधित सभी कार्यों में कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तहसील में हो या क्षेत्र में अपने से संबंधित कार्य को समय से मौके पर जाकर उसका जांच करें, और शिकायतकर्ता को भी मौके पर बुलाकर पूरी निष्ठा के साथ शिकायत का निस्तारण करायें। कार्यशाला में चारों तहसीलों के उपजिलाधिकारी ने अपने अपने विचार को रखा, और राजस्व कार्य के संबंध में जानकारी दी, और कार्य करने के संबंध में एक अच्छा सुझाव भी दिये। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी अधिकारी सुरेश कुमार सोनी, मुख्य राजस्व अधिकारी महेश प्रकाश, उपजिलाधिकारी तरबगंज, करनैलगंज, मनकापुर, गोण्डा सदर सहित जनपद के सभी तहसीलों के तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल व अमीन उपस्थित रहे।

पाकिस्तान की जेल में कैद गुजरात के एक और मछुआरे की मौत, वॉट्सएप के जरिए मिला संदेश

गिर सोमनाथ (ईएमएस)। गुजरात के एक और मछुआरे की पाकिस्तान की जेल में मौत हो गई। इसकी जानकारी जेल में कैद अन्य एक मछुआरे के जरिए मृतक के परिवार को मिली है। जानकारी के मुताबिक गिर सोमनाथ जिले के दुदाणा गांव निवासी भूपतभाई वाला नामक मछुआरा पिछले काफी समय से पाकिस्तान के कराची जेल में कैद थे। गत 8 अक्टूबर को उन्हें सांस की तकलीफ होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान भूपतभाई की मौत हो गई। भूपतभाई की मौत की जानकारी उनके साथ जेल में बंद हरिभाई ने यह जानकारी मृतक परिवार तक पहुंचाई। हरिभाई भी गिर सोमनाथ जिले के विठ्ठलपुर गांव के निवासी हैं हरिभाई ने भूपतभाई की मौत के बाद एक चिट्ठी लिखी और उसे पाकिस्तान के किसी व्यक्ति के जरिए वॉट्सएप मृतक के परिवार को भेज दी। परिवार ने भूपतभाई के मृतदेह को गुजरात लाने की मांग की है।

डीएम ने लाभार्थियों को वितरित किए डीजल पम्पसेट के प्रमाण पत्र

निज संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कृषि, सिंचाई, पशुपालन, लघु सिंचाई, मत्स्य, उद्यान, गन्ना, नलकूप, रेशम व बिजली आदि विभागों में चल रही योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति जानी।

इस दौरान जिन योजनाओं की प्रगति धीमी पाई गई जिलाधिकारी ने उसकी प्रगति बढ़ाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्तर से सभी योजनाओं की समीक्षा हो रही है अतः सभी विभाग योजनाओं की प्रगति को बिल्कुल भी धीमा ना होने दें। जिलाधिकारी ने उपनिदेशक कृषि को निर्देश दिए की किसान सम्मान निधि योजना के सभी लाभार्थियों की ईकेवाईसी कराई जाए। अधिक से अधिक किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ दिया जाए। जनपद में कहीं भी खाद व बीज की कमी न होने दी जाए। उन्होंने पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान सीवीओ का निर्देश दिए कि जनपद में सड़क पर टहलने वाले छुट्टा गोवंशों को पकड़ कर गौशाला भेजा जाए। विशेष अभियान चलाकर इस कार्य को पूरा किया जाए। विभागीय योजनाओं के लाभार्थियों को एक-एक गोवंश इच्छानुसार दिया जाए। उन्होंने रेशम विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि जनपद में शहतूत वृक्ष का अधिक वृक्षारोपण किया जाए। नर्सरी उत्पादन योजना के तहत शहतूत की नर्सरी लगाई जाए। इसके अलावा उन्होंने नलकूप विभाग की समीक्षा के दौरान एक्सईएएन नलकूप को निर्देश दिए कि जनपद में बंद पड़े सभी सरकारी नलकूपों को समय सीमा के अंतर्गत मरम्मत कराते हुये चालू कराया जाए। कोई भी नलकूप बंद नहीं होना चाहिए। सिंचाई विभाग को निर्देश दिए कि सभी नहरों में टेल तक पानी पहुंचाया जाए। नहरों में नियमित रूप से सिल्ट सफाई कराई जाए। सिल्ट सफाई में बिल्कुल भी लापरवाही ना बरती जाए। सिल्ट सफाई के कार्य मनरेगा से कराया जाए। बैठक के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना के अन्तर्गत सीतापति, रानी, कमला देवी आदि लाभार्थियों को पूर्व निर्मित उथले नलकूपों पर डीजल पंपसेट के प्रमाण पत्र वितरित किये।

मनरेगा घोटाले में ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी समेत 5 के खिलाफ एफआईआर दर्ज

डीएम के आदेश पर हुई बड़ी कार्यवाही

निज संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा के आदेश पर जनपद के झंझरी ब्लॉक की ग्राम पंचायत कुन्दुरखी में हुए मनरेगा घोटाले में ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी समेत पांच के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। इनमें, ग्राम प्रधान रेखा देवी, ग्राम विकास अधिकारी प्रसून श्रीवास्तव, ग्राम रोजगार सेवक किशोरी लाल, तत्कालीन तकनीकी सहायक प्रदीप कुमार और तत्कालीन अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी शामिल हैं। जांच में शासकीय धनराशि के दुर्विनियोग और गबन के आरोपों की पुष्टि होने के बाद यह कार्यवाही की गई। वर्ष 2022-23 में विकासखण्ड झंझरी की कुन्दुरखी में वित्तीय मनरोगा योजनान्तर्गत पुलिस चौकी कहोबा से शोभा राम के खेत तक नाले की मिट्टी खुदाई कार्य कराया गया। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने संबंधित कार्य में गड़बड़ी की शिकायत पर जांच की प्रक्रिया शुरू की। संबंधित प्रकरण में जिला विकास अधिकारी गोण्डा, अधिशाषी अभियंता ग्रामीण अभियन्ता विभाग एवं अधिशाषी अभियन्ता सरयू नहर खण्ड-4 की समिति गठित की गई। इस समिति की संयुक्त जांच आख्या 13 अक्टूबर 2023 को सामने आई।

जांच में हुआ यह खुलासा

जांच आख्या के अनुसार प्रस्तावित कार्य की प्राक्कलन लागत 18.35 लाख रुपये है। इसके सापेक्ष पत्रावली के अनुसार कुल धनराशि 17.31 लाख रुपये का व्यय श्रमिकों को किये जाने हेतु मस्टर रोल निर्गत किया गया। जबकि, एमआईएस रिपोर्ट के मुताबिक, परियोजना पर 16.75 लाख रुपये व्यय मजदूरी के रूप में किया गया और सामग्री मद में भुगतान शून्य है। जांच आख्या के अनुसार परियोजना स्थल पर कुल धनराशि 8,69,441 रुपये का कार्य पाया गया। इस प्रकार भुगतान की गई धनराशि के सापेक्ष कार्य पर कुल 8,06,392 रुपये का अधिक भुगतान किया गया और मौके पर कार्य कम पाया गया। जांच में खुलासे के बाद डीएम नेहा शर्मा के आदेश पर परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण चन्द्रशेखर द्वारा कोतवाली नगर में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस

जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने साफ किया है कि भ्रष्टाचार को किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं किया जाएगा। प्रदेश सरकार को भ्रष्ट के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रही है। जनपद में किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचार करने वालों को माफ नहीं किया जाएगा।

गोंडा में शक्ति वंदन से होगी जीरो वेस्ट इवेंट की स्वच्छ परम्परा की शुरुआत

- समारोह से उत्सर्जित कूड़ा का निस्तारण किया जाएगा सुनिश्चित
- गीले कूड़े से बनेगी खाद, संबंधित इंडस्ट्री को भेजा जाएगा सूखा कूड़ा

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा की पहल आगामी महाष्टमी के दिन प्रस्तावित शक्ति वंदन समारोह जनपद में एक स्वच्छ परम्परा की नींव भी रखने जा रहा है। इस कार्यक्रम को जीरो वेस्ट इवेंट के रूप में मनाया जा रहा है। यानी इस समारोह से निकलने वाले कूड़ा का पृथक्किकरण और निस्तारण स्थल पर ही सुनिश्चित कर लिया जाएगा। यह पहली बार है जब जनपद में आयोजित किसी समारोह को जीरो वेस्ट इवेंट के रूप में आयोजित किया जा रहा है। बता दें, जिला प्रशासन की ओर से आगामी महाष्टमी के दिन शक्ति वंदन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। शहीदे आजम सरकार भगत सिंह इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित इस समारोह में 11 हजार कन्याओं का कन्या पूजन किया जाएगा। यह देश का सबसे बड़ा कन्या पूजन है।

गीले कूड़े से बनेगी खाद

अधिशासी अधिकारी संजय मिश्र ने बताया कि इनती बड़ी संख्या में लोगों के इकट्ठा होने से कूड़ा भी बड़ी मात्रा में उत्सर्जित होने का अनुमान लगाया जा रहा है। कार्यक्रम स्थल पर कूड़ा इकट्ठा करने की व्यवस्था की जा रही है। इकट्ठा होने वाले कूड़ा का स्थल पर ही पृथक्करण सुनिश्चित किया जाएगा। गीले कूड़े को खाद के रूप में परिवर्तित किया जाएगा। सूखे कूड़े को भी अलग-अलग किया जाएगा। इसे नगर पालिका परिषद की डिसेंट्राइलज्ड ड्राई वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट में भेजकर निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। बता दें, नगर पालिका परिषद की ओर से नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन नियमावली / उपविधि, 2017 को बीते शुक्रवार को ही लागू कर दिया गया है। इसके प्रावधानों में भी जीरो वेस्ट इवेंट की बात कही गई है।

कूड़ासुर देगा कूड़ा न फैलाने का संदेश

शक्ति वंदन के दौरान कूड़ासुर आम जनता को गंदगी न फैलाने का पाठ भी पढ़ाएगा। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अन्तर्गत जागरूकता कार्यक्रम की व्यवस्था भी की गई है। इसमें, नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन नियमावली / उपविधि, 2017 की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा, प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने के प्रति भी जागरुक किया जाएगा।

मन्दिर में प्राण प्रतिष्ठा के पहले पूर्ण हो अयोध्या में सारे कार्य-सूर्य प्रताप शाही

प्रभारी मंत्री का जनपद भ्रमण एवं विकास कार्यों की समीक्षा

त्रिगुट संवाददाता

अयोध्या। उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग के मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही जी द्वारा आयुक्त सभागार में अयोध्या विजन तथा जनपद के विकास कार्यो के प्रगति की समीक्षा की गयी। इसमें मा0 मंत्री ने कहा कि बरसात का मौसम समाप्त हो चुका है। दीपोत्सव एवं श्री राम मंदिर के उद्घाटन की तिथियां निश्चित है। विभागीय अधिकारी अपने-अपने कार्यों को गति दे तथा समयबद्धता के साथ गुणवत्ता बनाए रखते हुये और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये कार्यो को पूरा करें। उन्होंने कहा कि विगत माह में मुख्यमंत्री जी द्वारा अयोध्या के विकास कार्यो की समीक्षा की गयी थी उस बैठक में विभागीय प्रमुख सचिवों के अलावा विभागाध्यक्ष भी उपस्थित थे जिसमें उनके द्वारा विशेष रूप से लोक निर्माण विभाग, आवास विभाग, नगर विकास आदि से सम्बंधित कार्यो को समयबद्धता के साथ करने के निर्देश दिये गये थे। मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देश/घोषणा के अनुसार यहां के जनपदीय एवं मण्डलीय अधिकारी अपने-अपने विभागाध्यक्ष से अनुमोदन लेकर कार्यों में तेजी लायें। उन्होंने कहा कि पंचकोसी व चौदह कोसी मार्ग पर स्थित धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार कराने तथा वहां पर पार्किंग आदि की व्यवस्था के भी निर्देश दिये गये इसको भी पूरा किया जाय। मा0 मंत्री ने कहा कि अयोध्या के 37 मंदिरों एवं 41 कुंडों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है, जिसमें 14 कुण्डों का जीर्णोद्धार हो चुका है शेष को भी गुणवत्ता बनाए रखते हुए जनप्रतिनिधियों एवं सम्बंधित संस्था के प्रमुखों को विश्वास में लेकर कार्यो को पूर्ण किया जाय। इस कार्य को पर्यटन विभाग एवं पर्यटन विकास निगम तथा सम्बंधित कार्यदायी संस्था समयबद्धता के साथ पूर्ण गुणवत्ता रखते हुए पूर्ण करायें।

उन्होंने नगर के इंटर कॉलेजों एवं प्राथमिक विद्यालयों का कायाकल्प/स्मार्ट सिटी आदि योजनाओं में लेकर उनका सौन्दर्यीकरण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आवास विकास परिषद द्वारा अयोध्या में विकसित की जा रही ग्रीन फील्ड टाउनशिप (नव्य अयोध्या) में विभिन्न राज्यों हेतु 32 प्लाटों में 15 राज्यों के प्रतिनिधियों द्वारा भूमि का अवलोकन कर लिया गया है जिसमें गुजरात राज्य को प्लाट का आवंटन पत्र भी जारी हो चुका है। श्री शाही ने शेष राज्यों से सम्पर्क कर भूमि आवंटन पत्र दीपोत्सव तक जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने पर्यटन विभाग एवं नगर विकास को श्रद्धालुओं को देखते हुए अधिक से अधिक गाइडों की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने अयोध्या की साफ सफाई का विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। अगले चरण में मा0 मंत्री जी द्वारा कानून व्यवस्था एवं मा0 मुख्यमंत्री डैश बोर्ड जिला अनुश्रवण पुस्तिका (विकास कार्यो से सम्बंधित) की समीक्षा बैठक करते हुये उन्होंने कहा कि आईजीआरएस तथा अन्य माध्यमों से प्राप्त जन शिकायतों का निस्तारण पूर्ण गुणवत्ता के साथ किया जाय और निस्तारित संदर्भो का फीडबैक लिया जाय तथा जिन शिकायतों की पुर्नरावृत्ति हो रही है उस पर विशेष ध्यान दिया जाय। कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुये कहा कि मिशन शक्ति के तहत विशेष अभियान (फेस-4) को सभी विभाग आपसी समन्वय करते हुये सफल बनायें, जिसमें महिलाओं से जुड़ें विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं से उन्हें आच्छादित करायें। स्वास्थ्य विभाग के कार्यो की समीक्षा करते हुये उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना के तहत पूर्व में पात्रता सूची के अलावा अब सरकार द्वारा पात्र गृहस्थी के अन्तर्गत 6 सदस्यों वाले परिवारों को भी योजना से आच्छादित करने का निर्णय लिया गया है इसलिए अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कर सभी का गोल्डेन कार्ड बनवाये तथा अस्पतालों में दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करायें। कृषि विभाग के कार्यो की समीक्षा करते हुये उर्वरकों एवं बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुये कहा कि गेहूं के बीज का वितरण पारदर्शी रूप से कराया जाना सुनिश्चित किया जाय तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से वंचित किसानों की के0वाई0सी0 कराते हुये बेहतर प्रचार प्रसार किया जाय।

समीक्षा बैठक में सर्वप्रथम जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार द्वारा मा0 मंत्री का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। बैठक का बिन्दुवार विवरण जिलाधिकारी द्वारा प्रस्तुत करते हुए कहा गया कि मंदिर निर्माण के साथ ही देश के विभिन्न प्रदेशों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण अंतिम चरणों में है जिसमें रन-वे का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण भी शीघ्र पूर्ण हो जायेगा। इसके अलावा अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन के फेज-1 का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। इसके साथ ही श्रीराम मंदिर को जोड़ने वाले अयोध्या के प्रमुख पथों यथा-राम पथ, भक्ति पथ, जन्मभूमि पथ एवं धर्म पथ का निर्माण कार्य तीव्र गति से गतिमान है जिसे प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व पूर्ण कर लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न रेलवे उपरिगामी सेतु का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसमें सम्पार संख्या 112, सम्पार संख्या 107, सम्पार संख्या 105 व सम्पार संख्या 118ए का कार्य गतिमान है। इसके अलावा अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन पार्किंग के लिए 5 मल्टी लेबल पार्किंगों का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है, जिसका संचालन अयोध्या विकास प्राधिकरण के द्वारा फैसलिटी मैनेजमेंट का चयन कर किया जायेगा। इन मल्टीलेबल पार्किंगों में निर्मित दुकानों को अयोध्या में विभिन्न पथों के निर्माण के दौरान पूर्ण रूप से विस्थापित दुकानदारों को आवंटन कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त दीपोत्सव एवं प्राण प्रतिष्ठा आयोजन के लिए परम्परागत रूप से उपयोग की जा रही सरफेस पार्किंगों के अतिरिक्त 70 एकड़ भूमि का अलग से चयन कर लिया गया है, जिसमें 10 एकड़ गुप्तारघाट, 35 एकड़ उदया चैराहे तथा 25 एकड़ प्रहलाद घाट/राजघाट के समीप है। जिलाधिकारी ने कहा कि पुरानी अयोध्या की सांस्कृतिकता को संजोने के लिए भी विभिन्न कार्य किये जा रहे है जिसमें जीर्ण शीर्ण अफीम कोठी जिसे साकेत सदन के नाम से जाना जाता है उसका भी जीर्णोद्वार कराया जा रहा है। उन्होंने निर्माणाधीन अयोध्या अकबरपुर बसखारी मार्ग के फोर लेन मार्ग का निर्माण के प्रगति के सम्बंध में अवगत कराते हुये बताया कि उक्त सड़क निर्माण कार्य दिसम्बर माह तक पूर्ण कर लिया जायेगा।

अगले चरण में मा0 मंत्री जी के समक्ष वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजकरन नय्यर द्वारा दीपोत्सव एवं प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सम्बंध में पुलिस विभाग द्वारा की जा रही तैयारियों से अवगत कराते हुये कहा कि मंदिर से 500 मीटर से 5 किमी0 की सीमा में विभिन्न पार्किंग स्थलों का चयन किया गया है तथा अयोध्या से जुड़े विभिन्न जिलों के मार्गो के समीप भी पार्किंग स्थलों सहित अन्य सुविधाओं के लिए स्थलों आदि का चयन किया गया है। इसके अतिरिक्त अयोध्या के रूटों में टैफिक व्यवस्था आदि के सम्बंध में विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। नगर निगम एवं अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों के सम्बंध में नगर आयुक्त/उपाध्यक्ष अयोध्या विकास प्राधिकरण श्री विशाल सिंह द्वारा अयोध्या शहर की साफ सफाई आदि के सम्बंध में अवगत कराया। उन्होंने विकास प्राधिकरण द्वारा विभिन्न पथों के किनारे स्थित भवनों के फसाड डिजाइनिंग के कार्यों के सम्बंध में अवगत कराते हुए बताया कि दीपोत्सव तक अयोध्या धाम तथा मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा तक समस्त कार्यो को पूर्ण कर लिया जायेगा। इसके अलावा अयोध्या नगर निगम द्वारा 33 पार्को का कायाकल्प किया गया है, जिसका संचालन नगर निगम द्वारा किया गया है। मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अनिता यादव द्वारा जनपद में कराये जा रहे विकास कार्यो के सम्बंध में प्रस्तुतीकरण किया गया।

बैठक में उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रोली सिंह, मा0 विधायक अयोध्या श्री वेद प्रकाश गुप्ता, मा0 विधायक रुदौली श्री राम चन्दर यादव द्वारा अपने अपने क्षेत्र से सम्बंधित विभिन्न बिंदुओं की ओर मा0 मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट कराया। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 संजय जैन, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) श्री महेन्द्र कुमार सिंह, उपनिदेशक सूचना डा0 मुरलीधर सिंह, परियोजना निदेशक श्री आर0पी0 सिंह, उप निदेशक कृषि, डी0डी0ओ0 सहित पीडब्ल्यूडी विभाग, विद्युत विभाग, सिंचाई विभाग, पंचायत विभाग एवं अन्य विभागों के मण्डलीय एवं जनपदीय अधिकारी उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक के पूर्व मंत्री द्वारा सर्किट हाउस में पार्टी के प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की तथा समीक्षा बैठक के उपरांत प्रभारी मंत्री द्वारा प्रदेश के पहले एकीकृत कार्यालय जिसमें नगर निगम एवं अयोध्या विकास प्राधिकरण का संयुक्त कार्यालय होगा इस हेतु जीजीआईसी के सामने साईं धाम मंदिर के समीप चयनित भूमि का विधि विधान पूर्वक पूजन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार, नगर आयुक्त श्री विशाल सिंह, नगर विधायक श्री वेद प्रकाश गुप्त, जिलाध्यक्ष भाजपा श्री संजीव सिंह सहित नगर निगम एवं विकास प्राधिकरण के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इसके बाद मंत्री द्वारा निर्माणाधीन राम पथ में फुटपाथ सहित अन्य कार्यों का अवलोकन किया। जिलाधिकारी द्वारा राम पथ की विशिष्टताओं के सम्बंध में अवगत कराया गया। इसके बाद हनुमानगढ़ी आदि मंदिरों का दर्शन किया।

संक्षिप्त समाचार

1.83 लाख किसान होंगे सम्मान निधि से वंचित

आजमगढ़। पीएम किसान सम्मान निधि के लिए जिले में 754763 किसान पंजीकृत हैं। योजना का लाभ लेते रहने के लिए इनको ई केवाईसी कराना अनिवार्य है। इसके लिए विभाग अभियान भी चला रहा है। इसके बाद भी जनपद में लगभग 1.83 लाख ऐसे किसान हैं जिनकी ई केवाईसी पूरी नहीं हो पाई है। ऐसे में इनके खातों में सम्मान निधि की 15वीं किस्त नहीं पहुंच पाएगी। दो हेक्टेयर से कम जोत वाले किसानों को केंद्र सरकार ने सालाना छह हजार रुपये दिए जाने का वादा किया था। मार्च 2019 से योजना के तहत पंजीकरण कराएं किसानों के खातों में दो-दो हजार रुपये भेजे जाने भी लगे। वर्तमान समय में जिले की आठ तहसीलों में 754763 पंजीकृत हैं। बाद में सरकार ने खातों का ई केवाईसी कराने के साथ ही पीएम सम्मान निधि पोर्टल पर किसानों का भूमि अंकन व खातों का एनपीसीआई लिंक कराना अनिवार्य कर दिया। जिन किसानों ने यह प्रक्रिया पूरी करा लिया है उनके खातों में सम्मान निधि की हर किस्त पहुंच रही है, लेकिन जिनका नहीं हो पाया वह हर रोज विभाग और बैंकों का चक्कर काट रहे हैं। शासन के निर्देश ब्लाक पर स्थित राजकीय बीज गोदामों और कृषि भवन में किसानों की समस्या के समाधान के लिए हेल्प डेस्क बनाया बना है। वहां से भी किसानों को निराश ही लौटना पड़ रहा है। अभी 76 प्रतिशत ई केवाईसी का काम पूरा हो पाया है। 24 प्रतिशत किसान योजना का लाभ लेने के लिए भटक रहे हैं।

घर में घुसे चोरों ने उड़ाए नकदी व जेवरात

आजमगढ़। थाना क्षेत्र के बाघपुर गांव निवासी एक व्यक्ति के घर में शुक्रवार की रात छत पर चढ़ कर घुसे चोरों ने लाखों की नकदी व जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। शनिवार की सुबह सोकर उठने पर परिजनों को घटना की जानकारी हुई। पीड़ित ने घटना के बाबत बरदह थाने पर अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है। बाघपुर गांव निवासी रामअवध का परिवार शुक्रवार की रात खाना खाने के बाद सोने चला गया। देर रात अज्ञात चोर घर के पास स्थित पेड़ पर चढ़ कर छत पर उतर गए। इसके बाद सीढ़ी के सहारे अंदर उतर आए। चोरों ने घर में रखे आलमारी व बक्सा आदि को तोड़ कर उसमें रखे 20 हजार रुपये नकदी के साथ ही सोने की चेन, सोने की हार, मांगटीका, दो जोड़ी कनफूल, चांदी की करधन व कीमती कपड़े आदि उठा ले गए। रामअवध व परिवार के लोग शनिवार की सुबह सोकर उठे तो घर के अंदर का हाल देख उनके होश ही उड़ गए। पीड़ित ने तत्काल सूचना पुलिस को दिया। सूचना पर बरदह थाना पुलिस डॉग स्क्वायड व फोरेंसिक टीम के साथ पहुंच कर मौका मुआयना किया। रामअवध ने घटना के बाबत पुलिस को लिखित तहरीर दे दिया है।

हादसे में पति की मौत के बाद देवर ने लूटी विधवा की आबरू, सास बोली- तुम्हारी शादी करा देंगे

बदायूं। बदायूं में एक महिला ने अपने देवर खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सास को भी नामजद किया है। उसका आरोप है कि पति की मौत के बाद देवर ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। सास भी दोनों की शादी कराने की बात कहती थी। बाद में शादी से इनकार कर दिया। बदायूं के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। महिला के पति की मौत हो चुकी है। उसका आरोप है कि देवर ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने देवर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। उसने अपनी सास को भी नामजद कराया है। महिला का कहना है कि पांच साल पहले उसके पति की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। इसके कुछ दिन बाद उसके ससुर की भी मौत हो गई थी। ससुर सरकारी नौकरी में थे। उनके फंड का 20 लाख रुपये मिले थे। मृतक आश्रित कोटे पर देवर को नौकरी मिल गई थी। महिला के मुताबिक उसकी सास ने कहा था कि वह देवर को नौकरी दिलवाने में अपनी अनुमति दे दे। इससे उसने अनुमति दे दी। आरोपी देवर उसे शादी का झांसा देता रहा। कई बार उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में सास ने कहा था कि उसकी शादी देवर से करवा देंगी। इसके लिए वह भी तैयार हो गई। आरोप है कि बाद में देवर ने शादी से इनकार कर दिया। उसके बच्चों को भी कुछ नहीं दिया। अब उसकी सास उसके ही खिलाफ शिकायत कर रही है। महिला ने अपने देवर और सास के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

तीन गो तस्करों पर गैंगस्टर की एफआईआर

बदायूं। उघैती एसओ सुरेंद्र कुमार सिंह ने तीन गो तस्करों के खिलाफ गैंगस्टर के तहत एफआईआर दर्ज कराई है। उनका कहना है कि रामपुर जिले के टांडा थाना क्षेत्र के गांव पीपरी नायक नगेंद्र, मुरादाबाद के भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव ठिकरी निवासी उस्मान और फैजगंज बेहटा कस्बे के वार्ड नंबर 10 निवासी फुरकान उर्फ इरफान गो तस्कर हैं। वह लगातार क्षेत्र में गैंग बनाकर घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने कई घटनाओं को अंजाम दिया है और इससे अवैध धन अर्जित कर रहे हैं। इस पर एसओ ने तीनों के खिलाफ गैंगस्टर के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सिर्सा खुर्द में निकला अजगर, वन विभाग की टीम पहुंची

बदायूं। जरीफनगर थाना क्षेत्र के कस्बा दहगवां निवासी रामकिशोर के खेत में 15 फिट लंबा अजगर देख ग्रामीणों की भीड़ मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों की सूचना पर डायल 112 पुलिस पहुंची और वन विभाग की टीम को सूचना दी। देर शाम अजगर को वन विभाग के हवाले कर दिया गया। गांव सिर्सा खुर्द के रहने वाले रामकिशोर रविवार की शाम को ट्रैक्टर से खेत की जुताई कर रहे थे कि अचानक एक अजगर निकलकर बाजरे के खेत में घुसने लगा। यह देख वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। मौजूद लोगों ने बाजरा के खेत में घुस रहे अजगर को पकड़ लिया और खाली खेत में ले आए। घटना की सूचना डायल 112 पुलिस को दी। इस बीच अजगर ने कुत्ते पर हमला बोल दिया। यह देख ग्रामीणों का पसीना छूट गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अजगर मिलने की सूचना वन विभाग की टीम को दी। दो घंटे बाद पहुंची वन विभाग की टीम अजगर को अपने साथ ले गई।

डेढ़ लाख लोगों को बाल विवाह न करने की शपथ दिलाई

बागपत। कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन की ओर से देश में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जनहित फाउंडेशन की ओर से बागपत को बाल विवाह से मुक्त/बाल अपराध मुक्त बनाने के लिए स्कूल, कॉलेज, ग्राम पंचायत व शहरी क्षेत्रों में बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई जा रही है। जिले की 150 से अधिक ग्राम पंचायतों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। फाउंडेशन की निर्देशिका अनीता राणा मलिक ने बताया कि संस्था की ओर से बागपत में लगभग डेढ़ लाखा लोगों को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शपथ दिलाई जा चुकी है।

हापुड़ में होने वाले सम्मेलन में पहुंचने का आह्वान

बागपत। भाजपा के जिला कार्यालय पर कार्यकर्ताओं की बैठक हुई, जिसमें 15 अक्तूबर को हापुड़ में होने वाले अनुसूचित जाति के सम्मेलन को लेकर चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष वेदपाल उपाध्याय ने बताया कि सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संबोधित करेंगे। उन्होंने सम्मेलन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपकर अधिक से अधिक संख्या में हापुड़ पहुंचने का आह्वान किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष कुलदीप भारद्वाज, मंडल अध्यक्ष व संयोजक कपिल देव, संजय उपाध्याय, सुनील दीक्षित, सत्येंद्र प्रजापति, अमित उपाध्याय मौजूद रहे।

राजकीय की छात्राओं ने निकाली रैली

बागपत। नारी सुरक्षा एवं सम्मान अभियान के अंतर्गत सोमवार को राजकीय इंटर कालेज बागपत की छात्राओं ने रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ राज्य मंत्री केपी मलिक, डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह और एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली विद्यालय से शुरू होकर दिल्ली सहारनपुर हाईवे से होते हुए कलक्ट्रेट पहुंची, जहां राष्ट्रगान के साथ रैली का समापन किया गया। रैली में नेहरू युवा केंद्र, मंगल दल, भारत स्काउट एंड गाइड का सहयोग रहा। इस मौके पर सीडीओ हेंद्र सिंह, सीएमओ डॉ महावीर सिंह, एसएसपी मनीष मिश्र सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

इंटरनेट सेवाएं बाधित, आरक्षण व्यवस्था ठप

बड़ौत। नगर के रेलवे स्टेशन पर सोमवार को इंटरनेट सेवाएं बाधित होने से यात्रियों को आरक्षण कराने को लेकर दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इसको लेकर यात्रियों ने आक्रोश जताया और रेलवे अधिकारियों से समस्या का शीघ्र समाधान कराए जाने की मांग की। सोमवार को बावली, मलकपुर, जौनमाना, ढिकाना, बड़ौत, बाजिदपुर, गुराना आदि जगहों से यात्री नगर के रेलवे स्टेशन पर आरक्षण कराने के लिए पहुंचे। इस दौरान कुछ यात्रियों का आरक्षण होने के बाद अचानक गाजियाबाद से लिंक गायब हो गया। यात्री स्टेशन पर इंतजार करते रहे, लेकिन घंटों इंतजार करने के बाद भी आरक्षण नहीं हुआ। इसको लेकर यात्रियों ने आक्रोश जताया। सुनील, मनोज, अंकित, मोनू ने बताया कि आए दिन नगर के रेलवे स्टेशन पर लिंक गायब रहता है, जिस कारण घंटों लाइन में लगे रहने के बावजूद आरक्षण नहीं होता।

नहीं थम रहा बुखार का प्रकोप, तीन महिलाओं समेत पांच की मौत, कई लोग बीमार

बरेली। बदलते मौसम में बुखार का प्रकोप जानलेवा साबित हो रहा है। 24 घंटे में बुखार पीड़ित पांच मरीजों की जान चली गई। इनमें तीन महिलाएं थीं। कई लोग बीमार हैं, जो अलग-अलग जगह अपना उपचार करा रहे हैं। बरेली जिले में गांव-देहात में बुखार के प्रकोप से लोगों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। भमोरा के गांव सिरसा बिछोरिया में रविवार की रात कमला (42 वर्ष), धानवती (25 वर्ष) व गीता (28 वर्ष) की मौत हो गई। मझगवां ब्लॉक के गांव राजापुर कला में सोनू पोरवाल (42 वर्ष) और बिशारतगंज के वार्ड नंबर पांच निवासी मुफ्ती सोहेल रजा अंसारी (28 वर्ष) की भी जान चली गई। सोनू और मुफ्ती सोहेल का बरेली के अस्पतालों में उपचार चल रहा था। परिजनों के मुताबिक जांच में डेंगू बताया था। भमोरा के गांव सिरसा बिछोरिया में इससे पहले भी बुखार से तीन लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग ने शिविर लगाकर लोगों की जांच की। बाद में विभाग बेफिक्र हो गया। सोमवार को तीन महिलाओं के शवों का अंतिम संस्कार किया गया। ग्राम प्रधान सर्वेंद्र मौर्य ने बताया कि गांव में शिविर लगाने के बाद किसी ने झांक कर नहीं देखा। यहां स्वास्थ्य केंद्र भी है, लेकिन नर्स या डॉक्टर नहीं बैठता है। ऐसे में ग्रामीण झोलाछाप से इलाज करने को मजबूर हैं।

राजपुर कला गांव में ही एक दर्जन से अधिक लोग डेंगू की चपेट में हैं। गांव के मेडिकल संचालक सोनू को छह दिन से बुखार आ रहा था। वह बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती थे। रविवार की रात उन्होंने दम तोड़ दिया। यहां की रेखा श्रीवास्तव भी अपनी जान गंवा चुकी हैं।

एक घर में चार लोगों को डेंगू

गांव के अवनेश यादव ने बताया कि उनके ही घर में चार लोग डेंगू पॉजिटिव हैं। वहीं रविंद्र सिंह, रिंकू, महेंद्र, अर्जुन, वीरपाल की पत्नी देवराज, फिरासत, कदीर, हसरत और सूरज पाल के दो बच्चे भी डेंगू की चपेट में है। गांव में तीन बार स्वास्थ्य विभाग की ओर से शिविर लगाया जा चुका है, लेकिन डेंगू पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है।

इधर, बिशारतगंज में परिजनों के मुताबिक मुफ्ती सोहेल को दो दिनों से तेज बुखार आ रहा था। गंभीर हालत में उन्हें बरेली के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां जांच में वह डेंगू पॉजीटिव पाए गए थे। रविवार की रात उनकी मौत हो गई। छह दिन पूर्व इसी वार्ड के जाकिर अंसारी की पत्नी समर जहां की भी डेंगू के कारण मौत हो गई थी।

आत्मनिर्भर बनने को लगाए उद्योग, मिलेगा 10 लाख तक अनुदान

आजमगढ़। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के अंतर्गत लघु उद्योग स्थापित करने पर 10 लाख तक अनुदान मिलेगा। इस योजना में असंगठित क्षेत्र के लोगों को भी रोजगार करने का अवसर है। साथ ही जो लघु उद्यमी पहले से उद्योग लगाएं हैं, वह उसका विस्तार भी कर सकते हैं। पीएम एफएमई योजना के तहत जनपद में 206 इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य है। इसमें पुराने उद्यमी भी अपने उद्योगों का विस्तार कर सकते हैं। इसके अलावा नए उद्यमी और असंगठित क्षेत्र के लोग भी आटा चक्की, तेल स्पीलर, गुड़ का कोल्हू, राइस मिल आदि की स्थापना और खाद्य पदार्थो को तैयार करने के लिए विभागीय पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। 30 लाख तक या इससे कम ऋण पर सरकार 35 प्रतिशत अनुदान देगी। अब तक 57 लोगों ने इसका लाभ उठाया है। 149 और लोगों को इसका लाभ दिया जाना है। योजना का लाभ लेने के लिए पहले विभागीय पोर्टल पर आवेदन करना होगा। पीएम एफएमई योजना के तहत लोगों को आत्म निर्भर बनाने के लिए 206 लघु उद्योगों की स्थापना का लक्ष्य है। 30 लाख तक या इसमें कम के ऋण पर सरकार 35 प्रतिशत अनुदान देगी। अब तक 57 लोगों को इसका लाभ मिल चुका है।

कबाड़ वाली कारीगरी बढ़ा रही आलीशान घरों की शोभा, हर कोई कर रहा तारीफ

आजमगढ़। साज फाउंडेशन की संचालिका डॉ. संतोष सिंह की कलाकृतियों का कोई सानी नहीं है। गरीब हो या अमीर उनके घरों से निकलने वाले कबाड़ या आसपास पड़े निष्प्रयोज्य सामानों को आकर्षक रूप दे रही हैं। जो आपके लिए वेस्ट है, वो हमारे लिए बेस्ट है यह कोई कहावत नहीं बल्कि हकीकत है। जी हां, आप सही समझ रहे हैं। हम बात कर रहे हैं साज फाउंडेशन की संचालिका डॉ. संतोष सिंह की। जिनके कलाकृतियों की कोई सानी नहीं है। गरीब हो या अमीर उनके घरों से निकलने वाले कबाड़ या आसपास पड़े निष्प्रयोज्य सामानों को आकर्षक रूप दे रही हैं। इनके द्वारा निर्मित सामान अब बड़े घरों के डायनिंग हाल की शोभा बढ़ा रहे हैं।

शहर के सिधारी मोहल्ले में रह रहीं डा. संतोष सिंह ने इलाहाबाद से पालीटेक्निक से फैशन डिजाइन में डिप्लोमा किया। इसके बाद इलाहाबाद से अर्थशास्त्र में पीएचडी की डिग्री हासिल की। उनकी शादी जिले के सिंहपुर जहानागंज निवासी डॉ. एपी सिंह से हुई। एक घरेलू महिला की जिंदगी जी रहीं डा. संतोष सिंह अपनी प्रतिभा का सदुपयोग आर्थिक रूप से कमजोर लड़कियों व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में करने की सोचीं, वह भी जिसमें किसी प्रकार के रॉ-मैटेरियल की जरूरत न हो। उन्होंने नारी सशक्तीकरण की दिशा में महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए एक पहल की। ग्रामीण महिलाओं के हुनर को तराशने और उन्हें स्वावलंबी बनाकर आर्थिक समस्या से उबारने के लिए कार्य शुरू कर दिया। महिलाओं ने जूट, रद्दी पेपर, थर्माकोल, कपड़ा सहित कबाड़ आदि से कलाकृतियां बनाना शुरू किया। संस्था से जुड़ीं लगभग 350 महिलाएं प्रतिमाह लगभग 10 से 15 हजार रुपये की आय कर रहीं हैं। उनके द्वारा बनाए गए सामान की बिक्री के लिए बाजार भी उपलब्ध कराया है। काफी संख्या में लोग कार्यशाला से ही कबाड़ से बने सामान ले जाते हैं। जब कारोबार बढ़ा तो उन्होंने वाट्सएप और फेसबुक पर भी अपनी दुकान सजा ली और वहां भी अपने सामानों की बिक्री करती हैं।

नौकरी के लिए मलेशिया भेजने के नाम पर चार लाख की ठगी

बदायूं। थाना क्षेत्र के तीन लोगों को विदेश भेजने के नाम पर लाखों की ठगी करने, जो लोग विदेश गए हैं उनसे करीब तीन-चार माह से बात न होने पर परिजनों ने आरोपी के विरुद्ध शनिवार की देर शाम एफआईआर दर्ज कराई। मनियर थाना प्रभारी मंतोष सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी गांव में नहीं है। तलाश की जा रही है। क्षेत्र के बड़ागाव निवासी गोलू गुप्ता पुत्र हरिशंकर गुप्ता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी बड़ागांव चट्टी पर किराने की दुकान है। दो भाई गोलू एवं चंदन गुप्ता दुकान को देखते थे। करीब तीन चार माह पूर्व शमशेर खान पुत्र ताहिर खान निवासी सेमरी कोतवाली बांसडीह और गणेश पांडेय पुत्र काशीनाथ पांडेय निवासी छितरौली थाना कोतवाली बांसडीह दुकान पर आए। भाई चंदन गुप्ता, अब्दुल कादिर खान पुत्र अख्तर हुसैन खान, रफाकत हुसैन पुत्र वलामत खान को मलेशिया में नौकरी देने का प्रलोभन दिया। झांसे में लेकर प्रत्येक लोगों से डेढ़-डेढ़ लाख रुपये लेकर 19 जून को मलेशिया ले जाने के लिए कोलकाता से फ्लाइट पर बिठा दिया। 20 जून को मैंने फोन से अपने भाई से बात की। भाई ने बताया कि मलेशिया के लिए सीधे कोई फ्लाइट हमें नहीं मिली है। हम लोगों ने बैंकाक की फ्लाइट पकड़ी। बैंकॉक से मलेशिया पहुंचेंगे। इसके बाद से उनके बात नहीं हो रही है। वह घर जाकर भेजने वालों से पूछा गया तो बताया कि मलेशिया भेज दिए हैं। धमकी देते हुए भगा दिया।

बरेली में आंधी-पानी के साथ बरसे ओले, एक लाख घरों की बिजली रही गुल

बरेली। बरेली में सोमवार को अचानक मौसम बदल गया। आसमान में काले बादल छा गए। आंधी-पानी के साथ ओले गिरे, जिससे फसलों को नुकसान पहुंचा है। कई इलाकों में बिजली भी गुल रही। मंगलवार को भी सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने बारिश का अनुमान जताया है। पहाड़ों से मैदानी इलाकों में प्रवेश कर रहे पश्चिमी विक्षोभ ने सोमवार को एक झटके में मौसम का मिजाज बदल दिया। बरेली में आंधी के साथ बारिश हुई और कुछ जगहों पर ओले भी गिरे। इससे फसल को काफी नुकसान हुआ है। वहीं, शहर के एक लाख घरों-प्रतिष्ठानों की बिजली आपूर्ति भी ठप हो गई। बदले मौसम में वायरल बीमारियां बढ़ने की भी आशंका है। सोमवार को दिनभर बादल मंडराते रहे। सुबह 11 बजे कुछ जगहों पर तेज बारिश तो कहीं बूंदाबांदी शुरू हो गई। 15 मिनट तक बारिश के साथ कुछ जगहों पर ओले बरसते रहे। थोड़ी देर बाद आसमान साफ हुआ। धूप निकली। दोपहर दो बजे के बाद फिर बादल मंडराने लगे। अपराह्न तीन बजे शहर के कई इलाकों में आंधी के साथ बारिश शुरू हुई। करीब डेढ़ घंटे तक मौसम का मिजाज भीगा-भीगा सा रहा। अक्तूबर के दूसरे पखवाड़े में हुई बारिश ने शाम को ठंड का अहसास कराया। आंधी के चलते जगह-जगह पेड़ों की टहनियां गिरती रहीं। वज्रपात की आशंका से सहमे लोग बारिश-आंधी थमने का इंतजार करते रहे। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ विशेषज्ञ अतुल कुमार के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ का असर रुहेलखंड क्षेत्र में मंगलवार को भी जारी रहने की संभावना है। गरज, चमक व तेज हवा के साथ हल्की बारिश के आसार हैं। इससे दिन और रात के तापमान में और गिरावट हो सकती है। सोमवार को अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम 28.4 डिग्री और न्यूनतम सामान्य स्तर पर 20.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

वायरल और मच्छरजनित रोगों के बढ़ने की आशंका

जिला अस्पताल के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. आरके गुप्ता के मुताबिक बेमौसम बारिश से एक बार फिर जगह-जगह जलभराव और कीचड़ की स्थिति बन गई है जो मच्छरों के लार्वा पनपने के लिए अनुकूल है। इसके अलावा डायरिया, सर्दी-जुकाम, बुखार व अन्य वायरल बीमारियों की चपेट में आने की आशंका है। बच्चे और बुजुर्गों को सेहत का विशेष ध्यान रखना होगा। सुबह-शाम घर में रहें। खानपान पौष्टिक रखें।

शाम तक ठीक हुए फॉल्ट

सुभाषनगर, सदर कैंट, कुतुबखाना, जगतपुर, शाहदाना, किला, हरुनगला, मढ़ीनाथ, सिविल लाइंस प्रथम, द्वितीय, तृतीय, रामपुर गार्डन सबस्टेशन जुड़े एक लाख से अधिक उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति सोमवार दोपहर आंधी की वजह से ठप हो गई। सिविल लाइंस में एक घंटे बाद आपूर्ति बहाल हो गई, लेकिन सुभाषनगर और सदर कैंट में कई स्थानों पर पेड़ की डालें गिरने से तार टूट गए। लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं और पांच घंटे से अधिक देर तक आपूर्ति ठप रही।

सिविल लाइंस स्थित 132 केवी सबस्टेशन से 33 केवी के 15 फीडरों पर आपूर्ति की जाती है। अधिकतर फीडर दोपहर डेढ़ से ढाई बजे तक बंद रहे। आंधी थमी तो लाइनों को देखा गया। सदर कैंट में कई स्थानों पर लाइन क्षतिग्रस्त हुई थी। इसलिए दोपहर 1.19 से शाम 7.25 बजे तक आपूर्ति ठप रही। विद्युत वितरण खंड प्रथम के अधिशासी अभियंता अमित आनंद ने बताया कि पारेषण से ही आंधी आने पर आपूर्ति बंद कर दी गई थी। कई फीडर ट्रिप कर गए थे, लेकिन सदर कैंट और सुभाषनगर में पेड़ की डालें गिरीं थीं। कर्मचारियों को लगाकर लाइनों को ठीक कराया गया और शाम तक आपूर्ति बहाल करा दी गई।

कलयुगी पत्नी ने चाकू से रेता पति का गला, हालत गंभीर

आजमगढ़। कलयुगी पत्नी ने अपने ही पति की चाकू से गला रेत दिया। गंभीर हालत में पति को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां से हायर सेंटर रेफर करने पर परिजन उसे प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराए हैं। घटना के बाद से ही पत्नी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। अभी एक पखवारा पूर्व ही पति विदेश से वापस लौटा था। मुबारकपुर थाना क्षेत्र के कादीपुर गांव निवासी रामविजय यादव (50) सठियांव कस्बा से सटे कादीपुर गांव का निवासी है। बीते 21 सितंबर को वह कमा कर दुबई से वापस लौटा था। शुक्रवार की रात रामविजय अपने कमरे में पत्नी सुशीला के साथ सोने चला गया। इसी दौरान पति-पत्नी में किसी बात को लेकर विवाद हुआ और रामविजय कुछ समझ पाता कि इसके पूर्व ही कलयुगी पत्नी ने चाकू से पति के गले पर हमला कर दिया। जिससे पति राम विजय गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पत्नी सुशीला घर से फरार हो गई। जानकारी होने पर परिजन घायल रामविजय को आनन फानन में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख उसे हॉयर सेंटर रेफर कर दिया। जिस पर परिजन उसे जिला मुख्यालय स्थित प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराए है।

किसान की लाश मिलने से सनसनी, चेहरे पर चोट के निशान, परिवार में मचा कोहराम

बदायूं। जंगल में एक किसान की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। जहां मृतक किसान के परिवार में कोहराम मचा है तो वहीं गांव में यह चर्चा चल रही है। बागपत में बड़ौत के जौनमाना गांव में खेत में काम करने गए किसान का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। हत्या की आंशका जताते हुए ग्रामीणों ने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के चेहरे व शरीर पर चोट के निशान है। हालांकि अभी तक इस संबंध में कोई तहरीर नहीं आई है।

पुलिस का कहना है कि अभी तक इस संबंध में कोई तहरीर नहीं आई है। तहरीर व पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना की सही जानकारी मिल सकेगी। दरअसल, जौनमाना गांव का किसान अशोक (45) पुत्र गोवर्धन रविवार की शाम खेत में काम करने गया था, लेकिन देर रात होने के बाद भी घर नहीं लौटा। इस दौरान खेतों में काम कर रहे अन्य किसानों को अशोक का शव पड़ा मिला। बताया जा रहा है कि अशोक के चेहरे व शरीर पर चोट के निशाने थे। जिसके बाद ग्रामीणों ने हत्या की आंशका जताते हुए इसकी सूचना परिनजों व पुलिस को दी। सूचना पर मृतक के परिजन व पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, किसान की मौत से परिजन गमगीन है। अशोक की मौत से पत्नी बेबी, बेटे लाखन और भतीजे रोहित का रो-रोकर बुरा हाल है। इस घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। जहां कुछ ग्रामीण जंगल में घूमने वाले निराश्रित गोंवश की टक्कर से किसान की मौत होना बता रहे हैं, वहीं शरीर व चेहरे पर चोट के निशान देखकर कुछ लोग हत्या की आंशका जता रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई तहरीर नहीं आई है।

इस संबंध में अभी कोई तहरीर नहीं आई है, तहरीर आने के बाद ही सही स्थिति की जानकारी मिलेगी। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। - देवेश कुमार सिंह इंस्पेक्टर बड़ौत

नहीं लगाए थे हेलमेट, हादसों में दो की मौत

बदायूं। जिले में हुए दो अलग-अलग हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। सिविल लाइंस इलाके में रजिस्ट्री कार्यालय के नजदीक कार की टक्कर से बाइक सवार वकील के बिस्तर में जा घुसा। उसके सिर में लोहे का पाइप घुस गया। इससे उसकी जान चली गई। इस्लामनगर में दो बाइकें आमने-सामने टकरा गईं। इससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि दो लोग घायल हैं। दोनों हादसों में बाइक सवारों ने हेलमेट नहीं लगाया था। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के मोहल्ला नेकपुर निवासी शेखर (25) शनिवार रात करीब 11:30 बजे जिला अस्पताल से बाइक से दवा लेकर घर लौट रहे थे। बताते हैं कि रजिस्ट्री कार्यालय के नजदीक पीछे से तेज रफ्तार में आई कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे शेखर की बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक वकील के बिस्तर से जा घुसी। वकील के टीनशेड में लगा लोहे का पाइप युवक के सिर से टकरा गया। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां देर रात उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव मई खुर्द निवासी राजेंद्र (55) रविवार सुबह करीब 11:30 बजे बाइक से राजपुर गांव से घर आ रहे थे। उनके साथ गांव के ही नवाब बैठे थे। कुंदावली गांव से आगे नटबाबा मंदिर के पास सामने से तेज रफ्तार में आ रही बाइक से उनकी बाइक टकरा गई, जिससे राजेंद्र, नवाब और दूसरी बाइक पर सवार ग्राम रुदैना निवासी प्रवेंद्र भी घायल हो गए।

पुलिस ने तीनों लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुदायन में भर्ती कराया जहां डॉक्टर ने राजेंद्र को मृत घोषित कर दिया। नवाब और प्रवेंद्र की भी हालत गंभीर है।

अंडर 16 क्रिकेट चयन ट्रायल में अभिनव का कमाल

बदायूं। यूपी क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की ओर से इंटर जोन अंडर 16 क्रिकेट का चयन व ट्रायल मैच पिछले दिनों मुरादाबाद में हुआ था जिसमें जिला निवासी अभिनव दीक्षित ने शानदार प्रदर्शन कर यूपी की पश्चिम क्षेत्र की क्रिकेट टीम में जगह बना ली है। रविवार को शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम ग्रेटर नोएडा में फिर उसका ट्रायल मैच हुआ। मुरादाबाद में बरेली मंडल की टीम से खेलते हुए अभिनव ने 47 रन की बेहतरीन पारी खेली थी। बदायूं क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव संतोष शर्मा ने बताया कि अभिनव ने प्रारंभिक क्रिकेट के गुण एसके मैदान बदायूं में सीखे हैं। अब वह विजय दहिया क्रिकेट अकादमी गुड़गांव में खेल की बारीकियां सीख रहे हैं। ग्रेटर नोएडा में यूपी के 150 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया है। एसोसिएशन अध्यक्ष दीपक सक्सेना, रविंद्र मोहन सक्सेना, अमरीश गोयल, राहुल चौबे ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट, पाकिस्तान-फलस्तीन के समर्थन में युवक ने की नारेबाजी

बरेली। बरेली के हाफिजगंज क्षेत्र में एक युवक का वीडियो सामने आया है, जिसमें वह पाकिस्तान और फलस्तीन के समर्थन में नारेबाजी कर रहा है। इस मामले एक्स (ट्विटर) के जरिये वीडियो के साथ पुलिस शिकायत की गई है। त्योहारी सीजन के बीच एक बार फिर सोशल मीडिया के जरिये शहर का माहौल खराब करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस का निगरानी का दावा फेल साबित हो रहा है। रविवार को शहर के बारादरी थाना क्षेत्र में राष्ट्रध्वज के ऊपर धार्मिक झंडा लगाने के मामले में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद भोजीपुरा, हाफिजगंज और फरीदपुर थाना क्षेत्रों में भी इसी तरह के मामले सामने आए हैं। वहीं पाकिस्तान और फलस्तीन के समर्थन में नारेबाजी करते युवक का वीडियो भी सामने आया है।

युवक ने किया पाकिस्तान-फलस्तीन का समर्थन

इस्राइल पर आतंकी हमले के बाद हमास और फलस्तीन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के बीच सोशल मीडिया पर दो पक्ष आमने-सामने हैं। थाना हाफिजगंज क्षेत्र में एक युवक ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया है। इसमें वह पाकिस्तान और फलस्तीन जिंदाबाद कहते हुए समर्थन कर रहा है।

इसके अलावा उसने एक पोस्ट भी किया है। इसमें प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की है। थाना भोजीपुरा के प्रहलादपुर में धर्मगुरु जैसा दिख रहा व्यक्ति धर्मस्थल के संबंध में भड़काऊ बात कह रहा है। इन दोनों मामलों में भी एक्स (ट्विटर) के जरिये वीडियो के साथ शिकायत की गई है।

राष्ट्रीय ध्वज का अपमान

रविवार को बारादरी थाना क्षेत्र के मोहल्ला चक महमूद के नदीम खां के खिलाफ राष्ट्रध्वज के अपमान का मामला दर्ज किया गया था। सोमवार को एक्स (ट्विटर) के जरिये हाफिजगंज थाना क्षेत्र के रिठौरा में सूरज वाले मंदिर के पीछे और बकैनियां में राष्ट्रध्वज के ऊपर धार्मिक झंडा लगाने की शिकायत की गई है। फरीदपुर में नहर और रेल लाइन के दोनों ओर बस्तियों से भी इसी तरह की शिकायत की गई है।

एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान ने बताया कि कुछ दिनों से सामाजिक विद्वेष वाले कमेंट व पोस्ट की संख्या बढ़ गई है। पुलिस की सोशल मीडिया सेल इस तरह की गतिविधियों पर लगातार निगरानी करती है। कई मामलों में सेल स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करती रहती है। गंभीर मामलों में एफआईआर दर्ज कर विवेचना की जाती है। लोगों को चाहिए कि वह किसी धर्म, जाति या देश आदि के विरुद्ध अनावश्यक टिप्पणी न करें।

डेंगू की चपेट में आ रहे मासूम, 14 बच्चों सहित 26 मरीज मिले; जानें लक्षण और बचाव के उपाय

बरेली। सोमवार को जिला अस्पताल में डेंगू संदिग्ध मरीजों के 188 सैंपल की जांच की गई। इसमें 14 बच्चों की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली। उनकी उम्र चार से 12 वर्ष के बीच है। इसके अलावा 12 अन्य लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई है। बरेली में अब बच्चे भी डेंगू की चपेट में आने लगे हैं। सोमवार को जिला अस्पताल के बच्चा वार्ड में भर्ती बुखार पीड़ित 14 बच्चों में डेंगू की पुष्टि हुई है। सभी बच्चों को देर शाम इमरजेंसी के डेंगू वार्ड में शिफ्ट कर जरूरी इलाज शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा 12 अन्य लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के मुताबिक सोमवार को जिला अस्पताल में डेंगू संदिग्ध मरीजों के 188 सैंपल की जांच की गई। इसमें 14 बच्चों की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली। उनकी उम्र चार से 12 वर्ष के बीच है। इसके अलावा चार अन्य पॉजिटिव रहे।

वहीं, निजी मेडिकल कॉलेज और लैबों की जांच में भी आठ लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली। देर शाम एडी एसआईसी डॉ. अलका शर्मा अस्पताल पहुंची। उन्होंने डेंगू पीड़ित बच्चों का हाल जाना। उनको डेंगू वार्ड में शिफ्ट कराया।

एडी एसआईसी के मुताबिक जिन बच्चों की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली हैं, उनके परिजनों ने कुछ दिनों से तेज बुखार आने की जानकारी दी थी। बुखार की दवाएं दी गईं पर बेअसर होने पर डेंगू की जांच कराई गई तो रिपोर्ट पॉजिटिव मिली। इलाज शुरू कर दिया गया है।

तीन सौ बेड अस्पताल में बनेगा 50 बेड का डेंगू वार्ड

डेंगू के बढ़ते मरीजों के चलते अब जिला अस्पताल के दोनों वार्ड फुल हो रहे हैं। ऐसे में मरीजों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के लिए डीएम रविंद्र कुमार के निर्देश पर अब तीन सौ बेड अस्पताल में 50 बेड का डेंगू वार्ड बनाया जाएगा। बता दें कि इससे पहले स्वास्थ्य विभाग ने 16 बेड का डेंगू वार्ड बनाकर तैयार कर लिया था। जिला अस्पताल में बेड फुल होने पर तीन सौ बेड अस्पताल में मरीज भर्ती किए जाएंगे।

पिलाते रहें पानी-जूस

विशेषज्ञ के मुताबिक डेंगू पीड़ित बच्चों के लिवर में एंजाइम का लेवल काफी ज्यादा हो जाता है। ऐसे में जरूरी दवा के साथ अभिभावक उनको हाइड्रेटेड रखने के लिए पानी-जूस पिलाते रहें। बाहर की कोई दूषित सामग्री, फास्ट फूड न खिलाएं। बच्चों को मच्छरदानी में रखें ताकि और कोई चपेट में न आए। घर के पास पानी जमा न होने दें। पूरी आस्तीन के कपड़े पहनाएं। कीटनाशक का छिड़काव करें।

बच्चों में डेंगू के लक्षण

बुखार 102 से 104 डिग्री फारेनहाइट पहुंचता है। बुखार की दवाएं बेअसर होती हैं।

उल्टी, शरीर में चकत्ते, नाक, मसूड़ों से हल्का खून रिसना, तेज सिरदर्द।

हाथ या पैर ज्यादा ठंडे हो जाएं तो तत्काल डॉक्टर को दिखाएं।

रक्त संचार प्रभावित होने से आंखों के आसपास सूजन, पेट दर्द होता है।

पड़ोसी गांव में मिला उघैती इलाके से लापता मासूम

बदायूं। उघैती इलाके में रिश्तेदारी में आया मासूम शनिवार शाम संदिग्ध परिस्थिति में लापता हो गया। पुलिस ने अपहरण के आरोप में एफआईआर दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की लेकिन रविवार सुबह वह पड़ोसी गांव में मिल गया। पुलिस ने उसे परिवार वालों के हवाले कर दिया। वजीरगंज कस्बे के मोहल्ला गोपालपुर निवासी रिंकू की ननिहाल उघैती थाना क्षेत्र के गांव शाहवर खेड़ा गांव में है। शनिवार को रिंकू का चार वर्षीय बेटा निवेश और पांच वर्षीय बेटा राघव अपनी दादी मोरकली के साथ शाहवर खेड़ा आए थे। शनिवार शाम करीब पांच बजे दोनों बच्चे गांव के मंदिर पर खेल रहे थे। इसी दौरान निवेश लापता हो गया जब वह देर शाम तक घर नहीं आया तो परिवार वालों ने उसकी खोजबीन शुरू की। उसका कुछ पता नहीं चला तो रिंकू ने थाने जाकर उसके अपहरण की एफआईआर दर्ज करवा दी। बताते हैं कि गांव में कुछ लोग शाम को पुआल ढो रहे थे। बालक उन्हीं की बैलगाड़ी के पीछे-पीछे चला गया। रात को एक व्यक्ति ने बच्चे को सुरक्षा की दृष्टि से अपने घर में सुला दिया।

गैरमर्द के लिए मां को मार डाला- चैट से सामने आया चौंकाने वाला सच

शाहजहाँपुर। शाहजहांपुर में करीब ढाई महीने पहले हुई महिला की हत्या में उसकी बेटी और पीडब्ल्यूडी का एई गिरफ्तार किया गया है। अवैध संबंधों के विरोध पर दोनों ने ढाई महीने पहले वारदात को अंजाम दिया था। महिला की बेटी राकेश कुमार के घर खाना बनाने जाती थी। दोनों में संबंध हो गए थे। पता चलने पर मां ने आपत्ति की थी। इसलिए उन्हें रास्ते से हटाने के लिए दोनों ने योजना बनाई। शाहजहांपुर के डीएम कंपाउंड के एक मकान में करीब ढाई महीने पहले हुई महिला की हत्या में पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता (एई) राकेश कुमार को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके महिला की बेटी से अवैध संबंध थे। इसका विरोध करने पर ही महिला को रास्ते से हटाया गया। बेटी को भी साथ में गिरफ्तार किया गया है। महिला का शव 28 जुलाई को कमरे में पड़ा मिला था। सिर पर किसी भारी चीज से प्रहार किया गया था। चेहरे व हाथ पर तेजाब से जलाने के निशान भी मिले थे। इस मामले में महिला के बेटे की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया था। विवेचना के दौरान महिला की बेटी के शक के दायरे में आने पर पुलिस ने सर्विलांस के जरिये भी पड़ताल की। तब हापुड़ के थाना बाबूगंढ़ के गांव सिकंदरपुर काकोड़ी के रहने वाले एई राकेश कुमार का नाम सामने आया। एसपी सिटी सुनील जायसवाल ने बताया कि महिला की बेटी राकेश कुमार के घर खाना बनाने जाती थी। दोनों में संबंध हो गए थे। पता चलने पर मां ने आपत्ति की थी। इसलिए उन्हें रास्ते से हटाने के लिए दोनों ने योजना बनाई। इसके मुताबिक महिला जब कमरे में सोने गई तभी बेटी के बताने पर आए राकेश ने कमरे में जाकर उनकी हत्या कर दी। दोनों के बीच व्हाट्सएप चैटिंग और रास्ते के सीसीटीवी फुटेज जुटाने के बाद दोनों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। सहायक अभियंता राकेश कुमार करीब एक साल से यहां अकेला रह रहा था। इंस्पेक्टर सदर रविंद्र सिंह ने बताया कि रात में घटना को अंजाम देने के बाद सुबह राकेश महिला के घर पहुंचा और शरीर गर्म होने की बात कहकर अपनी कार से डॉक्टर के पास भी लेकर गया था।

संक्षिप्त समाचार

देवी मन्दिरों एवं शक्तिपीठों आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

बहराइच। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए प्रदेश सरकार द्वारा विशेष अभियान ''मिशन शक्ति'' संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में संस्कृति विभाग की ओर से प्रदेश में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तावित किये जा रहे है। जिसके अन्तर्गत शारदीय नवरात्रि की शुभ तिथियों में प्रदेश के देवी मन्दिरों एवं शक्तिपीठों में महिलाओं एवं बालिकाओं की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए महिलाओं की सुरक्षा हेतु सरकार द्वारा लागू किये गये कानूनों का वृहद प्रचार-प्रसार हेतु विशेष कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इसके अलावा शारदीय नवरात्रि के दौरान अष्टमी एवं श्रीरामनवमी के अवसर पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के व्यापक प्रचार-प्रसार व जनसामान्य को इससे जोड़ने हेतु प्रमुख शक्तिपीठ मन्दिरों पर स्थानीय लोक कलाकारों/भजन मण्डलियों/कीर्तन मण्डलियों के सहयोग से विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे।

कार्यस्थलों का निरीक्षण करें विभागीय अधिकारी- डीएम

बहराइच। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि विभाग अन्तर्गत कार्यदायी संस्थाओं द्वारा 50 लाख से अधिक एवं 50 लाख से कम लागत के कराये जा रहे निर्माण कार्यों का स्वयं स्थलीय निरीक्षण कर लें। सम्बन्धित अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया है कि 19 अक्टूबर 2023 को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में निर्माण कार्यों की भौतिक/वित्तीय प्रगति की लिखित आख्या के साथ प्रतिभाग करेंगे।

100 व 200 मीटर दौड़ में मियागंज अव्वल

बाराबंकी। पूर्व माध्यमिक विद्यालय लालगंज में ब्लॉक स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता एवं टेबलेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां बच्चों के थिरकते कदमों की बेहतरीन प्रस्तुति ने मन मोह लिया, वहीं खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभा दिखाई। 100 व 200 मीटर की दौड़ में बालक व बालिका वर्ग में मियागंज ने बाजी मारी। कंपोजिट विद्यालय मगरौड़ा की छात्रा माही, बेबी, रिमझिम, मोहनी, मनस्वी, कोमल आदि ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए तो सभी ने तालियां बजाकर उत्साहवर्धन किया। मुरारपुर की बालिकाओं ने नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में 50 मीटर दौड़ में बालिका वर्ग में शिफा प्रथम, सौम्या द्वितीय, सपना तृतीय स्थान पर रहीं। प्राथमिक स्तर 50 मीटर बालक दौड़ में सौरभ प्रथम, अनुज द्वितीय, रुपेश तृतीय व 100 मीटर बालक वर्ग दौड़ प्रतियोगिता कमोली के अनुज प्रथम, नावेद द्वितीय, दीपक तृतीय स्थान पर रहे। उच्च प्राथमिक स्तर पर 100 मीटर व 200 मीटर की दौड़ में बालक व बालिका वर्ग में मियागंज पहले स्थान पर रहा। इसे पूर्व राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने ध्वजारोहण किया और बच्चों से सलामी ली। उन्होंने कहा कि ऐसी खेल प्रतियोगिताओं से गांव की प्रतिभाओं को निखरने का मौका मिलता है। इस मौके पर संकुल प्रभारी चंद्र प्रकाश यादव, सुनील त्रिपाठी, शशिराज जायसवाल, राहुल सिंह, आशुतोष यादव,पूर्णिमा सिंह, ज्योति सिंह, पिंकी सिंह, वीना सिंह आदि मौजूद रहे।

पीटकर की गई थी सब्जी विक्रेता की हत्या

बांदा। शहर कोतवाली के बिजली खेड़ा मोहल्ला निवासी सब्जी विक्रेता की मौत हादसे में नहीं बल्कि पीटने से हुई थी। तीन युवकों ने उसकी पिटाई की थी। यह खुलासा सीसीटीवी फुटेज से हुआ है। पुलिस ने इस मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके दो साथियों की तलाश कर रही है। पुलिस लाइन सभागार में एएसपी लक्ष्मी निवास मिश्र ने बताया कि दस-ग्यारह अक्तूबर की रात शहर कोतवाली क्षेत्र के बिजली खेड़ा मोहल्ले के रहने वाले सब्जी विक्रेता ओमप्रकाश प्रजापति का शव जंगल दफ्तर रोड पर वैष्णो देवी मंदिर के पास मिला था। शराब के नशे में दुर्घटना प्रतीत हो रही थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक के शरीर पर चोटों के निशान मिले तो हत्या की आशंका पर जांच शुरू की गई। मोहल्ले में लगे करीब छह सीसीटीवी की फुटेज देखी तो बिजली खेड़ा मोहल्ले की 22 फीट रोड दुल्हन ब्यूटी पार्लर के पास लगे सीसीटी में ओमप्रकाश को पीटते हुए तीन लोगों की रिकार्डिंग मिली। आरोपियों की तलाश शुरू की गई। सोमवार को शंकर नगर मोहल्ला निवासी अंकित चौरसिया को गिरफ्तार कर लिया। अंकित ने बताया कि उसके साथ कालू कुआं मोहल्ला का सौरभ दीक्षित व स्वराज कालोनी निवासी शिवाकांत तिवारी उर्फ नागू भी मारपीट में शामिल थे। सीओ गवेंद्र पाल गौतम ने बताया कि दोनों आरोपी फरार हैं। एक बाइक और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। गिरफ्तारी टीम में शहर कोतवाल अनूप दुबे, एसएसआई कृष्ण देव त्रिपाठी शामिल रहे।

बीईओ से मांगा स्पष्टीकरण, शिक्षक का वेतन रोका

बांदा। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने पुस्तक का वितरण न होने पर खंड शिक्षाधिकारी लिखित स्पष्टीकरण देने व शैक्षिक गुणवत्ता अच्छी न होने पर प्रधानाध्यापक का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने सोमवार को तिंदवारी ब्लॉक अंग्रेजी माध्यम प्राथमिक विद्यालय (पपरेंदा) का निरीक्षण किया। नामांकित 241 छात्रों के सापेक्ष 164 छात्र उपस्थित मिले। पानी बहता पाये जाने पर डीपीआरओ को सही करवाने के निर्देश दिये गये। विद्यालय में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र में साफ-सफाई को कहा। विद्यालय में कक्षा तीन की हिंदी एवं कक्षा पांच की हमारा परिवेश का वितरण न होने पर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगने के निर्देश दिए। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (पपरेंदा) में साफ-सफाई संतोषजनक न मिलने व शैक्षिक गुणवत्ता बेहतर न होने पर प्रधानाध्यापक का वेतन रोकने के निर्देश दिए। प्राथमिक विद्यालय (अतरहट-2) में प्रधानाध्यापिका छाया सिंह बाल्य देखभाल के लिए अवकाश पर थी। नामांकित 111 छात्रों के सापेक्ष 8 छात्र उपस्थित मिले। जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय आंनद सरोज, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रिंसी मौर्या, खण्ड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

घर से पीछे पोखरे में उतराया मिला लापता मासूम का शव

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के हर्रैया गांव से खेलते समय लापता हुए तीन वर्षीय मासूम का शव घर के पीछे करीब 100 मीटर दूर पानी से भरे पोखरे में उतराया मिला। शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। कयास लगाया जा रहा है कि खेलते-खेलते वह पोखरे में जाकर डूब गया होगा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिवार में घटना से कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार, हरैया गांव निवासी अखिलेश चौधरी का तीन वर्षीय बेटा रेयांश चौधरी रविवार को घर के पास खेल रहा था। दोपहर बाद वह सबकी नजर से ओझल हो गया। उसके लापता होने की सूचना मिलने पर परिवार के सदस्यों में हड़कंप मच गया। लोगों ने पूरे गांव के अलावा खेत और कुएं में भी खोजबीन की, लेकिन कहीं पता नहीं चला। इसके बाद घर वालों ने पहले डायल 112 पर सूचना दी। एसओ जितेंद्र सिंह ने बताया कि सोमवार की दोपहर से टीम के साथ बच्चे की तलाश की जा रही थी।

अश्लील फोटो वायरल किया, शिकायत पर मारपीट

बस्ती। थाना क्षेत्र के एक गांव में 24 सितंबर 2023 को एक लड़की की अश्लील फोटो फेसबुक पर वायरल करने के मामले में पीड़िता की मां ने पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आईटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। थानाध्यक्ष रामदेव ने बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव की पीड़िता की मां ने तहरीर देते हुए बताया कि उसके गांव का एक युवक उसकी बेटी का अश्लील फोटो बनाकर फेसबुक तथा सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। शिकायत करने पर आरोपी वसीउर रहमान, उसकी मां रकीबुन निशा, बहन सादिक और पिता चैतु अशफाक कहते हुए मारपीट करने लगे। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

बालक वर्ग में राजा और बालिका वर्ग में ज्योति दौड़े सबसे तेज

बदायूं। कंपोजिट विद्यालय आदमपुर में न्याय पंचायत स्तरीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता हुई, जिसमें न्याय पंचायत विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने लिया। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में राजा और बालिका वर्ग में ज्योति सबसे तेज दौड़े। प्रतियोगिता के उपरांत विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष विकास मलिक ने फीता काटकर किया। स्कूल में हुई प्राथमिक स्तर की बालक वर्ग की 50 व 100 मीटर दौड़ में आदमपुर के राजा, बालिका वर्ग में ज्योति प्रथम स्थान पर रही। बालक वर्ग की लंबी कूद में वंश और बालिका वर्ग में ज्योति, जूनियर वर्ग की सौ मीटर दौड़ में जुनैद, बालिका वर्ग में काजल, बालक वर्ग की दो सौ मीटर दौड़ में दीपांशु, बालिका वर्ग में आयुषी, चार सौ मीटर दौड़ में बादल, छह सौ मीटर दौड़ में मैथिल, बालक वर्ग की लंबी कूद में बादल, बालिका वर्ग में स्वाति, ऊंची कूद में आकाश और गोला फेंक में सनी व निशा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पराली तथा फसल अवशेष का बेहतर प्रबन्धन से अतिरिक्त आय अर्जित करें किसान-विधायक नानपारा

पराली प्रबन्धन प्रचार वाहन को दिखाई हरी झण्डी

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच। खेतों में फसल अवशेष न जलाने तथा फसल अवशेषों के बेहतर प्रबन्धन से अजिरिक्त आय अर्जित करने हेतु जिले के कृषकों को जागरूक करने के उद्देश्य से विधायक नानपारा राम निवास वर्मा ने तहसील नानपारा परिसर से कृषि विभाग के पराली प्रबन्धन जागरूकता वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी नानपारा अजीत परेश, तहसीलदार प्रद्युम्न पटेल, एसडीएईओ नानपारा सुधीर कुमार मिश्रा, प्रभारी राजकीय कृषि बीज भण्डार नानपारा अमर सिंह, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप-ए राम प्रकाश मौर्या, प्रगतिशील कृषक बालकराम, सुनील कुमार व अन्य कृषक तथा तहसील व कृषि विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे। यह प्रचार वाहन विकास खण्ड रिसिया, बलहा, नवाबगंज, मिहींपुरवा व शिवपुर के दूरदराज़ क्षेत्रों में जाकर कृषकों को खेतों में पराली न जलाने तथा फसल अवशेषों के बेहतर प्रबन्धन हेतु जागरूक करेगा।

जागरूकता वाहन को रवाना करते हुए विधायक नानपारा श्री वर्मा ने बताया कि पराली जलाने से जहां एक ओर पर्यावरण प्रदूषित होता है वहीं दूसरी ओर भूमि की उर्वरा शक्ति भी नष्ट हो जाती है। जिससे उत्पादन में भी गिरावट होने से कम मात्रा में खाद्यान्न प्राप्त होने के अलावा मवेशियों के लिए चारे की भी समस्या उत्पन्न हो जाती है। विधायक श्री वर्मा ने जिले के कृषकों से अपील की कि पराली व फसल अवशेष को खेतों में कदापि न जलाये बल्कि इसका बेहतर प्रबन्धन कम्पोस्ट खाद तैयार करें इससे अच्छी फसल के साथ साथ ज़मीन की सेहत में भी सुधार होगा।

इस अवसर पर उपसंभागीय कृषि प्रसार अधिकारी नानपारा श्री मिश्र ने उपस्थित किसानों को बताया कि पराली को आग के हवाले करने से भूमि के साथ-साथ मानव स्वासथ्य व पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। पराली जलाना मा0 राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एन.जी.टी.) द्वारा दण्डनीय अपराध घोषित किया गया है। पराली जलाने पर दो एकड़ से कम क्षेत्र के लिए रू. 2,500=00, दो से पांच एकड़ क्षेत्र के लिए रू. 5,000=00 तथा पांच एकड़ से अधिक क्षेत्र में पराली जलाने पर किसान से रू. 15,000=00 तक पर्यावरण कम्पेनशेसन धनराशि की वसूली की जा सकती है।

मेडिकल कॉलेज, संतोषी माता मंदिर व लवकुशनगर विजयी

बाराबंकी। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आदिकवि वाल्मीकि क्रिकेट टूर्नामेंट में सोमवार को तीन मैच खेले गए। इसमें मेडिकल कॉलेज, संतोषी माता मंदिर और लवकुशनगर ने मैच जीत लिया। पहला मैच बाराबंकी जूनियर और मेडिकल कॉलेज के बीच खेला गया। जिसमें बाराबंकी जूनियर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 66 रन बनाए। जवाब में उतरी मेडिकल कॉलेज की टीम ने छह ओवर में ही आसानी से मैच जीत लिया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार आशीष को दिया गया। दूसरा मैच संतोषी माता मंदिर टीम व खदरा इलेवन के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए संतोषी माता मंदिर की टीम ने बेहतरीन बल्लेबाजी की और निर्धारित 10 ओवर में 124 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी खदरा इलेवन की टीम शुरू से ही लड़खड़ा गई। खदरा इलेवन के खिलाड़ी 63 रनों पर ही ढेर हो गए। संतोषी माता मंदिर टीम की ओर से 23 गेंद पर 64 रन की तेज पारी खेलने पर सुरेंद्र को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।तीसरा मैच मेडिकल कॉलेज और लवकुशनगर के बीच खेला गया। टॉस जीतकर लवकुशनगर की टीम ने 110 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेडिकल कॉलेज की टीम ने अच्छी शुरुआत की। टीम जीत के करीब पहुंच गई, लेकिन कड़े क्षेत्ररक्षण के चलते मुकाबला रोमांचक हो गया। मेडिकल कॉलेज की टीम ने काफी प्रयास किया, लेकिन 10 ओवर में सौ रन ही बना सकी और टीम को हार का मुंह देखना पड़ा।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 09 दिसम्बर को

बहराइच। उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार 09 सितम्बर 2023 को जनपद न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिसके माध्यम से जनपद न्यायालय में लम्बित वादों यथा आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम, बैंक/धन वसूली वादों, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं, श्रम वादों, विद्युत एवं जल बिल विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित), वैवाहिक वादों (तलाक सम्बन्धी मामलों को छोड़कर), भूमि अधिग्रहण वादों, सर्विस में वेतन एवं भत्तों सम्बन्धित विवाद, सेवानिवृतिक लाभों से सम्बन्धित विवाद, राजस्व वाद व अन्य सिविल वादों (किराया, सुखाधिकार, व्यादेश, विनिर्दिष्ट अनुपालन वाद इत्यादि), प्री-लिटिगेशन वाद बैंक वसूली, टेलीफोन बिल्स प्रकरणों, श्रम विवादों, विद्युत एवं जल बिल विवाद, वैवाहिक व भरण पोषण वाद, अन्य अपराधिक शमनीय वाद एवं अन्य सिविल वादों का अधिकाधिक संख्या में निस्तारण किया जायेगा। इसके अलावा 06 से 08 दिसम्बर 2023 तक आपराधिक (पेटी ऑफेन्स)के अन्तर्गत लम्बित मामलों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालतों का आयोजन जनपद न्यायालय, बहराइच में किया जा रहा है।

यह जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच के सचिव विराट शिरोमणि ने वादकारीगण से अपेक्षा की है कि 09 दिसम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत तथा 06 से 08 दिसम्बर तक आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत का अधिकाधिक लाभ उठाने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करके अपने प्रकरणों का निस्तारण करा सकते है।

संदिग्ध परिस्थिति में जली विवाहिता की मौत

बदायूं। कोतवाली क्षेत्र के गांव पटपरागंज में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में जलकर मौत हो गई। मायके वालों का आरोप है कि उसका पति दहेज में बाइक और दो लाख रुपये की मांग रहा था। मांग पूरी नहीं हुई तो विवाहिता पर पेट्रोल डाल जलाकर मार दिया। पुलिस ने पांच ससुरालियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया है। उसहैत थाना क्षेत्र के गांव दुर्जन नगला निवासी शेर सिंह के मुताबिक उन्होंने अपनी बेटी आरती की शादी ग्राम पटपरागंज निवासी सुरजीत पुत्र अमर सिंह के साथ की थी। उन्होंने अपनी हैसियत के अनुसार बेटी की शादी में काफी दहेज दिया था। फिर भी ससुराल वाले खुश नहीं थे। वह दहेज में दो लाख रुपये और एक बुलेट बाइक की मांग रहे थे जब वह उनकी मांग पूरी नहीं कर पाए तो ससुराल वालों ने आरती का उत्पीड़न शुरू कर दिया। 13 अक्तूबर को उन्होंने आरती को पेट्रोल डालकर जला दिया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। उन्होंने आरती को बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं आया। बरेली से उसे अलीगढ़ रेफर कर दिया गया।

हत्या मामले में दोषी को आजीवन कारावास, अर्थदंड भी लगाया, ईंख के खेत में मिली थी कपिल की लाश और रस्सी

बदायूं। अदालत ने हत्या के मामले में दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 40 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। बागपत में लोयन गांव के कपिल का अपहरण कर हत्या करने वाले को न्यायाधीश ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 40 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड अदा नहीं करने पर छह महीने का कारावास बढ़ाने के आदेश दिए। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता गगन गौड़ ने बताया कि लोयन गांव के रहने वाले वादी मलखान ने आठ जून 2012 को बड़ौत कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें मलखान ने बताया कि उसका बेटा कपिल गांव के ही रविंद्र के साथ बड़ौली गांव में दूध डालने के लिए गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा। मलखान ने रविंद्र और उसके साथियों पर बेटे कपिल का अपहरण करने का आरोप लगाया और हत्या की आशंका जताई थी। जिसके बाद पुलिस ने नौ जून को ईंख के खेत से कलिप का शव और रस्सी बरामद की।

पुलिस ने नामजद आरोपी रविंद्र समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जिसमें दो बाल अपचारी घोषित कर दिया गया, जबकि कपिल की पत्रावली पर प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायालय में सुनवाई हुई। जिसमें अभियोजन पक्ष ने सात गवाह पेश किए और सुनवाई पूरी होने पर न्यायाधीश मीनू शर्मा ने रविंद्र को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 40 हजार रुपये अर्थदंड लगाया। अर्थदंड अदा नहीं करने पर छह माह की सजा बढ़ाने के आदेश दिए।

प्रेम यादव के मकान से निकालने पर भड़कीं सपा महिला कार्यकर्ता

देवरिया। अभयपुर टोले में पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेम यादव के घर में मौजूद दो महिला सपा कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बाहर निकाल दिया। पूर्व सीएम के आने के दस मिनट पहले दोनों महिला कार्यकर्ताओं के निकालने पर वह पुलिस से उलझ गई। करीब दस मिनट तक महिला कार्यकर्ता हंगामा करती रहीं। फतेहपुर के सामूहिक हत्याकांड में मारे गए प्रेम यादव के घर सुबह दो महिला सपा कार्यकर्ता सीमा और सुनैना पहुंची थीं। पूर्व मुख्यमंत्री के गांव में पहुंचने के पहले पुलिस ने उन्हें बाहर निकाल दिया। जिस पर पुलिस से तीखी नोकझोंक करने लगीं।

श्रीराम के आदर्शों पर चलकर जीवन बना सकते हैं धन्य

बस्ती। विक्रमजोत क्षेत्र के नियामतपुर गांव में रविवार को नवयुवक दुर्गा पूजा व रामलीला समिति की तरफ से रामलीला का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख कृष्ण कुमार सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के आचरण को खुद में उतारने व उनके आदर्शों पर चलकर जीवन को धन्य बना सकते हैं। रामलीला के पहले दिन स्थानीय कलाकारों ने नारद मोह व श्रवण कुमार के वध का मंचन किया। कलाकारों ने दिखाया कि देव ऋषि नारद तपस्या में लीन हैं, इतने में इंद्र का सिंहासन हिलने लगता है। इंद्र घबराते हुए अपने गणों को भेजकर नारद की तपस्या भंग कराने का प्रयास करते हैं। हालांकि नारद इससे पहले ही तपस्या पूरा कर लेते हैं। इस बात का उन्हें अभिमान हो जाता है। उनका अभिमान तोड़ने के लिए भगवान विष्णु माया रूपी नगर की रचना करते हैं और वहां एक शीलनिधि नाम का राजा बनाते हैं। राजा की पुत्री विश्व मोहिनी का स्वयंवर रचा जाता है। उसी बीच देव ऋषि नारद भ्रमण करते हुए राजा शीलनिधि के दरबार में पहुंचते हैं। राजा देव ऋषि नारद से अपनी पुत्री के गुण दोषों के बारे में पूछते हैं

यूपी-बिहार में हत्यारों की तलाश कर रही पुलिस

देवरिया। थानाक्षेत्र के बलुआ अफगान गांव में घोंठा पर सो रहे युवक की हत्या करने वाले हत्यारों का दो दिन बाद भी सुराग नहीं लग सका है। पुलिस और एसओजी हत्यारों की पहचान में यूपी और बिहार के विभिन्न जगहों पर अपने मुखबिरों से बातचीत कर रही हैं। घटनास्थल की छानबीन से यह निकल कर सामने आया है कि हत्या में पेशेवर बदमाश भी शामिल हैं। पुलिस वांछित चल रहे बदमाशों की तलाश कर रही है, ताकि उनके माध्यम से अहम सुराग हाथ लग सके। वहीं, परिजनों ने नम आंखों से इकलौते बेटे का अंतिम संस्कार खनुआ नदी घाट पर रविवार की रात किया। सोमवार को पूरे दिन जनप्रतिनिधि व रिश्तेदार पीड़ित परिवार को सांत्वना देते रहे।

बलुआ अफगान गांव के डाक टोला निवासी हंसनाथ उर्फ बिट्टू शनिवार की रात घर के पास घोंठा पर सोए थे। इसी बीच बदमाशों ने उसके सिर पर धारदार हथियार से वार हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाशों ने सुराग नहीं छोड़ा और साक्ष्य मिटाने के लिए मृतक का मोबाइल भी साथ लेकर चले गए। इस सुनियोजित हृदय विदारक घटना के बाद ग्रामीण सहमे हैं। बीच गांव में घनी आबादी के बीच युवक की हत्या की खबर ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। लोग डरे हैं और हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। गांव में सुरक्षा की दृष्टिकोण से पुलिस बल की तैनाती की गई है। घटना के दो दिन बाद भी हत्यारों का सुराग नहीं लग पाया है। इससे हत्या की गुत्थी उलझी हुई है। ऐसे में पुलिस यूपी और बिहार के मुखबिरों से संपर्क कर बदमाशों की शिनाख्त करने में जुटी है। पुलिस को संदेह है कि घटना को पेशेवर बदमाशों ने अंजाम दिया है, क्योंकि घटना के बाद साक्ष्य मिटाना और आबादी के बीच इतनी सफाई से वारदात को अंजाम कोई पेशेवर ही दे सकता है। इसके अलावा प्रेम प्रसंग, लेन-देन विवाद और जमीन संबंधी विवाद पर भी पुलिस की नजर है। वहीं पुलिस गायब मोबाइल की सीडीआर खंगाल रही है, जिससे मामले का पर्दाफाश किया जा सके। प्रभारी निरीक्षक बृजेश मिश्र ने बताया कि गायब मोबाइल को ढूंढा जा रहा है। फोरेंसिक टीम को घटनास्थल से कुछ साक्ष्य मिले हैं। इसी को आधार बनाकर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बालू व ईंट गिराने के विवाद में मारपीट, अधेड़ घायल

भदोही। क्षेत्र के रैथा गांव में रविवार की दोपहर खेत में बालू व ईंट गिराने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। इसमें एक अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया। लहूलुहान अधेड़ को परिजन थाने ले गए जहां पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। साथ ही घायल को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेज दिया। गांव निवासी रामभजन राम पत्नी विद्यावती देवी के नाम मिले आवास को अपने खेत में बनवाने के लिए बालू व ईंट बगल के हीरालाल (50) के खेत में गिरवा रहे थे। खेत में खड़ी धान की फसल में बालू व ईंट गिरवाने का हीरालाल ने विरोध किया तो बात बढ़ने लगी। कुछ देर बाद दोनों पक्षों से लाठी-डंडे व धारदार हथियार द्वारा मारपीट शुरू हो गई। इसमें हीरालाल के सिर व हाथ पर गंभीर चोटें आईं। प्रभारी निरीक्षक रमेश यादव ने बताया कि दो लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। घायल को मेडिकल जांच के लिए चिकित्सालय भेज दिया गया है। गांव का रहने वाला सीधा-साधा व्यक्ति जिसे आज के समय में यह भी नहीं पता कि पुलिस केस में मेडिकल केवल सरकारी अस्पताल में ही होता है। मारपीट में घायल हीरालाल लहूलुहान स्थिति में धीना थाने पहुंचा तो पुलिस ने मेडिकल कराने की सलाह दी। नियमों की जानकारी के अभाव में हीरालाल घायल अवस्था में एक निजी चिकित्सक के यहां पहुंचा। इसपर डॉक्टर ने इंकार कर कहा कि पुलिस केस का मेडिकल सरकारी हॉस्पिटल में ही होता है।

खेत में गिरे तार के करंट की चपेट आकर युवक की मौत

देवरिया। जनपद के बरहज थाना क्षेत्र के देवपार वीर सिंहपुर गांव में सोमवार की सुबह धान का खेत देखने गए एक युवक की करंट की चपेट में आ जाने से मौत हो गई। युवक सुबह के समय फसल का जायजा लेने गया था। जहां बिजली का तार टूटकर गिरा था। तार में प्रवाहित हो रहे करंट की चपेट में आने से घटना हो गई। इससे ग्रामीणों में आक्रोश है। बरहज थाना क्षेत्र के देवपार वीरसिंहपुर गांव निवासी शैलेष यादव (21) पुत्र मेल्हू सुबह खेत की तरफ गए हुए थे। वह खेत के पास पहुंचे थे, जहां बिजली का तार टूट कर गिरा था और करंट प्रवाहित हो रहा है। उन्होंने ध्यान नहीं दिया और करंट की चपेट में आ गए। वह गंभीर रूप से झुलस गए और गिर कर छटपटाने लगे। यह देख लोग शोर मचाने लगे। आसपास के लोग किसी तरह आपूर्ति बाधित कर उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शैलेष के मौत की जानकारी होने पर मां जंतरी देवी पछाड़ खाकर गिर पड़ीं। जबकि भाई अवधेश, बहन सुमन, गिरिजा का रो-रो कर बुरा हाल था। बेटे की मौत से पिता मेल्हू बदहवास हो गए थे। थानाध्यक्ष मदनपुर नवीन चौधरी ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। अभी किसी ने सूचना नहीं दी है।

चार दिन पहले मुंबई से गांव आया था शैलेष

बरहज। शैलेष भाई-बहनों में सबसे छोटा था और परिवार का कमाऊ था। चार दिन पहले ही मुंबई से गांव आया था। सुबह परिजनों से धान का खेत देखकर आने की बात कह कर निकला। क्या पता था कि रास्ते में उसका काल इंतजार कर रही है और वह लौट कर नहीं आएगा। उसकी मौत ने परिजनों को झकझोर कर रख दिया है।

घर जा रहे युवक को रास्ते में पीटा, केस दर्ज

देवरिया। कोतवाली थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव निवासी कुलदीप को रास्ते में घेर गांव के कुछ युवकों ने पिटाई कर दी। दो दिन पहले हुई पिटाई के मामले में कोतवाली पुलिस ने गांव के विशाल यादव, विकास यादव, विवेक यादव, टुन्नू यादव पर मारने-पीटने, अपमानित करने व जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज किया है। कुलदीप ने तहरीर में आरोप लगाया है कि आरोपी दबंग व मनबढ़ किस्म के हैं। 13 अक्तूबर को सुबह करीब साढ़े नौ बजे वह सलेमपुर से बाइक से घर जा रहा था। गांव के बाहर स्थित मंदिर के पास पहुंचा था कि हमलावर बाइक को जबरिया रोक लिए और गाली देने लगे। विरोध करने पर पिटाई कर दी।

रामलीला मैदान के अतिक्रमण पर चल सकता है बुलडोजर, जमीन की हुई पैमाइश

देवरिया। क्षेत्र के कपरवार स्थित रामलीला मैदान की भूमि पर किए गए अतिक्रमण पर बुलडोजर चलने की कवायद तेज हो गई है। डीएम अखंड प्रताप सिंह के निर्देश पर राजस्व टीम ने रविवार के बाद सोमवार को भी जमीन की पड़ताल की, जिससे कब्जाधारकों में खलबली है। मौके पर टीम को कुछ लोगों के विरोध का भी सामना करना पड़ा है।

एसडीएम अवधेश कुमार निगम के नेतृत्व में राजस्व निरीक्षक अशोक पांडेय की टीम रविवार दोपहर कपरवार पहुंची। राजस्व टीम ने रामलीला मैदान के दक्षिणी-पश्चिमी और पूर्वी-उत्तरी छोर सहित संपूर्ण जमीन की पैमाइश की। टीम को कुछ लोगों के विरोध का भी सामना करना पड़ा। राजस्व टीम के अनुसार रामलीला मैदान की जमीन पर पश्चिमी, उत्तरी छोर पर कुछ लोगों द्वारा पक्का निर्माण करा लिया गया है। जबकि रुद्रपुर मार्ग से सटे पश्चिमी और उत्तरी छोर पर लोगों ने गुमटी आदि रखकर अवैध कब्जा किया गया है। टीम ने जमीन की पड़ताल के लिए जरीब गिराया। लोगों के अनुसार 1970 के दशक में सुग्गी चौरी के महंत खाकी बाबा के आग्रह और गांव के लोगों की सहमति पर रामजानकी और रुद्रपुर मार्ग से सटे करीब एक एकड़ पर सरकारी जमीन को चकबंदी के दौरान रामलीला मैदान के रूप में दर्ज किया गया था। जिस पर प्रत्येक वर्ष भगवान के लीला का मंचन किया जाता है। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों की शिकायत में पूर्व में तत्कालीन एसडीएम अरुण कुमार सिंह के कार्यकाल में राजस्व टीम ने एक बार पैमाइश कराई थी। जिसमें प्रशासन की ओर से अतिक्रमण खाली करने के लिए करीब 32 लोगों को नोटिस भी दिया गया था।

स्पीकअप -

रामलीला मैदान की जमीन पर अतिक्रमण खाली कराने के लिए सक्षम अधिकारी के नेतृत्व में टीम गठित कर पैमाइश कराई जाए। अन्यथा गलत पैमाइश से विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यह सरकारी भूमि आस्था के राम की लीला मंचन के लिए मैदान के रूप में दर्ज है, जो गांव की धरोहर है।
- देवेश सिंह, ग्रामीण

रामलीला मैदान पर अवैध अतिक्रमण के साथ बनाए गए टीनशेड में लोगों का कब्जा है, जिससे मैदान सिमट गया है। समय-समय पर अधिकारियों से बार-बार शिकायतें की गई हैं। अतिक्रमण की पूर्व में भी पैमाइश की गई है। अतिक्रमण से रामलीला मंचन में बाधा आती है।
- ज्ञानेश्वर सिंह, ग्रामीण

भू माफिया ने फर्जी भाई खड़ा कर तीन बीघा भूमि करा ली बैनामा

देवरिया। तहसील में भू माफिया के अजब-गजब कारनामे सामने आ रहे हैं। भू माफिया ने ग्राम अजोरिया में 14 वर्ष पूर्व एक व्यक्ति का फर्जी सगा भाई खड़ा कर तीन बीघा भूमि अपनी पत्नी के नाम बैनामा करा ली। आरोपी को गोरखपुर जिला प्रशासन भू माफिया घोषित कर जेल भी भेजा चुका है। पीड़ित 14 वर्षों से न्यायालय का दरवाजा खटखटा रहा है।

फतेहपुर कांड के बाद उसने मुख्यमंत्री से पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर न्याय की गुहार लगाई है। ग्राम अजोरिया निवासी रामेश्वर लाल और रामचंद्र दास सगे भाई हैं। छोटे भाई रामचंद्र दास की शादी नहीं हुई थी। वे साधु बनकर अयोध्या में रहते थे। दो वर्ष पूर्व उनकी मौत हो चुकी है। उन्होंने 11 जनवरी 1989 को अपने बड़े भाई रामेश्वर लाल को पावर ऑफ अटॉर्नी/हक छोड़ लिख दिया था। इसके बाद 28 मई 2009 को गांव के कुछ लोगों ने रामचंद्र दास के हक की तीन बीघा भूमि उनके स्थान पर दूसरे व्यक्ति को खड़ा कर बैनामा करा ली। उसी समय से नामांतरण का वाद तहसीलदार भाटपाररानी के यहां चला आ रहा है।

गोरखपुर में राजस्व निरीक्षक है बैनामेदार

इस मामले में बैनामेदार विजय कुमार सिन्हा गोरखपुर में राजस्व निरीक्षक है और गोरखपुर जिला प्रशासन की ओर से घोषित कई राजस्व निरीक्षकों और लेखपालों की भू माफिया सूची में नामित है। वह भू माफिया एवं गैंगस्टर में जेल भी जा चुका हैं। हार थक कर पीड़ित रामेश्वर लाल ने अब सीएम से न्याय की गुहार लगाई है।

पत्रावली इस समय आदेश में लगी हुई है। जल्दी ही इसे निस्तारित कर दिया जाएगा।
- चंद्रशेखर वर्मा, तहसीलदार

पीले पोशाक पहनाकर की पूजा-अर्चना

बुलंदशहर। नगर के प्रसिद्ध श्री नवदुर्गा शक्ति मंदिर नवरात्र के दूसरे दिन माता रानी को पीले रंग की पोशाक धारण कराई गई। माता रानी की पूजा अर्चना ब्रह्मचारिणी मैया के रूप में की गई। समिति के अध्यक्ष संजय वर्मा ने बताया कि मंदिर पर निरंतर दर्शनार्थियों की संख्या बढ़ती जा रही है, जिनकी सुविधा के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं। उपाध्यक्ष देवेश कौशिक ने बताया की दिन में और रात में मंदिर की चारों तरफ परिक्रमा करने वाले भक्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। एनएच-93 अलीगढ़ अनूपशहर मार्ग पर चौंढेरा गांव में स्थित मां विचित्रा देवी मंदिर में नवरात्र मेले का आयोजन किया गया। वहीं मेले में माता के दर्शन के लिए लगातार श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ रही है। मंदिर के पुरोहित ने बताया कि नवरात्र के अवसर पर मंदिर में मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, बिहार, दिल्ली प्रांतों के श्रद्धालु मां के दर्शन करने के लिए आते हैं। मान्यता है की माता के दर्शन करने से मनोकामना पूर्ण हो जाती है।

35 कृषकों को विधायक नानपारा ने बांटे बीज मिनी किट

बहराइच। विधायक नानपारा राम निवास वर्मा ने किसान कल्याण केन्द्र बलहा पर सुनील कुमार चौधरी, बालकराम वर्मा, राम अभिलाख, विशाल चौधरी, हुसैनी, रवि शंकर व रमाकान्त इत्यादि 35 कृषकों को तिलहन सरसों बीज मिनीकिट का वितरण करते हुए कृषकों की आय को दोगुना करने हेतु भारत सरकार व राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित है। श्री वर्मा ने कृषकों को गौआधारित जैविक खेती के साथ-साथ पशुपालन करने का सुझाव दिया ताकि खेतों के लिए देसी खाद भी उपलब्ध हो सके।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी नानपारा अजित परेश, एसडीएईओ नानपारा सुधीर कुमार मिश्र, एसटीए राम प्रकाश मौर्य, प्रभारी राजकीय कृषि बीज भण्डार नानपारा अमर सिंह, पंकज किशोर, अनिल कुमार, यशपाल वर्मा सहित अन्य कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारी व कृषक मौजूद रहे।

त्रिगुट

बुधवार 18 अक्टूबर 2023

युद्ध में किसी एक का नहीं,दोनों का ही सर्वनाश

इजराइल और फिलीस्तीन के बीच जंग चल रही है। दसवे दिन भी जंग जारी है। इस जंग में ईरान, रूस हिज्बुल्लाह, तथा 22 इस्लामिक देश भी शामिल हो गए हैं। सोमवार को इस लड़ाई ने नया रूप ले लिया है। हिज्बुल्लाह ने लेबनान की सीमा से दूसरा मोर्चा खोल दिया है। इजराइल अभी दो मोर्चे पर एक साथ लड़ रहा था। इजराइल के भी हजारों सैनिक मारे गए हैं। वही हमास संगठन के भी हजारों लोगों के साथ-साथ हजारों आम नागरिक भी इस लड़ाई में मारे जा चुके हैं। इजराइल जिस तरह से गाजा पट्टी में आंख मूंद कर हमले कर रहा है। उसमें फिलिस्तीनी नागरिकों के साथ-साथ इजरायली नागरिकों ओर उसके बंधकों को मारे जाने की भी संभावनाएं सामने आने लगी हैं। फिलीस्तान शासित गाजा पट्टी में जिस तरह से जमीन के अंदर मीलो लंबी सुरंग और बँकर है।

उसमें हमास के हजारों लडाके छिपे होने की संभावना इजराइल जता रहा है। हमास के लड़ाकों ने इजरायली बंधकों को भी अपने साथ रखा हुआ है। इजराइल जिस तरीके से गाजा पट्टी पर हमले कर रहा है। उसमें हमास के सैनिकों के साथ-साथ इजरायल के बंधकों के मारे जाने की भी संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। जिस तरह रॉकेट से हमले कर बड़ी-बड़ी बिल्डिंगों को ढहा दिया गया है। उसके मलमे हजारों लोगों के शव दफन होने की बात कही जा रही है। हमास के लड़ाकों ने अपनी सुरक्षा के लिए जैसे ही इजरायल की सेना सुरंग मे दाखिल होगी। हमास के लडाके पीछे से हमला करके इजरायली सेना को नेस्तनाबूत करने का काम करेंगे। इजरायल की सेना भी फिलिस्तीनी नागरिकों को मानवीय ढाल के रूप में इस्तेमाल कर बंधकों को छुड़ाने की योजना बनाकर हमले कर रहा है।इसराइल और हमास संगठन दोनों ही इस लड़ाई में आर पार की लड़ाई लड़ने के मूड में है। दोनों ही एक दूसरे के अस्तित्व को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इस लड़ाई में 22 अरब देश की शामिल हो गए हैं।इसके साथ ही रूस ने अब खुलकर फिलिस्तीन का साथ देना शुरू कर दिया है। इसके लिए हथियार भी सप्लाई किये जा रहे हैं। जिसके कारण तृतीय विश्व युद्ध की आशंका के बादल गहराने लगे हैं। भारत में महाभारत का युद्ध सर्वव्यापी है। यह युद्ध कौरव और पांडवों के बीच हुआ था। उस समय श्री कृष्णा स्वयं अवतार के रूप में युद्ध में सारथी के रूप में उपस्थित थे। युद्ध का परिणाम पांडवों के पक्ष में गया।लेकिन राज करने के लिए पांडवों के पास भी कुछ रह नहीं गया था। ना पांडवों के हाथ कुछ लगा और ना कौरवों के हाथ कुछ लगा। हां धर्म की स्थापना और धर्म का नाश हुआ यह जरूर कहा जा सकता है। इसराइल के प्रधानमंत्री नित्य नियम के खिलाफ पिछले कई महीनो से आंदोलन चल रहे थे सत्ता को बचाए रखने के लिए धर्म की आड़ लेकर जो युद्ध शुरू किया गया है उसके परिणाम स्वरुप मानवता का जो नुकसान हो रहा है उसको देखने के बाद भी सत्ताधारियों के दिल पसीज नहीं रहे हैं प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध मैं मानवता के साथ-साथ धन संपत्ति और प्रकृति भी बड़े पैमाने पर नष्ट हुई थी। उससे भी हम सबक लेने के लिए तैयार नहीं है। सत्ता में पकड़ मजबूत रखने के लिए सत्ता में बैठे हुए लोग अपने अहं और सत्ता में बने रहने के लिए किस तरह नुकसान पहुंचाते हैं समय रहते यदि इसे समझ लिया जाए तो बेहतर होगा।

भक्त के भीतर रहते हैं कृष्ण

जब भगवान चैतन्य बनारस में हरे कृष्ण महामंत्र के कीर्तन का प्रवर्तन कर रहे थे, तो हजारों लोग उनका अनुसरण कर रहे थे। तत्कालीन बनारस के अत्यंत प्रभावशाली और विद्वान प्रकाशानंद सरस्वती उनको भावुक कहकर उनका उपहास करते थे। कभी-कभी भक्तों की आलोचना दार्शनिक यह सोचकर करते हैं कि भक्तगण अंधकार में हैं और दार्शनिक दृष्टि से भोले-भाले भावुक हैं, किंतु यह तथ्य नहीं है। ऐसे अनेक बड़े-बड़े विद्वान पुरुष हैं, जिन्होंने भक्ति का दर्शन प्रस्तुत किया है। किंतु यदि कोई भक्त उनके इस साहित्य का या अपने गुरु का लाभ न भी उठाए और यदि वह अपनी भक्ति में एकनिष्ठ रहे, तो उसके अंतर से कृष्ण स्वयं उसकी सहायता करते हैं।अत- कृष्णभावनामृत में रत एकनिष्ठ भक्त ज्ञानरहित नहीं हो सकता। इसके लिए इतनी ही योग्यता चाहिए कि वह पूर्ण कृष्णभावनामृत में रहकर भक्ति संपन्न करता रहे। आधुनिक दार्शनिकों का विचार है कि बिना विवेक के शुद्ध ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। उनके लिए भगवान का उत्तर है- जो लोग शुद्धभक्ति में रत हैं, भले ही वे पर्याप्त शिक्षित न हों तथा वैदिक नियमों से पूर्णतया अवगत न हों, किंतु भगवान उनकी सहायता करते ही हैं। भगवान अजरुन को बताते हैं कि मात्र चिंतन से परम सत्य भगवान को समझ पाना असंभव है, क्योंकि भगवान इतने महान हैं कि कोरे मानसिक प्रयास से उन्हें न तो जाना जा सकता है, न ही प्राप्त किया जा सकता है। भले ही कोई लाखों वर्षो तक चिंतन करता रहे, किंतु यदि भक्ति नहीं करता, यदि वह परम सत्य का प्रेमी नहीं है, तो उसे कभी भी कृष्ण या परम सत्य समझ में नहीं आएंगे।परम सत्य, कृष्ण, केवल भक्ति से प्रसन्न होते हैं और अपनी अचिंत्य शक्ति से वे शुद्ध भक्त के हृदय में स्वयं प्रकट हो सकते हैं।शुद्धभक्त के हृदय में तो कृष्ण निरंतर रहते हैं और कृष्ण की उपस्थिति सूर्य के समान है, जिसके द्वारा अज्ञान का अंधकार तुरंत दूर हो जाता है।

सियासत में बगावत एक स्वाभाविक प्रक्रिया

राकेश अचल

पांच राज्यों के लिए विधानसभा चुनावों के प्रत्याशियों के नामों की घोषणा के साथ ही सभी प्रमुख राजनीतिक दलों में बगावत के स्वर सुनाई देते हैं। इसे लेकर नुक्ताचीनी करने का कोई अर्थ नहीं है । चुनावों के समय की जाने वाली बगावतों का बहुत आशिंक असर होता है ,लेकिन यदि बगावत संगठित रूप से होती है तो राजनीतिक परिदृश्य बदलने में ज्यादा देर नहीं लगती। बावजूद इसके कुछ बगावतें भीगी बारूद की तरह फुस्स होकर रह जाती हैं। बगावतों का इतिहास हर राज्य में है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूर्व से लेकर पश्चिम तक । बगावत की बयार अक्सर चलती है किन्तु आंधी में यदा -कदा तब्दील हो पाती है । बगावत जब आंधी में तब्दील होती है ,तब अनेक अवसरों पर राजनीतिक दलों का विभाजन भी होता है। सबसे ज्यादा विभाजन का दंश कांग्रेस ने सहा है । भाजपा में भी अनेक विभाजन हुए लेकिन भाजपा छोड़कर जिन नेताओं ने भी अपने दल बनाये वे ज्यादा दिन अपना वजूद बचाकर नहीं रख सके । वामपंथी दलों में भी एक -दो अवसरों पर बगावत हुई ,समाजवादी भी इस बीमारी के पुराने रोगी है।

सियासत में बगावत का पुराना इतिहास है ,फिलहाल बात करते हैं मप्र,राजस्थान ,छत्तीसगढ़,तेलंगाना और मिजोरम की ,क्योंकि इन्हीं राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो रहे है। मिजोरम विधानसभा के चुनावों को लेकर भाजपा और कांग्रेस ज्यादा गंभीर नहीं है । मिजोरम विधानसभा के चुनाव एक छोटी-मोटी नगर निगम के चुनाव जैसे है। फिर मिजोरम में भाजपा का कुछ है भी नहीं और हाल की मणिपुर की घटना ने भाजपा के लिए बची-खुची गुंजाइश भी समाप्त कर दी है। कमोवेश यही दशा भाजपा की तेलंगाना में है। हालाँकि तेलंगाना में भाजपा ने थोड़ी-बहुत उछलकूँद की भी । चुनावों की औपचारिक घोषणा के पहले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह तेलंगाना जाकर केसीआर को हड़का कर भी आये ,किन्तु बात बनी नही। तेलंगाना में मुकाबला कांग्रेस और मौजूदा सत्तारूढ़ दल के साथ है । इसलिए यहां बगावत की कोई समस्या है नहीं। भाजपा का पूरा ध्यान मध्यप्रदेश,राजस्थान और छत्तीसगढ़ पर है । इन तीनों राज्यों में भाजपा की मोदी-शाह जोड़ी पूरा कसबल लगा रही है । इन तीनों राज्यों में भाजपा विधानसभा चुनावों की औपचारिक घोषणा के पहले ही भसकना [दरकना]शुरू हो गयी थी । मध्यप्रदेश में तो भाजपा में सबसे जायदा बगावत हुई । विधायक से लेकर स्थानीय स्तर के नेता तक भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गये । पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के पुत्र दीपक जोशी से शुरू हुई ये बगत आज भी जारी है । भाजपा प्रत्याशियों की हर नई सूची बगावत की खबर लेकर आती है।लेकिन भाजपा की बगावत का स्वरूप असंगठित है इसलिए पार्टी में विभाजन का तो कोई खतरा नहीं है किन्तु इस बगावत की वजह से पार्टी की स्थिति कमजोर अवश्य हो रही है। भाजपा ने मध्य प्रदेश में जिन तीन केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों के अलावा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव को विधानसभा चुनाव में उतारा है वे सब बेमन से चुनाव लड़ रहे है। ये दसों नेता चुनाव लड़ना चाहते थे अपने बच्चों को ,अपने समर्थकों को ,लेकिन पार्टी है कमान ने किसी की एक नहीं सुनी। इन दस नेताओं के आने से भाजपा को कम से कम तीस सीटों पर जीत की उम्मीद है लेकिन हो उलटा रहा है । ये दसों की दस सीटें भी अब असुरक्षित दिखने लगी हैं । जिस चंबल-ग्वालियर अंचल ने भाजपा को पिछले विधानसभा चुनाव में पटकनी दी थी और बाद में इसी अंचल से कांग्रेस में हुई बगावत ने भाजपा को सत्ता तक पहुंचाया था,उसी में एक बार फिर बगावत सबसे ज्यादा हुई है और असंतोष की महीन स्वर तो अब भी सुनाई दे रहे हैं।

भाजपा के पितृ पुरुष और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के भांजे अनूप मिश्रा को टिकिट नहीं मिला है। वे खाट-पाट लेकर कोप भवन में है। उनके कांग्रेस में जाने की खबरें भी हवा में तैरीं किन्तु अनूप मिश्रा को इन खबरों का खंडन करना पड़ा ,क्योंकि उन्हें पता था कि कांग्रेस में उनका कोई माई-बाप नहीं है सिवाय दिग्विजय सिंह के। और एन मौके पर वे भी उनकी कोई मदद नहीं कर सकते। ग्वालियर में ही पूर्व मंत्री नारायण सिंह कि बगावत कि मंशा भी पूरी नहीं हो पायी । मुरैना में पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह के भी बागी होने की खबरें उड़ीं थीं,किन्तु अब वे भी असंतुष्ट होकर बैठे है। वे अपने बेटे के लिए टिकटार्थी थे। अभी तक उनके बेटे के बारे में पार्टी ने कोई फैसला नहीं किया गया है। भिंड में पूर्व विधायक रसाल सिंह बागी हो गए है। उनकी बगावत से एक -दो सीटों का गणित तो बिगड़ ही सकता है। भिंड में भाजपा में शामिल हुए सपा के विधायक संजीव सिंह का कथित पटवारी घोटाला पहले से भाजपा के गले कि हड्डी बना हुआ है । मप्र में कांग्रेस कि पहली सूची आने के बाद बगावत की इक्का-दुक्का खबर है लेकिन कांग्रेस को इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला । कांग्रेस ने बहुत ठोंक-बजाकर प्रत्याशियों का चयन किया है। ग्वालियर में एक मात्र कांग्रेसी केदार सिंह कंसाना ने टिकिट न मिलने पर पार्टी छोड़ी है। वे जरूर कांग्रेस कि एक सीट का गणित खराब कर सकते हैं ,लेकिन बाकी कहीं कोई खरखसा नहीं है । कांग्रेस ने छह बार के विधायक केपी सिंह को अपनी सीट बदलने की सुविधा भी दी । वे अब पिछोर की जगह शिवपुरी से चुनाव लड़ेंगे। पहले भाजपा कि और से शिवपुरी से श्रीमती यशोधरा राजे चुनाव लड़तीं थीं ,लेकिन इस बार वे भी नाखुश भाजपाइयों की सोची में शामिल हो गयीं हैं। वे अपने बेटे के लिए टिकिट चाहतीं थीं किन्तु पार्टी ने उनकी सुनी नहीं। भाजपा की चार सूचियां आने के बाद कांग्रेस की पहली सूची आने से कांग्रेस को फैसला करने में आसानी हुई । कांग्रेस ने मुख्यमंत्री शिवतराज सिंह चौहान को चुनावों में उलझने के लिए एक अराजनीतिक व्यक्ति को अपना प्रत्याशी बनाया जो छोटे परदे का हनुमान है। बुधनी सीट से कांग्रेस के इस फैसले में कोई गंभीरता तो नजर नहीं आती किन्तु ये प्रयोग शिवराज सिंह चौहान कि नाव पार भी लगा सकता है और डुबो भी सकता है। वैसे जहाँ तक सूचनाएं हैं कि चौहान के खिलाफ हनुमान को उतरने का फैसला शिवराज सिंह के कांग्रेसी शुभचिंतकों ने सोच-समझकर ही किया है। कांग्रेस ने परिवारवाद के आरोप की परवाह किये बिना एक ही परिवार के दो-लोगों को टिकिट दिया।

राजस्थान में भी भाजपा के समाने बगावत एक गंभीर समस्या है । यहां पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती [श्रीमंत भी] बसुंधरा राजे भाजपा के लिए सबसे बड़ी समस्या है । भाजपा बसुंधरा राजे से छुटकारा चाहती है लेकिन वे भाजपा छोड़ना नहीं चाहती। वे राजस्थान की उमा भारती भी नहीं बनना चाहतीं अर्थात पार्टी को तोड़ना भी नहीं चाहतीं ,किन्तु उनके पार्टी में रहने से भी भाजपा को कोई लाभ नहीं होने वाला ,क्योंकि वे नाराज हैं। वे महिला भी हैं और पुराने सामंत परिवार से भी। उनके पास राजहठ भी है और त्रियाहठ भी। जो सीधे प्रधानमंत्री और शाह की जोड़ी को भारी पद सकता है। राजस्थान में भी भाजपा के कमजोर किले की किलेबंदी के लिए सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों को मैदान में उतारा गया है। ये सब मिलकर बसुंधरा राजे की वजह से होने वाले नुक्सान की कितनी भरपाई कर पाएंगे ,कहना कठिन है। छत्तीसगढ़ में भाजपा के मुकाबले कांग्रेस में बगावत होना चाहिए ,लेकिन ऐसा होता नहीं दिखाई दे रहा । यहां कांग्रेस सतर्क है। उसे पता है कि सत्ताप्रतिष्ठान के खिलाफ जनता की स्वाभाविक नाराजगी आमतौर पर जैसी होती है वैसी छग में है नहीं। कांग्रेस के असंतुष्ट नेता भी जानते हैं कि जब सबसे बड़े कांग्रेसी नेता सिंघदेव बगावत नहीं कर सके तो समान्य कांग्रेसी नेता की हैसियत ही नहीं है बगावत करने की। छग में भाजपा में भी बगावत मुमकिन है क्योंकि यहां आज भी भाजपा परिवार की बैशाखी लेकर चलने कि कोशिश कर रही है । मध्यप्रदेश में परिवारवाद का सहारा भाजपा के बजाय कांग्रेस ने ज्यादा लिया। मप्र में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के भाई और बेटे तक को टिकिट मिल गया किन्तु बाक़ी टापते रह गए। अतीत में झांके तो आप पाएंगे कि कांग्रेस से बगावत कर बनी एनसीपी हो या तृमूकां कम से कम राज्य की सत्ता में तो है लेकिन भाजपा से बगावत कर बनी उमा भर्ती की पार्टी का ,केशूभाई की पार्टी का कोई अतापता नहीं है ।

समाजवादियों के विभाजन से जन्मी जेडीयू जरूर बिहार में गठबंधन की सरकार का हिस्सा है। शिवसेना से टूटी शिवसेना भी महाराष्ट्र में सत्ता के साथ है ,लेकिन भाजपा से अलग हुए लोग अपना दलबल छोड़छाड़कर भाजपा में वापस लौट आये। टूटी तो बसपा और समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी भी किन्तु इन दलों से अलग हुए लोग भी अपना दल चला नहीं चला पाए।अब देखना ये है कि आने वाले दिनों में भाजपा,कांग्रेस अपने आपको बगावत के इस जहर से कितना अक्षुण रख पाते हैं ?

कोई दो पैग में टुन्न हो जाता है तो कोई पूरी बोतल डकार लेता है.

चैतन्य भट्ट

एक डॉक्टर साहब हैं,उन्हें दारू से बड़ी नफरत थी जब भी किसी को दारू पीते देखते विशेष कर किसी जवान लड़के को तो उनकी आंखें क्रोध से लाल हो जाती, सारा शरीर कांपने लगता था कि ये दारू पी रहा है और थोड़ी बहुत नहीं धकापेल सुलटाये पड़ा है, बस फिर क्या था डॉक्टर साहब पहुंच गए सुप्रीम कोर्ट में और एक याचिका लगा दी जिसमें मांग की गई कि युवाओं को शराब पीने से रोकने के आदेश दिए जाए। उन्होंने ये दलील दी कि युवा पीढ़ी शराब ज्यादा पी रही है,सुप्रीम कोर्ट भी हैरान हो गया कि यह कैसा मसला है, कौन कितनी पी रहा है इसका फैसला वो कैसे करे, सो उसने भी कह दिया कि हम इसकी सीमा तय नहीं कर सकते कि कौन कितनी पिएगा बहुत सही किया सुप्रीम कोर्ट ने, कई दरूये ऐसे भी हैं जो बोतल पर बोतल गटक जाते हैं लेकिन उन पर नशा नहीं चढ़ता, वे बेचारे करें भी तो क्या करें पेट को इतनी प्रैक्टिस हो गई है कि वो पूरी दारू अपने में समेट लेता है और दिमाग पर नशा नहीं चढ़ने देता, ये तो अपनी अपनी कैपेसिटी में निर्भर करता है, कोई दो पैग में भी लुढ़क जाता है तो किसी के सात और आठ पैग में भी कदम नहीं लड़खड़ाते। ऊपर वाले ने सबको अलग-अलग तरह से बनाया है और फिर सुरा पान तो पुराण कल से चला आ रहा है, देवता हो या राक्षस सब सुरा पान करते थे, राजा महाराजा भी इससे अछूते नहीं थे, तो जब दारु की परंपरा चलती आ रही है तो फिर इस पर कैसे रोक लगाई जाए और यह कैसे तय किया जाए कि कौन कितने पैग पिएगा। वैसे दारू की बदनामी बहुत है कोई बेचारा गरीब सड़क से फिसल कर नाले में गिर जाता है तो लोग उसे निकालने के बदले यही कहते हैं अरे छोड़ो यार दरुआ है नशा उतर जाएगा तो बाहर आ जाएगा जबकि लोग बाग बताते हैं कि दारु पीने के बाद ज्ञान का असीमित भंडार खुल जाता है ऐसी ऐसी बातें वो बताता है जो कभी किसी मनोवैज्ञानिक या दार्शनिक ने भी ना बताई होंगी। ना कहो रोने लगे, ना कहो हंसने लगे ,और नागिन डांस दो दारूखोरों का सबसे पसंदीदा डांस होता है, किसी भी शादी में दो पैग पिला दो और फिर भाई साहब का डांस देखो, बड़ी-बड़ी नागिन शर्मा कर किनारे से निकल जाएंगी। अपना तो मानना यही है कि जिसको जितनी पीना है उतनी पीने दो क्योंकि जो पीने वाले हैं उन्हें दुनिया की कोई ताकत पीने से रोक नहीं सकती और फिर बेचारे पी ही तो रहे हैं किसी और का नुकसान तो कर नहीं रहे हैं ना। दूसरी बात सरकार चलाने के लिए भी तो नेताओं को पैसों की जरूरत होती है इन्हीं के दम पर तो सरकारें चल रही हैं जिस दिन दरुये दारू पीना बंद कर देंगे उस दिन से सरकारें दाने-दाने को मोहताज हो जाएंगी आम आदमी को तो इन का धन्यवाद अदा करना चाहिए कि उनके पैसे से ही देश, प्रदेश में विकास हो रहा है और फिर दारू पीकर भी किसी और का नुकसान तो कर नहीं रहे हैं इसलिए अजीज नाजा की यह कव्वाली उन पर बिल्कुल फिट बैठती है हंगामा है क्यूं बरपा थोड़ी सी जो पी ली है डाका तो नहीं डाला चोरी तो नहीं की है

अफसर तो अफसर होता है एक खबर अखबारों में आई कि प्रदेश के कई अफसरों ने अपने अपने चैंबरों को खूबसूरत बनाने के लिए लाखों रुपए खर्च डाले, जब पैसा पूरा खर्च हो गया तब सरकार को बुद्ध ज्ञान हुआ कि इतना पैसा चेंबरों पर खर्च नहीं होना चाहिए था ,तो अब एक कमेटी बना दी है जो देखेगी कि हुजूर के चेंबर में किस चीज की जरूरत है और उसमें कितना पैसा लगेगा। सरकार भी बेहद भोली भाली है अरे जिनकी कमेटी आपने बनाई है वे भी तो अफसर ही है और अफसर अफसर सगे भाई से ज्यादा बढ़कर होते हैं, दूसरी बार पूरी सरकारें इन्हीं अफसरों के भरोसे तो चल रही है जो ये कह देते हैं वो पत्थर की लकीर हो जाती है, मंत्रियों का क्या है ऐसा पेंच फसाते हैं कि वे हाथ जोड़कर कहते हैं कि भैया जैसा तुम्हें दिखाएं कर लो हमसे फाइल पर दस्तखत करवा लो लोगों को ये भी तो सोचना चाहिए कि भाई जी अफसर है कोई चपरासी तो है नहीं जो गेट पर बैठ कर जिंदगी गुजार देता है सर का चैंबर ऐसा होना चाहिए जिसमें घुसने के पहले आम आदमी दस बार सोचे कि उसके प्रवेश करने के बाद सर का चैंबर गंदा ना हो जाए। दूसरी बात कौन सा अपनी जेब से पैसा लगाना है आदेश कर दो सरकारी खजाने से पैसा निकलेगा और चकाचक हो जाएगा चैंबर, तो इतनी हाय तौबा काहे के लिए, सरकारी खजाना तो होता ही है बर्बादी के लिए। एक का चैंबर अच्छा तो दूसरा कैसे पीछे रहता इसी इसी कंपटीशन में पूरे खजाने की लाई लुटी जा रही है अब देखना है कि जो कमेटी बनी है वो इस पर कितना रोक लगा सकती है लेकिन अपने को पूरा भरोसा है कि ये कमेटी भी आफ्टर आल इन्हीं की कम्युनिटी की है इसलिए वो भी इस पर रोक लगाने में हिचकिचायेगी।

भूत, प्रेत, चुड़ैल पर भी होगी पढ़ाई

अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ़ एक्सीटर बहुत जल्द जादू और टोने पर कोर्स शुरू करवाने वाली है, इस कोर्स में भूत, प्रेत, चुड़ैल, शैतान जैसी चीजों पर अध्ययन कराया जाएगा। वशीकरण कैसे होता है, मूठ कैसे फेंकी जाती है इस पर भी पीरियड लगाए जाएंगे। अमेरिकी यूनिवर्सिटी के जो भी कर्ता धर्ता है उनको चाहिए कि वे इंडिया से गुनिया, तांत्रिक, भूत प्रेत विशेषज्ञ इन लोगों को वहां बुला ले क्योंकि जितना जादू टोना अपने यहां होता है उसकी मिसाल पूरे विश्व में नहीं है। कब किसको टोहनी कहकर उसके बाल काटकर उसका जुलूस निकाल दें, कब किसको गड़ा धन निकलवाने के बहाने लूट लें, कब प्रेत बाधा से मुक्ति के लिए हजारों रुपया ले लें, कब प्रेमी प्रेमिका को मिलाने के लिए, वशीकरण के लिए अच्छा खासा पैसा वसूल लें ये आम बात है, ये तमाम लोग वहां जाकर जादू टोना के बारे में पढ़ा भी सकते हैं और ये शिक्षा भी दे सकते हैं कि लोगों को भूत, प्रेत, चुड़ैल, शैतान के नाम पर कैसे बेवकूफ बनाया जा सकता है यूनिवर्सिटी के जो भी अधिकारी हैं अपनी बात पर थोड़ा भी गौर करेंगे तो उन्हें लगेगा कि अपन सच कह रहे हैं।

श्रीहनुमानचालीसा में श्रीरामकथा के पात्र

डॉ. नरेन्द्रकुमार मेहता

कलयुग केवल नाम अधारा। सुमरि सुमरि नर उतरहि पारा।।

कलियुग में नाम जप का बहुत महत्व है। सतयुग (सत्ययुग), त्रेतायुग और द्वापर युग में प्रभु की प्राप्ति और मोक्ष के लिए जहाँ सघन आधार था वहीं कलियुग में मात्र श्रीराम अथवा श्रीहनुमानजी की महिमा का गुणगान (जपने) से ही अपने मानव जीवन के उद्देश्य को साकार कर सुख, शांति और निर्भयतापूर्वक व्यतीत कर प्राप्त किया जा सकता है। श्रीहनुमानजी एकमात्र जागृत-जीवित देवता हैं। अपने भक्तों के लिए सदैव कल्याण करने को तत्पर रहते हैं। इनसे प्रार्थना करने पर बिगड़े कार्य ठीक हो जाते हैं। मात्र नाम स्मरण से भूत-पिशाच भाग जाते हैं। इस कारण संस्कृति और परम्परा में छोटे से ग्राम से लगाकर बड़े-बड़े नगरों में इनके मंदिर सहज सुलभ हो जाते हैं। यही प्रमुख कारण है कि इनको मानने वाले भक्तों की संख्या देश में ही नहीं अपितु विदेशों में सर्वाधिक है। श्रीहनुमान्जी ने अपने जीवन में निस्वार्थ होकर श्रीराम की सेवा की तथा बदले में कोई भी वस्तु की अपेक्षा नहीं की जबकि सुग्रीव और विभीषण को श्रीराम ने सब कुछ दिया था।

इस कड़ी में सबसे सरल-सुबोध मार्ग है श्री हनुमानचालीसा का नित्य पाठ करने से हमें श्रीरामकथा के कतिपय प्रमुख पात्रों, देवताओं, ऋषियों आदि का ज्ञान के साथ ही साथ उनका जप भी स्वयंमेव हो जाता है। श्रीहनुमानचालीसा की भाषा, भावार्थ अत्यन्त ही सरल, सुबोध है, जिसका इस आपाधापी के युग में कुछ ही मिनटों में पाठ कर हम अपना मानव जीवन का उद्देश्य सरलता से प्राप्त कर सकते हैं। हमारे द्वारा इसका अनुशीलन कर हम सभी गौरवशाली भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म की रक्षा भी कर सकते हैं।

अत- इस दृष्टिकोण से यहाँ श्रीहनुमानचालीसा का पूरा-पूरा वर्णन न करते हुए श्रीरामकथा से सम्बद्ध पात्रों का दोहे-चौपाइयों द्वारा प्रेरणा प्राप्त करने के उद्देश्य से आलेख दिया गया है।

हमारी गौरवशाली सनातनी परम्परा भारतीय जनमानस में आबालवृद्धवनिता बाल्यकाल से ही इसका अभ्यास कर आनन्द प्राप्त कर सकते हैं। श्रीहनुमानचालीसा की भाषा सरल-हृदयगाही और कल्याणकारिणी भी हैं। चारों युग परताप तुम्हारा के आधार पर श्रीहनुमान्जी सत्ययुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग तथा तीनों लोकों में प्रभावशाली एवं जनकल्याणकारी रहते आ रहे हैं। अन्त में सुधीजन पाठकों से निवेदन करते हुए यही अपेक्षा की जा रही है कि श्रीहनुमानचालीसा का महत्व समझकर जन-जन तक प्रचार-प्रसार करें।

श्रीहनुमानचालीसा में श्रीरामकथा के पात्र

दोहा- बुद्धिहीन तनु जानिके सुमरौं पवनकुमार।

बल बुधि बिद्या देहु मोहिं हरहु कलेस बिकार।।1(ख)।।

इस दोहे में पवनकुमार (श्रीहनुमानजी) से प्रार्थना की है- हे पवनकुमार! मैं अपने शरीर और बुद्धि से हीन जानकर आपका स्मरण (ध्यान) कर रहा हूँ। आप मुझे बल बुद्धि और विद्या प्रदान करके मेरे समस्त कष्टों और दोषों (अविद्या, अस्मिता, राग, द्वेष और अभिनिवेश, काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर) को दूर कीजिए।

इस प्रकार श्रीरामकथा के प्रथम पात्र श्रीहनुमानचालीसा में पवनकुमार है।

रामदूत अतुलित बल धामा। अंजनि-पुत्र पवनसुत नामा।।2।।

यहाँ इस चौपाई में श्रीराम एवं हनुमानजी की माता अंजनी का नाम का वर्णन है। इसके साथ ही पवन देवता का नाम भी है।

संकर सुवन केसरीनंदन। तेज प्रताप महाजग बंदन।।6।।

इस चौपाई में भगवान् शंकरजी एवं श्रीहनुमानजी के पिता केसरी का नाम है।

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया। राम लखन सीता मन बसिया।।8।।

यहाँ बताया गया है श्रीहनुमानजी श्रीरामजी के चरित्र अर्थात उनकी पवित्र मंगलमयी कथा श्रवण करने के लिए लालायित और उत्सुक रहते हैं। साथ ही साथ श्रीहनुमानजी के हृदय में श्रीराम, लक्ष्मणजी एवं सीताजी सदा रहते हैं। इस प्रकार श्रीरामकथा के तीन प्रमुख पात्र श्रीराम, लक्ष्मण एवं सीता के नाम आ जाते हैं।

बिकट रूप धरि लंक जरावा।।9।।

यहाँ लंका नगरी का भी नाम आया है।

रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई। तुम प्रिय भरतहि सम भाई।।12।।

यहाँ श्रीराम हनुमान्जी को अपने भरत के समान भाई मानते हैं।

सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा।

नारद सारद सहित अहीसा।।14।।

जम कुबेर दिगपाल जहाँ ते।

कबि कोविद कहि सके कहाँ ते।।15।।

यहाँ सनकादिक ऋषि अर्थात सनक, सनन्दन, सनातन, सनत्कुमार आदि ऋषिमुनिगण, ब्रह्माजी आदि देवगण, देवर्षि नारदजी, माता सरस्वती, शेषनाग, यमराज, कुबेर तथा समस्त दिक्पाल द्वारा श्रीराम का यश कहने में असमर्थ बताया है। इस प्रकार यहाँ ये प्रमुख पात्र हैं।

तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा। राम मिलाय राजपद दीन्हा।।16।।

श्रीहनुमानजी ने वानरराज सुग्रीव पर बहुत बड़ा उपकार उसकी श्रीराम से मित्रता कराकर की। साथ ही साथ उसे किष्किन्धा का राजा बालि का वध करके बनाया।

तुम्हरो मन्त्र विभीषण माना। लंकेश्वर भए सब जग जाना।।17।।

श्री हनुमानजी ने विभीषण को शरणागत होने पर मन्त्र (परामर्श) देकर लंकापति बनाया।

जुग सहस्त्र जोजन पर भानू। लील्यो ताहि मधुर फाप जानू।।18।।

हे हनुमान! जन्म के समय ही आपने दो हजार योजन की दूरी पर स्थित सूर्य को कोई मीठा फल समझकर निगल लिया था। यहाँ सूर्य पात्र के रूप में हैं।

प्रभु मुद्रिका मेलिमुख माहीं। जलधि लाँघि गये अचरज नाहीं।।19।।

आपने ही अपने स्वामी श्रीराम की मुद्रिका को मुख में रखकर महासमुद्र को लाँघा था।

आपन तेज सम्हारो आयें। तीनों लोक हाँकते कॉपै.।।23।।

यहाँ श्रीहनुमानजी के बारे में बताया गया है कि मात्र उनकी हुँकार से तीनों लोक काँप जाते हैं।

भूत पिसाच निकट नहिं आवै। महाबीर जब नाम सुनावें।।24।।

श्रीहनुमानजी का नाम लेने मात्र से भूत-पिशाच भाग जाते हैं। श्रीहनुमानजी का नाम लेते ही सारे भय दूर हो जाते हैं।

चारों जुग परताप तुम्हारा। है परसिद्ध जगत उजियारा।।29।।

श्रीहनुमानजी का चारों युगों में प्रताप जगत को सदैव प्रकाशित करता चला आया है यह बात संसार में प्रसिद्ध है।

साधु संत के तुम रखवारे। असुर निकंदन राम दुलारे।।30।।

हे हनुमानजी आप साधु-संत की रक्षा करने वाले हैं तथा राक्षसों का संहार करने वाले हैं तथा श्रीरामजी के अति प्रिय हैं।

अंत में सारांश यही है कि श्रीहनुमानचालीसा अल्प समय में परायण कर स्थायी रूप से कण्ठस्थ कर आने वाले संकट से मुक्त होकर निर्भयतापूर्वक जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

विधानसभा चुनाव में जीत व हार कैंडिडेट पर निर्भर करेगा

डा. भरत मिश्र प्राची

देश में पांच राज्य राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम एवं तेलंगाना विधान सभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। 7 एवं 17 नवं. को छत्तीसगढ़, 7 नवं. को मिजोरम, 17 नवं. को मध्यप्रदेश, 25 नवं. को राजस्थान एवं तेलंगाना में 30 नवं. को चुनाव होंगे। 3 दिसं. को सभी राज्यों के विधान सभा चुनाव के नतीजे घोषित कर दिये जायेंगे। इन राज्यों में वर्तमान में राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में कांग्रेस, मध्यप्रदेश में भाजपा, तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति एवं मिजोरम में मिजो फ्रांट की सरकार है। इन राज्यों में राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में मुख्य मुकाबला कांग्रेस एवं भाजपा के बीच है, तेलंगाना एवं मिजोरम में क्षेत्रीय दलों का प्रभाव रहेगा। जब से देश में वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में वर्तमान केन्द्र की सत्ताधारी राजनीतिक दल से मुकाबला करने के लिये विपक्षी दलों का संगठन आइएनडीआइए बना है तब से कांग्रेस की स्थिति में मजबूती आई है। राजस्थान, मध्यप्रदेश में चुनाव तिथि से पूर्व हीं भाजपा ने अधिकांश सीटों पर केन्द्र के इसारे पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिये जहां वर्तमान में भाजपा के कुछ सांसदों को विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया गया है। जिसका आंतरिक विरोध नजर आने लगा है। इस विधान सभा चुनाव में भाजपा ने स्थानीय नेतृत्व को आगे न कर चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है जहां अप्रत्यक्ष रूप से केन्द्र का नेतृत्व प्रभावी दिक्षाई दे रहा है। अर्थात भाजपा इस विधानसभा चुनाव को मोदी के नाम से लड़ती नजर आ रही है। वहीं कांग्रेस ने अभी तक इन राज्यों में अपने प्रत्याशी घोषित तो नहीं किये है पर इन राज्यों में कांग्रेस का स्थानीय नेतृत्व उभरता साफ – साफ नजर आ रहा है। कांग्रेस इन राज्यों में अपने कार्यकाल में किये विकास कार्य को आगे कर चुनाव लड़ने की रणनीति बनाती नजर आ रही है। कांग्रेस इस विधानसभा चुनाव में हर तरह से राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में फिर से सत्ता में वापिस आने की तैयारी कर रही है। जिसके लिये चुनाव जीत सकने वाले प्रत्याशी चयन प्रक्रिया पर मंथन जारी है। फिलहाल भाजपा की तरह कांग्रेस में आंतरिक कलह नजर तो नहीं आ रहा है । यदि प्रत्याशी घोषित होने बाद भी कांग्रेस की आंतरिक स्थिति ज्यों की त्यों बनी रहती है तो उसे चुनाव में लाभ मिलना स्वाभाविक है।

राजस्थान में कुछ काल से प्राय: सरकार बदलती रही है। उसी आधार पर सत्ता परिवर्तन की उम्मीद राजस्थान में की जा रही है पर वर्तमान कांग्रेस सरकार अपने विकास कार्य के आधार पर फिर से सत्ता में वापिस आने की उम्मीद कर रही है। राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में सत्ता पर कांग्रेस आती नजर तो आ रही है।

एक अहम चिंता- 83 करोड़ भूखे पेट सो रहें ... ?

ओम प्रकाश मेहता

भारत सहित पूरे एशिया में अब भूख विकराल रूप धारण कर सामने आ रही है, इसके लिए और कोई नहीं हम स्वयं दोषी हैं, जिन्होंने न सिर्फ हमारी 80त्न खेतीहर जमीन पर सीमेंट के जंगल खड़े कर लिए, बल्कि हमारे बच्चे पैदा करने की क्षमता पर भी नियंत्रण नहीं किया, फलस्वरुप जनसंख्या बढ़ती गई और खेती की जमीन पर बहुमंजिला बिल्डिंग में खड़ी करते रहे, भारत सहित पूरे एशिया में खाद्य समस्या विकराल होने का यही एकमात्र कारण है। आज स्थिति यह है कि एक और जहां खाद्य सामग्री के अभाव में पूरी दुनिया में 83 करोड लोग भूखे पेट सो रहे हैं, तो दूसरी ओर 10 करोड़ हेक्टेयर खेत खाली पड़े हैं, इस कारण पिछले कुछ ही समय में दुनिया में इस्तेमाल न होने वाली जमीन में 25 फ़ीसदी का इजाफा हो गया।

विश्व में सबसे अधिक खाली पड़ी जमीन एशिया में है, जो पूरी दुनिया की जमीन का एक तिहाई हिस्सा है, दूसरे क्रम पर यूरोप है, यदि विश्व में खाली पड़ी इस जमीन का 60 फ़ीसदी हिस्सा भी उपयोग में ले लिया जाए और इस पर खेती की जाए तो दुनिया के 48 करोड़ भूखे लोगों को भोजन उपलब्ध हो सकता है। दुनिया में सबसे अधिक खाली जमीन 124 करोड़ हेक्टेयर रूस में है, चीन में 67 लाख, ब्राजील में 54 लाख जमीन खाली पड़ी है, वैज्ञानिकों ने इसे छोड़े जाने के लिए जमीन की गुणवत्ता में कमी, सामाजिक बदलाव, आपदा तथा संघर्ष जैसे कारणों को जिम्मेदार बताया है। अध्ययन में यह भी सामने आया है कि इस छोड़ी गई खेती की जमीन में से 6.1 करोड़ हेक्टेयर यानी करीब 60 फ़ीसदी जमीन का खेती के लिए दोबारा उपयोग किया जा सकता है दोबारा खेती करके हर वर्ग 363 पेटा कैलोरी की अतिरिक्त खाद्य सामग्री भी आपूर्ति की जा सकती है जो हर वर्ष करीब 48 करोड़ लोगों का पेट भर सकती है। रिसर्च के मुताबिक हर जमीन में से 11 फ़ीसदी जमीन ऐसी है जिस पर केवल खेती ही की जा सकती है, जबकि 33 फीसदी ऐसी है जो केवल वन क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है, वहीं 7 फीसदी ऐसी है जो दोनों ही कार्यों के लिए अनुपयुक्त है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर किए जा रहे प्रयासों के बावजूद 2021 में दुनिया की 9.8 फ़ीसदी आबादी कुपोषित और खाने की कमी से जूझ रही है, यानी अभी भी करीब 82.08 करोड़ लोगों के लिए पर्याप्त भोजन की व्यवस्था नहीं है, दूसरी ओर वैश्विक स्तर पर हर साल औसतन 36 लाख हेक्टेयर से ज्यादा कृषि जमीन को खाली छोड़ दिया जाता है, यह वो जमीन है जिस पर खेती की जा सकती थी, खाली छोड़े जाने से धीरे-धीरे इस जमीन की गुणवत्ता में कमी आने लगी, भू स्थानिक आंकड़ों के विश्लेषण से यह पता चलता है कि वैश्विक स्तर पर कुल 10.3 करोड़ हेक्टेयर कृषि भूमि को ऐसे ही खाली छोड़ दिया गया है, जो आकार में 1992 की कुल कृषि भूमि के करीब सात फीसदी के बराबर है।

नेशनल यूनिवर्सिटी सिंगापुर के सहयोग से वैश्विक स्तर पर हुए इस अध्ययन की रिपोर्ट एक पत्रिका में हाल ही में प्रकाशित हुई है, जिसमें इन तथ्यों का खुलासा किया गया है। इसी रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा खाली जमीन एशिया में छोड़ी गई है, जो करीब 3.3 करोड़ हेक्टेयर है, यह विश्व की कुल खाली जमीन का एक तिहाई हिस्सा है, इसके बाद यूरोप में 2.2 करोड़ हेक्टर, अमेरिका में 1.9 करोड़ हेक्टेयर कृषि भूमि को खाली छोड़ दिया गया है, 2020 में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक तब दुनिया भर में 8 करोड़ हेक्टेयर से ज्यादा कृषि भूमि खाली पड़ी थी, यानी तबसे गैर उपयोगी जमीन में 25 फ़ीसदी का इजाफा हो गया। इस शोध से यह भी पता चला है कि इस खाली पड़ी जमीन के 75 फ़ीसदी भाग पर खेती हो सकती है या फिर उसका उपयोग नए जंगल विकसित करने पर भी हो सकता है। यह नतीजे दर्शाते हैं कि यदि इस जमीन पर पेड़ लगाए जाए तो उस पर बसे जंगल सालाना करीब 108.6 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर सकते हैं, यह जापान के कुल वार्षिक उत्सर्जन जितना होगा, एसे में यह जलवायु में आते बदलावों और बढ़ते तापमान की रोकथाम की दृष्टिकोण से भी फायदेमंद होगा। पर, पर्यावरण, शुद्ध हवा, वातावरण से भी जरूरी खाद्य सामग्री है, जिसकी कमी इस खाली पड़ी जमीन पर अन्न पैदा कर की जा सकती है, क्योंकि आज की विश्व की सबसे बड़ी और अहम समस्या यही है।

भविष्य में प्रौद्योगिकी की भूमिका और समाज पर इसका प्रभाव

विजय गर्ग

पहिए के विकास से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता में नवीनतम प्रगति तक, प्रौद्योगिकी ने आधुनिक दुनिया के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तकनीकी प्रगति के परिणामस्वरूप हमारा जीवन सरल, अधिक उत्पादक और अधिक परस्पर जुड़ा हुआ हो गया है। प्रौद्योगिकी ने कई अच्छे सुधार लाए हैं जिन्होंने हमारे जुड़ने के तरीके और पर्यावरण को बदल दिया है, सेल फोन से लेकर आभासी वास्तविकता से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक। हालाँकि, समाज पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव हमेशा लाभकारी नहीं रहा है। इसके कई अनुकूल प्रभावों के बावजूद, इसने अवांछनीय दुष्प्रभाव भी उत्पन्न किए हैं जिनसे निपटना आवश्यक है। समाज पर प्रौद्योगिकी के कुछ नकारात्मक प्रभावों में तकनीकी निर्भरता, साइबरबुलिंग और गोपनीयता आक्रमण शामिल हैं। ऑटोमेशन और एआई के बढ़ते उपयोग ने नौकरियों के नुकसान और बढ़ते आय विभाजन के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। नई प्रौद्योगिकियों के निरंतर उद्भव के आलोक में प्रौद्योगिकी का भविष्य और भी दिलचस्प प्रतीत होता है। हालाँकि ये नवाचार स्वागत योग्य सुधार ला सकते हैं, लेकिन यह आवश्यक है कि हम उन जोखिमों को नज़रअंदाज़ न करें जो वे उत्पन्न कर सकते हैं और उन्हें कम करने के लिए उपाय करें। कुछ सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी विकासों पर चर्चा की जाएगी जो अगले वर्षों में हमारी दुनिया को परिभाषित करेंगे, साथ ही आधुनिक समाज पर प्रौद्योगिकी के अच्छे और नकारात्मक प्रभावों पर भी चर्चा की जाएगी। प्रौद्योगिकी का भविष्य- 1. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधुनिक प्रौद्योगिकी में सबसे आकर्षक विकासों में से एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) है।

आवाज पहचान, चित्र पहचान और एनएलपी ऐसे कुछ डोमेन हैं जहां एआई ने काफी प्रगति की है। फिर भी,ढ्ढ के पास उससे कहीं अधिक आशाजनक अनुप्रयोग हैं। एआई स्वास्थ्य देखभाल, वित्तीय और परिवहन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। इसमें जलवायु परिवर्तन और अत्यधिक गरीबी के खिलाफ लड़ाई में सहायता करने की भी क्षमता है। 2. इंटरनेट ऑफ थिंग्स शब्द इंटरनेट ऑफ थिंग्स (ढ्ढश्ज्ञ) इंटरकनेक्टेड कंप्यूटिंग उपकरणों की वैश्विक प्रणाली का वर्णन करता है जो इंटरनेट के माध्यम से डेटा और निर्देशों का आदान-प्रदान कर सकता है। उद्योग में उपयोग किए जाने वाले सेंसर से लेकर घरेलू सेंसर तक, कई प्रकार के सेंसर इस श्रेणी में आते हैं। घरों को स्वचालित करने, ऊर्जा के उपयोग को नियंत्रित करने और परिवहन में सुधार करने में ढ्ढश्ज्ञ से काफी सफलता मिली है। इंटरनेट ऑफ थिंग्स (ढ्ढश्ज्ञ) अब व्यापक है, और यह अनुमान है कि आने वाले वर्षों में यह प्रवृत्ति और तेज होगी। 3. संवर्धित और आभासी वास्तविकता संवर्धित और आभासी वास्तविकता दोनों में पिछले कई वर्षों में रुचि में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। आभासी वास्तविकता (वीआर) और संवर्धित वास्तविकता (एआर) दोनों का लक्ष्य उपयोगकर्ताओं को भौतिक दुनिया पर आरोपित डिजिटल जानकारी के साथ बातचीत करने की अनुमति देना है। इन तकनीकों का उपयोग मनोरंजन, शिक्षा और चिकित्सा उपचार सहित अन्य में पाया जा सकता है। आभासी और संवर्धित वास्तविकता अनुभवों के और अधिक यथार्थवादी और गहन होने की उम्मीद है। 4. ब्लॉकचेन बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी ब्लॉकचेन नामक अंतर्निहित तकनीक पर निर्भर हैं। फिर भी, ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग केवल क्रिप्टोकरेंसी से अधिक के लिए किया जा सकता है। ब्लॉकचेन एक वितरित खाता है जो सुरक्षित डेटा भंडारण और हस्तांतरण की सुविधा देता है। वित्तीय सेवाएँ, स्वास्थ्य सेवा और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन ऐसे क्षेत्रों के कुछ उदाहरण हैं जिनसे बहुत लाभ हो सकता है। 5. 5जी नेटवर्क पांचवीं पीढ़ी (5जी) के मोबाइल नेटवर्क मौजूदा चौथी पीढ़ी (4जी) की तुलना में काफी तेज और कम धीमे होंगे।नेटवर्क. स्वायत्त वाहन, स्मार्ट सिटी और टेलीसर्जरी सहित नए उपयोग 5जी नेटवर्क द्वारा संभव हो सकते हैं। हालाँकि, दुनिया के कुछ क्षेत्रों में, बुनियादी ढांचे के मुद्दों ने 5त्न नेटवर्क की शुरूआत को धीमा कर दिया है। 6. क्वांटम कंप्यूटिंग क्वांटम क्षेत्र में कंप्यूटिंग में गणना प्रक्रिया में क्वांटम यांत्रिक अवधारणाओं का अनुप्रयोग शामिल है। जो समस्याएँ अब शास्त्रीय कंप्यूटिंग के साथ हल करने योग्य नहीं हैं, उन्हें क्वांटम कंप्यूटिंग के साथ हल किया जा सकता है। नवीन सामग्रियों का निर्माण और जटिल रासायनिक घटनाओं का अनुकरण केवल दो उदाहरण हैं कि क्वांटम कंप्यूटिंग का उपयोग कैसे किया जा सकता है। लेकिन अपनी प्रारंभिक अवस्था में, क्वांटम कंप्यूटिंग को कई तकनीकी बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जिन्हें व्यापक रूप से अपनाने से पहले विजय प्राप्त की जानी चाहिए। 7. जैवप्रौद्योगिकी उद्योग और चिकित्सा में ऐसे नवाचार जो जैविक प्रणालियों, कोशिकाओं और प्राणियों का उपयोग करते हैं, उन्हें जैव प्रौद्योगिकी कहा जाता है। चिकित्सा, खेती और यहां तक कि बिजली उत्पादन ऐसे कई क्षेत्रों में से कुछ हैं जो जैव प्रौद्योगिकी से लाभान्वित हो सकते हैं। जब नई बीमारी के उपचार और उपचार खोजे जाते हैं, तो जैव प्रौद्योगिकी आने वाले वर्षों में लोगों के जीवन में तेजी से बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। 8. रोबोटिक्स स्वचालित उपकरण जो कुछ कार्यों को पूरा कर सकते हैं, रोबोटिक्स अनुसंधान का फोकस हैं। निर्माण, चिकित्सा और परिवहन सहित कई उद्योग रोबोटिक्स के उपयोग से लाभान्वित हो सकते हैं। मानव-जैसी संज्ञानात्मक क्षमताओं वाली मशीनें बनाने में रोबोटिक्स के भविष्य की आशा है। 9. क्लाउड कंप्यूटिंग क्लाउड में कंप्यूटिंग में डेटा को दूरस्थ सर्वर पर स्थानांतरित करना और संग्रहीत करना शामिल है। क्लाउड कंप्यूटिंग द्वारा डेटा भंडारण और पुनर्प्राप्ति को पूरी तरह से बदल दिया गया है। जैसे-जैसे क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग करने के लिए अधिक से अधिक प्रोग्राम और सेवाएँ बनाई जा रही हैं, इसकी प्रमुखता बढ़ने का अनुमान है।

उदाहरण के लिए, क्लाउड कंप्यूटिंग वॉयस असिस्टेंट और चित्र पहचान सेवाओं जैसे एआई प्रोग्राम चला सकती है। 10. साइबर सुरक्षा जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी का प्रचलन बढ़ रहा है, साइबर सुरक्षा तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। साइबर सुरक्षा कंप्यूटर और नेटवर्क को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से घुसपैठ से सुरक्षित रखने की प्रथा है। साइबर खतरों की व्यापकता से पता चलता है कि डेटा की सुरक्षा का महत्व केवल बढ़ेगा। समाज पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव सकारात्मक प्रभाव- 1. बेहतर संचार संचार की प्रगति आधुनिक सभ्यता के लिए प्रौद्योगिकी के सबसे उल्लेखनीय लाभों में से एक है। तकनीकी प्रगति के लिए धन्यवाद, अब हम तुरंत और अधिक आसानी से संदेश भेज और प्राप्त कर सकते हैं। सोशल मीडिया, मैसेजिंग एप्लिकेशन और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग तकनीक की व्यापक उपलब्धता के कारण दुनिया भर के लोग एक दूसरे के साथ संवाद कर सकते हैं। इसके कारण, लोग अपने प्रियजनों के साथ संबंध बनाए रख सकते हैं, अपने सामाजिक दायरे का विस्तार कर सकते हैं और साझा हितों और मूल्यों वाले समुदाय बना सकते हैं। 2. उन्नत सूचना पहुंच इंटरनेट के आगमन के साथ, पहले दुर्गम ज्ञान अब हर किसी की पहुंच में है। इंटरनेट ने किसी के लिए भी केवल कुछ माउस क्लिक से नए विचारों, प्रथाओं और दृष्टिकोणों से अवगत होना संभव बना दिया है। इसलिए, लोग अपने समय पर ज्ञान प्राप्त करने और अपने दृष्टिकोण को व्यापक बनाने में बेहतर सक्षम होते हैं। साथ ही, इससे स्वास्थ्य, विज्ञान और राजनीति जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ज्ञान के प्रसार में सहायता मिली है, जिससे नागरिकों को अधिक जानकारी प्राप्त करने का मौका मिला है। 3. शिक्षा में वृद्धि तकनीकी प्रगति के कारण, सीखना अब पहले से कहीं अधिक सुविधाजनक और उत्पादक है। ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म के रूप मेंइसके प्रसार के कारण, छात्रों को अब इसकी सामग्री से लाभ उठाने के लिए कक्षा में शारीरिक रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है। परिणामस्वरूप, छात्र अब जब भी और जहां भी चाहें अध्ययन कर सकते हैं, जिससे एक अधिक अनुकूलनीय शैक्षिक प्रणाली बन जाएगी। तकनीकी प्रगति के कारण सिमुलेशन और आभासी वास्तविकता जैसी इंटरैक्टिव शिक्षण प्रौद्योगिकियां भी विकसित की गई हैं, जो शिक्षा को अधिक रोचक और उपयोगी बनाती हैं। 4. दक्षता लाभ तकनीकी प्रगति के लिए धन्यवाद, विभिन्न प्रकार के कार्य अब अधिक तेज़ी से और कम सामग्री बर्बादी के साथ पूरे किए जा सकते हैं। डेटा इनपुट और विनिर्माण जैसी नियमित गतिविधियों के लिए रोबोट का उपयोग करके कंपनियां पैसे बचा सकती हैं और उत्पादन बढ़ा सकती हैं। इसके कारण, व्यवसाय अपनी पेशकशों का विस्तार करने, अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और नई नौकरियों के सृजन को बढ़ावा देने में सक्षम हुए हैं। नकारात्मक प्रभाव- 1. सामाजिक जुड़ाव में कमी जबकि प्रौद्योगिकी ने संचार को आसान बना दिया है, इसने पारस्परिक संपर्क की आवश्यकता को भी कम कर दिया है। सोशल मीडिया के प्रसार के साथ-साथ संचार के इलेक्ट्रॉनिक साधनों पर लोगों की निर्भरता बढ़ गई है, जिससे उनके आमने-सामने महत्वपूर्ण आदान-प्रदान करने की संभावना कम हो गई है। इसके कारण, कई लोग अकेलापन और अलग-थलग महसूस कर रहे हैं, जिसके गंभीर मनोवैज्ञानिक प्रभाव हो सकते हैं। 2. स्क्रीन टाइम बढ़ गया तकनीकी प्रगति के परिणामस्वरूप स्क्रीन टाइम बढ़ गया है, जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है। आंखों की थकान, पीठ की तकलीफ और नींद न आने की समस्या सभी स्क्रीन के अत्यधिक उपयोग से जुड़ी हुई हैं। स्वास्थ्य और रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव के अलावा, जब लोग स्क्रीन के सामने बहुत अधिक समय बिताते हैं तो लत भी विकसित हो सकती है। 3. नौकरी में विस्थापन स्वचालन के कारण नौकरियाँ खत्म हो गई हैं क्योंकि रोबोट और सॉफ्टवेयर पहले इंसानों द्वारा किया जाने वाला श्रम कर सकते हैं। इसके कारण, कई व्यक्तियों ने अपना रोजगार खो दिया है या गुजारा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। तकनीकी प्रगति के कारण अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोट जैसे क्षेत्रों में संभावनाएं हैं, लेकिन कई लोगों को बदलाव करना चुनौतीपूर्ण लग रहा है। 4. गोपनीयता के मुद्दे तकनीकी प्रगति के परिणामस्वरूप गोपनीयता के मुद्दे सामने आए हैं, क्योंकि लाभ और राजनीतिक लाभ के लिए निजी जानकारी का तेजी से खनन किया जा रहा है।

इससे सुरक्षा उल्लंघनों, व्यक्तिगत जानकारी की चोरी और सरकारी जासूसी के बारे में चिंताएँ बढ़ गई हैं। सोशल मीडिया की डेटा प्रथाओं की नैतिकता के संबंध में भी चिंताएं उठाई गई हैं, जिसके कारण प्लेटफार्मों की आलोचना हुई है। अंतिम शब्द भविष्य में प्रौद्योगिकी की स्थिति रोमांचक और गतिशील है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, संवर्धित और आभासी वास्तविकता, ब्लॉकचेन, 5जी नेटवर्क, क्वांटम कंप्यूटिंग, जैव प्रौद्योगिकी, रोबोट, क्लाउड और साइबर सुरक्षा कुछ सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी सफलताएं हैं जो अगले वर्षों में हमारी दुनिया को बदल देंगी। हालाँकि इन प्रौद्योगिकियों के व्यापक उपयोग के कई सकारात्मक परिणाम हैं, लेकिन प्रौद्योगिकी निर्भरता, साइबरबुलिंग और गोपनीयता उल्लंघन जैसे नकारात्मक परिणाम भी हैं, जिन्हें संबोधित किया जाना चाहिए। बेहतर संचार, सूचना तक आसान पहुंच, अधिक उत्पादकता और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा ऐसे कुछ उदाहरण हैं जिनसे प्रौद्योगिकी ने सभ्यता को लाभ पहुंचाया है। फिर भी, प्रौद्योगिकी में रोजगार के अवसरों को कम करने और आर्थिक असमानता को बढ़ाने की क्षमता है। यह महत्वपूर्ण है कि हम, एक समाज के रूप में, इन खतरों के प्रति जागरूक रहें और प्रौद्योगिकी के लाभों का आनंद लेते हुए उन्हें कम करने के लिए कदम उठाएं।प्रदान करता है.

....ओर जब 17 वर्षीय राम ने लोहे से बना शिव धनुष तोड़ दिया

डॉ श्रीगोपाल नारसन

यूं तो पितृ पक्ष से ही श्रीराम लीला मंचन की शुरूआत हो जाती है,लेकिन नवरात्र शुरू होते ही रामलीला भी पीक पर होती है,यानि जिधर देखो वही श्रीराम लीला का मंचन।हर रामलीला में अलग अलग संदर्भों का मंचन, कही श्रीराम का जन्म,तो कही कैकई का कोपभवन,कही दशरथ मृत्यु तो कही श्री राम भरत मिलाप,हर रामलीला के कलाकार अपने अपने ढंग से रामचरित मानस की चौपाइयों को गाकर भगवान राम के काल को अपनी मंचन कला से प्रदर्शित करते है।लेकिन बढ़ते डिजिटल युग के कारण अब रामलीला भी हाई टेक हो गई है ,कई जगहों पर परंपरागत रामलीला मंचन के बजाए फिल्मी पर्दे पर डिजिटल रामलीला दिखाई जाने लगी है।लेकिन परम्परागत रामलीलाओं की बात ही अलग है।रामलीला से जुड़ा एक किस्सा याद आ रहा है,यह घटना सन 1880 की है,उत्तर प्रदेश के बनारस की एक रामलीला मण्डली रामलीला खेलने तुलसी गांव गई थी। मण्डली में 22-24 कलाकार थे, जो गांव के एक ही आदमी के यहाँ रुके थे। वहीं सभी कलाकार रामलीला की रिहर्सल करते और खाना स्वयं बनाकर खाते थे।पण्डित कृपाराम दूबे उस रामलीला मण्डली के निर्देशक थे और हारमोनियम बजाकर मंच संचालन करते थे, जबकि फौजदार शर्मा नामक कलाकार साज-सज्जा और राम लीला से जुड़ी अन्य व्यवस्था देखते थे।एक दिन पूरी रामलीला कलाकार मण्डली बैठी थी और रिहर्सल चल रहा था ,तभी पण्डित कृपाराम दूबे ने फौजदार से कहा इस बार वह शिव धनुष हल्की और नरम लकड़ी का बनवाएं ताकि राम का पात्र निभा रहे 17 वर्षीय कलाकार को धनुष तोड़ने में परेशानी न हो। पिछली बार धनुष तोड़ने में काफी समय लग गया था।

इस बात पर फौजदार नाराज़ हो गए, क्योंकि रामलीला की साज सज्जा और अन्य व्यवस्था फौजदार ही देखते थे और पिछला शिवधनुष भी उन्होंने ही बनवाया था।इस बात को लेकर पण्डित जी और फौजदार में आपसी कहा सुनी हो गई थी।फौजदार पण्डित जी से काफी नाराज हो गया और पंडित जी से बदला लेने को सोचने लगा।संयोग से अगले दिन सीता स्वयंवर का मंचन था और शिव धनुष टूटने का भी मंचन होना था।फौजदार रामलीला मण्डली जिसके घर रुकी थी, उनके घर गया और कहा रामलीला में लोहे की एक छड़ की जरूरत आन पड़ी है, दे दीजिए। गृहस्वामी ने उसे एक बडी और मोटी लोहे की छड़ दे दी।छड़ लेके फौजदार दूसरे गांव के लोहार के पास गया और उसे धनुष के आकार की बनवा लाया। रास्ते मे उसने धनुष पर कपड़ा लपेट कर और रंगीन कागज से सजा के गांव के एक आदमी के घर रख दिया। रात में रामलीला शुरू हुई तो फौजदार ने चुपके धनुष बदल दिया और लोहे वाला धनुष ले जा कर मंच के आगे रख दिया और खुद पर्दे के पीछे जाकर तमाशा देखने के लिए खड़ा हो गया।रामलीला शुरू हुई , पण्डित जी हारमोनियम पर राम चरणों मे भाव विभोर होकर रामचरित मानस के दोहे का पाठ कर रहे थे। हजारों की संख्या में दर्शक शिव धनुष भंग देखने के लिए मूर्तिवत बैठे थे। रामलीला धीरे धीरे आगे बढ़ रही थी, सारे राजाओं के बाद राम जी गुरु से आज्ञा लेकर धनुष के पास आए, उन्होंने जब धनुष हो हाथ लगाया तो धनुष उससे उठी ही नही।राम का किरदार निभा रहे कलाकार को सत्यता का आभास हो गया गया। उस 17 वर्षीय कलाकार ने पंडित कृपाराम दूबे की तरफ देखा तो पण्डित जी समझ गए कि दाल में कुछ काला है।उन्होंने सोचा कि आज इज्जत चली जायेगी हजारों लोगों के सामने और ये कलाकार की नहीं स्वयं प्रभु राम की इज्जत दांव पर लगने वाली है।पंडित जी ने कलाकार को आंखों से रुकने और धनुष की प्रदक्षिणा करने का संकेत किया और स्वयं को मर्यादा पुरुषोत्तम के चरणों में समर्पित करते हुए आंखे बंद करके उंगलियां हारमोनियम पर रख दी और राम जी की स्तुति करनी शुरू कर दी.... । जिन लोगों ने ये लीला अपनी आँखों से देखी थी बाद में उन्होंने बताया कि जैसे ही पंडित जी ने आंख बंद करके हारमोनियम पर हाथ रखा , हारमोनियम से उसी पल दिव्य सुर निकलने लगे।ऐसा अदभुत गायन करते हुए किसी ने पंडित जी को पहले कभी नहीं देखा था,सारे दर्शक मूर्तिवत हो गए, नगाडे से निकलने वाली परम्परागत आवाज भीषण दुंदभी में बदल गयी,पेट्रोमेक्स की धीमी रोशनी बढ़ने लगी आसमान में बिन बादल बिजली कौंधने लगी और पूरा पंडाल अदभुत आकाशीय प्रकाश से रह रहकर के प्रकाशमान हो रहा था,दर्शकों की कुछ समझ में नही आ रहा था कि क्या हो रहा है और क्यों हो रहा है ।पण्डित जी खुद को राम के चरणों मे आत्मार्पित कर चुके थे। उन्होंने चौपाई गाई

लेत चढ़ावत खैंचत गाढ़ें। काहुँ न लखा देख सबु ठाढ़ें॥

तेहि छन राम मध्य धनु तोरा। भरे भुवन धुनि घोर कठोरा॥

पण्डित जी के चौपाई गाते ही आसमान में बिजली कड़की और मंच पर रखे लोहे के शिव धनुष को राम का किरदार निभा रहे कलाकार ने दो भागों में तोड़ दिया.. ।लोग बताते हैं कि ये सब कैसे हुआ और कब हुआ ? किसी ने कुछ नही देखा, सब एक पल में हो गया.. ।धनुष टूटने के बाद सब कुछ अगले ही पल सामान्य हो गयी ।पण्डित जी मंच के बीच गए और टूटे धनुष और कलाकार के सन्मुख दण्डवत हो गए। लोग शिव धनुष भंग पर जय श्री राम का उद्घोष कर रहे थे और पण्डित जी की आंखों से श्रद्धा के आँसू बह रहे थे।किसी ने सच कहा है,मन मे श्रद्धा हो तो बड़े से बड़ा काम सहज ही हो जाता है।

पल-पल बदलते 'मत'के बीच विधानसभा को लोकसभा चुनाव का सेमिफाइनल कैसे मान लें?

वीरेन्द्र विश्वकर्मा

किसकी हार हो रही है और कौन जीत रहा है,इसका अंदाजा लगाना बेहद कठिन है। हर रोज सियासी हवा बदलती है,कभी लगता है कि भाजपा मजबूत है तो कभी अहसास होता है कि कांग्रेस सरकार बना रही है। कभी अंदाजा लगाया जाता है कि इस बार त्रिशंकु विधानसभा बनेगी। ऐसे ही तमाम कयासों के बीच जब चुनावी परिणाम आते हैं तो सबकुछ उल्टा पुल्टा दिखाई देने लगता है। वजह ये है ?कि आम मतदाता खामोस रहता है ?और राजनीति से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े लोग ही अपने पक्ष में माहौल बनाने की असफल कोशिश करते नजर आते हैं। इस बार भी कुछ इसी तरह का माहौल बनाने की कोशिशें होती नजर आने लगीं है। पिछले कुछ चुनावों पर नजर डालें तो कई उदाहरण है। पहला 2003 में हुए विधानसभा चुनाव का उदाहरण है। इस वक्त मध्यप्रदेश,छत्तीसगढ और राजस्थान में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों को देखें तो तीनों राज्यों में भाजपा को बड़ी जीत हासिल हुई और सत्ता में आ गई। इससे गदगद केंद्र की वाजपेयी सरकार ने सत्ता बरकरार रखने के लिए समय पूर्व ही आम चुनाव कराने का दांव चल दिया। नतीजा ये हुआ कि उपरोक्त राज्यों से भाजपा ने 56 लोकसभा सीटें जीतीं लेकिन केंद्र में सत्ता से हाथ धोना पड़ा। इसका मतलब ये हुआ कि जरूरी नहीं है कि विधानसभा में मिली जीत लोकसभा चुनाव में बरकरार रहे।

एक और उदाहरण 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में देखने को मिला। उस वक्त केंद्र में भाजपा की नरेंद्र मोदी सरकार थी,मोदी लहर चरम पर थी,इसके बाद भी भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश,छत्तीसगढ और राजस्थान में अपनी सरकार गंवा दी। हालांकि राजस्थान अपवाद हो सकता है क्योंकि यहां हर पांच साल में सत्ता का परिवर्तन सुनिश्चित माना जाता है। इसके बाद भाजपा विरोधी दलों का हौंसला बढ़ा और केंद्र में सत्ता हासिल करने की हसरत लेकर विरोधी दल अति उत्साहित होते नजर आए। इसी उत्साह के चलते वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में एनडीए विरोधी दलों ने पूरी ताकत झौंकी और दावे किए कि उनकी केंद्र में सरकार बनना लगभग तय है। जब लोकसभा चुनाव के परिणाम आए तो भाजपा विरोधियों को तगड़ा झटका लगा। हुआ ये कि विधानसभा चुनाव में हारी भाजपा ने लोकसभा चुनाव में तीनों ही राज्यों में करीब करीब क्लीन स्वीप कर पहले से भी बड़ी जीत हासिल कर ली। इसी तरह राजस्थान को छोड़ दें तो साल 2008 के विधानसभा चुनाव परिणाम ने भी पुराना इतिहास दोहरा दिया। उस वक्त भाजपा ने मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की सत्ता बरकरार रखी, लेकिन राजस्थान की सत्ता से हाथ धोना पड़ा। इसके बाद भी केंद्र में कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार न सिर्फ सत्ता बचाने में सफल रही, बल्कि उसके लोकसभा सीटों की संख्या 148 से बढ़कर 206 हो गई। हालांकि इन तमाम तथ्यों के बीच कुछ अपवाद नजरअंदाज नहीं किए जा सकते। साल 2013 के विधानसभा और 2014 के लोकसभा के नतीजे अपवाद ही साबित हुए। बीते चार चुनाव में पहली बार ऐसा हुआ कि इन तीनों राज्यों में विधानसभा चुनाव में जीतने वाली पार्टी केंद्र की सत्ता पर भी काबिज हुई। भाजपा ने तीनों राज्यों के साथ आम चुनाव में भी जीत हासिल की। 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। चुनाव आयोग के मुताबिक मिजोरम में 7 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। छत्तीसगढ़ में 7 एवं 17 नवंबर को मतदान होगा। जबकि मध्य प्रदेश में 17 और राजस्थान में 23 तथा तेलंगाना में 30 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। पांचों ही राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे 3 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। इसके कुछ ही महीने बाद 2024 में लोकसभा चुनाव होना है। शायद यही कारण है कि पांचों राज्यों के विधानसभा चुनाव को लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा है। ये बात सही है कि विधानसभा चुनाव के नतीजे लोकसभा चुनाव को प्रभावित करते है,लेकिन नफा नुकसान का सटीक पूर्वानुमान लगाना आसान नहीं है। फिलहाल पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे लेकिन उत्तर भारत के प्रमुख राज्य मप्र,राजस्थान और छत्तीसगढ़ की बात करें तो इन राज्यों में कुल 65 लोकसभा सीटें है। जिसमें मप्र में 29,राजस्थान में 25,छत्तीसगढ़ में 11 लोकसभा सीटें हैं। जिसमें से राजस्थान को अपवाद की श्रेणी में रखा जाता है क्योंकि यहां के मतदाताओं को मत पलटता रहता है। राजनीति के जानकारों की राय और सियासी चर्चाओं को आधार माना जो तो विधानसभा चुनाव को लोकसभा का सेमिफाइनल पूरी तरह नहीं माना जा सकता है,क्योंकि आज का मतदाता पल पल में अपना मत बदलता है,विधानसभा चुनाव के लिए कुछ और लोकसभा के लिए मन में कुछ अलग ही रखता है। ऐसे में कैसे मान लें कि विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव का से मिफाइनल है।

संक्षिप्त समाचार

मां की फटकार से नाराज इंटर की छात्रा ने की खुदकुशी

वाराणसी। उभांव थाना क्षेत्र के जाहिदपुर शेखपुर निवासिनी एक युवती ने रविवार की रात मां की फटकार से क्षुब्ध होकर फांसी के फंदे पर लटककर जान दे दी। सूचना पाते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। मनीषा उर्फ मनसा (18) पुत्री नंदू राजभर इंटरमीडिएट की छात्रा थी। वह रात में खाना खाने के बाद सोने के लिए अपने कमरे में चली गई। परिजनों के अनुसार सोमवार की सुबह ज्यादा देर हुई तो दरवाजा बंद होने के कारण उसे जगाने के लिए आवाज दी गई, लेकिन उसके न जगने पर खिड़की से मनीषा को पंखे के हुक के सहारे फांसी के फंदे पर लटकता देख परिजन अवाक रह गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही उभांव इंस्पेक्टर डीके श्रीवास्तव दल बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा ग्रामीणों की मदद से दरवाजा तोड़कर युवती के शव को फांसी के फंदे से नीचे उतार पोस्टमार्टम के लिए बलिया भेज दिया। पुलिस के अनुसार मृतका ने मरने के पहले सुसाइड नोट लिखा था, जिसमें मां की डांट से डांट से क्षुब्ध होकर आत्महत्या करने का उल्लेख था। वह दो बहन व एक भाई में बड़ी थी।

नौकरी के लिए मलेशिया भेजने के नाम पर चार लाख की ठगी

वाराणसी। थाना क्षेत्र के तीन लोगों को विदेश भेजने के नाम पर लाखों की ठगी करने, जो लोग विदेश गए हैं उनसे करीब तीन-चार माह से बात न होने पर परिजनों ने आरोपी के विरुद्ध शनिवार की देर शाम एफआईआर दर्ज कराई। मनियर थाना प्रभारी मंतोष सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी गांव में नहीं है। तलाश की जा रही है। क्षेत्र के बड़ागांव निवासी गोलू गुप्ता पुत्र हरिशंकर गुप्ता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी बड़ागांव चट्टी पर किराने की दुकान है। दो भाई गोलू व चंदन गुप्ता दुकान को देखते थे। करीब तीन चार माह पूर्व शमशेर खान पुत्र ताहिर खान निवासी सेमरी कोतवाली बांसडीह और गणेश पांडेय पुत्र काशीनाथ पांडेय निवासी छितरौली थाना कोतवाली बांसडीह दुकान पर आए। भाई चंदन गुप्ता, अब्दुल कादिर खान पुत्र अख्तर हुसैन खान, रफाकत हुसैन पुत्र बलामत खान को मलेशिया में नौकरी देने का प्रलोभन दिया। झांसे में लेकर प्रत्येक लोगों से डेढ़-डेढ़ लाख रुपये लेकर 19 जून को मलेशिया के लिए कोलकाता से फ्लाइट पर बिठा दिया। 20 जून को मैंने फोन से अपने भाई से बात की। भाई ने बताया कि मलेशिया के लिए सीधे कोई फ्लाइट हमें नहीं मिली है। हम लोगों ने बैंकाक की फ्लाइट पकड़ी। बैंकॉक से मलेशिया पहुंचेंगे। इसके बाद से उनके बात नहीं हो रही है। वह घर जाकर भेजने वालों से पूछा गया तो बताया कि मलेशिया भेज दिए हैं। धमकी देते हुए भगा दिया। मनियर थाना प्रभारी मंतोष सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

निरीक्षण में लाइसेंस नहीं दिखाने पर कीटनाशक की दुकान सील

वाराणसी। रबी की फसलों की बोआई को लेकर किसानों ने जहां तैयारी शुरु कर दी है वहीं कृषि विभाग भी चौकन्ना हो गया है। किसानों को सही खाद, बीज व कीटनाशक आदि मिले इसको लेकर विभाग की ओर से छापा मारा जा रहा है। रविवार को बैरिया क्षेत्र के एक कीटनाशक की दुकान को लाइसेंस नहीं दिखाने पर सील कर दिया गया। जिले में खरीफ की अन्य फसलें अब पकने लगी हैं और कटाई भी शुरु हो चुकी है। इसके अलावा अगेती धान की फसल भी तैयार होने लगी है। इसको देखते हुए किसान रबी की बोआई को लेकर तैयारी शुरु कर दी है। किसानों के अनुसार हर वर्ष रबी के समय खासकर डीएपी की किल्लत शुरु हो जाती है और इस दौरान निजी दुकानदारों की ओर से कालाबाजारी शुरु कर दी जाती है। खासकर प्रांतीय सीमावर्ती इलाकों में यह धंधा जोरों पर चलता है। इतना ही नहीं कई क्षेत्रों में तो नकली खाद, बीज व कीटनाशक की भी भरमार होती है। प्रमुख बाजारों से लेकर ग्रामीण इलाकों के बाजारों तक इनका जाल होता है। इसको देखते हुए कृषि विभाग की ओर से छापा की कार्रवाई की जा रही है। रविवार को जिला कृषि अधिकारी पवन कुमार प्रजापति ने बैरिया क्षेत्र के लालगंज व अन्य बाजारों में खाद, बीज व कीटनाशक की दुकानों पर छापा मारा गया। इस दौरान एक कीटनाशक दुकानदार की ओर से लाइसेंस नहीं दिखाने पर दुकान को सील कर दिया गया। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई लगातार चलती रहेगी।

लखनऊ-छपरा सहित कई निरस्त ट्रेनों का संचालन शुरू

वाराणसी। वाराणसी जंक्शन पर यार्ड के रिमॉडलिंग का काम पूरा हो गया है। निर्माण कार्य के कारण निरस्त व रूट टायवर्ट सभी ट्रेनों का संचालन पूर्व की भांति शुरू हो गया है। लेकिन पूर्व लखनऊ-छपरा सहित सभी ट्रेनों के परिचालन से यात्रियों को काफी राहत मिली है। रेलवे की आय में भी इजाफा भी हुआ है। 15054/15053 लखनऊ जं.-छपरा-लखनऊ जं. एक्सप्रेस, 14523-14524 बरौनी-अंबाला हरिहरनाथ एक्सप्रेस अप डाउन, 15231-15232 बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस अप-डाउन थी। वहीं, सद्भावना सहित अप-डाउन ट्रेनों का रूट डायवर्ट व 15083-15084 छपरा-फर्रुखाबाद-छपरा एक्सप्रेस का शार्ट टर्मिनेशन था। वाराणसी के जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि वाराणसी जंक्शन पर चल रहा कार्य पूरा हो चुका है। बलिया रूट से होकर चलने वाली जो भी ट्रेन निरस्त, रूट डायवर्ट या शार्ट टर्मिनेशन को खत्म हो गया है। सभी ट्रेनें पूर्व की भांति संचालन होगा। त्योहार को देखते हुए यात्रियों की मांग पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन भी होगा।

बलिया-आनंद बिहार सहित चार ट्रेनें निरस्त

प्रयागराज स्टेशन के प्लेटफार्म नौ व 10 के उन्नयन कार्य को लेकर बलिया से गुजरने वाली कई ट्रेनें निरस्त रहेंगी। जन संपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि 04950 बलिया-आनंद बिहार क्लोन 19 अक्टूबर से 28 दिसंबर, 01025-01026 दादर सेंट्रल-बलिया दादर एक्सप्रेस अप-डाउन 16 अक्टूबर से 29 दिसंबर, 09525-09526 नाहरलगुन-ओखा स्पेशल एक्सप्रेस अप डाउन 17 अक्टूबर से 30 दिसंबर, 07651-07652 जालना-छपरा-जालना स्पेशल एक्सप्रेस 18 अक्टूबर से 29 दिसंबर तक निरस्त रहेगी।

पात्रों को मिलेगा उज्वला का कनेक्शन, तैयारियां तेज

बाराबंकी। पात्रों को उज्वला योजना के तहत नया गैस कनेक्शन दिया जाएगा। शासन से निर्देश मिलने के बाद जिला प्रशासन और आपूर्ति विभाग ने इसको लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। डीएम ने एडीएम न्यायिक को कमेटी का अध्यक्ष बनाते हुए जल्द से जल्द शायदापूर्ति करने के निर्देश दिए हैं। उधर, सोमवार को डीएसओ ने ऑयल कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक कर पात्रों को कैसे लाभ मिले, इस पर चर्चा की। जिले में अंत्योदय कार्डधारकों की संख्या एक लाख 13,883 तथा पात्र गृहस्थी के लाभार्थियों की संख्या पांच लाख 26,431 है। जिले में गैस कनेक्शन धारकों की संख्या सात लाख 59,098 है। इनमें से उज्ज्वला के लाभार्थियों की संख्या तीन लाख 2801 है और अन्य लाभार्थियों की संख्या चार लाख 57,097 है। जिला पूर्ति अधिकारी डॉ. राकेश तिवारी ने बताया कि शासन से मिले निर्देशों के आधार पर सोमवार को ऑयल कंपनी के अधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर वार्ता की गई। जिसमें कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि जिनके पास अंत्योदय और पात्र गृहस्थी का राशन कार्ड है और उनके परिवार के किसी भी सदस्य के पास गैस कनेक्शन नहीं है, उन्हें ही उज्ज्वला का लाभ दिया जा सकता है। उधर, जिलाधिकारी ने इसे लेकर एडीएम न्यायिक की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया है जो मंगलवार को अधिकारियों के साथ बैठक कर आगे का निर्णय लेगी।

डेंगू के छह और मरीज मिले, पांच भर्ती

बांदा। जिला अस्पताल की पैथोलॉजी की जांच में डेंगू के छह और मरीज मिले हैं। इनमें पांच को भर्ती कराया गया है। सोमवार को पैथोलॉजी में डेंगू जांच के 32 सैंपल लगाए गए। यहां रजिस्ट्रेशन कराने वालों की लंबी लाइन लगी रही। महज एक रुपये के पर्चे में एलाइजा से डेंगू की जांच की जा रही है। अब तक डेंगू मरीजों की संख्या 194 पहुंच चुकी है। जिला अस्पताल में सोमवार को अतर्रा के तुर्रा गांव निवासी रामकिशोर (70), बलखंडी नाका निवासी राहुल (18), गुरेह गांव निवासी दीपक (24), कटरा मोहल्ला निवासी अमर (22), किरन कॉलेज कटरा निवासी सोनम (16), चौक बाजार निवासी मीनाक्षी चौरसिया (20) को जांच में डेंगू होने की पुष्टि की गई है। इनमें अमर को छोड़कर शेष सभी मरीजों को मंडलीय चिकित्सालय में डेंगू वार्ड में भर्ती कराया गया है। पैथोलॉजी में सोमवार को विभिन्न रोगों से संबंधित 275 मरीजों की जांच की गई। उधर, जिला अस्पताल की ओपीडी में 1500 से ज्यादा मरीजों ने रजिस्ट्रेशन कराया। ओपीडी में फिजिशियन व बाल रोग विशेषज्ञ के कक्ष में मरीजों की भीड़ लगी रही। एक फिजिशियन डॉक्टर की ओपीडी 100 मरीजों की रही। इनमें 70 मरीज डेंगू लक्षण और वायरल फीवर के रहे।

चावल निर्यातकों के आह्वान पर बंद रही जिले की मंडियां, नहीं खरीदा गया धान

बुलंदशहर। चावल निर्यातकों के आह्वान पर जिले की मंडी सोमवार को बंद रही। इसके चलते किसी भी मंडी में धान की खरीद नहीं हो सकी। उधर, उप्र गल्ला व्यापार मंडल ने मंडी समिति के सभागार में बैठक कर मंगलवार से मंडी खोलने का निर्णय लिया है। जबकि जिले की अन्य मंडी बंद रहेंगी। उत्तर प्रदेश गल्ला व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री चंद्रकांत सिंघल ने बताया कि मंडियों में धान की खरीद मिल करती हैं। धान खरीदने वाली मिलों से निर्यातक चावल लेकर उसका विदेशों में निर्यात करते हैं। भारत सरकार ने आगामी सूचना तक चावल का न्यूनतम निर्यात मूल्य 1200 डालर प्रति टन बनाए रखने का फैसला लिया है। जबकि चावल निर्यातकों की मांग है कि यह मूल्य 900 डालर प्रति टन किया जाए। निर्यातकों की इस मांग को सरकार ने खारिज कर दिया है। ऐसे में निर्यातकों ने मिलों से चावल लेने से हाथ खींच लिए तो मिलों ने धान खरीदना बंद कर दिया है। इसके चलते सोमवार को जिले की बुलंदशहर, जहांगीराबाद, स्याना, अनूपशहर, डिबाई, शिकारपुर समेत सभी मंडी बंद रहीं। मंडी बंद रहने और धान की खरीद न होने की जानकारी आढ़तियों ने किसानों को पहले ही दे दी थी। इसके चलते किसान अपना धान लेकर मंडियों में नहीं पहुंचे। उन्होंने बताया कि मंडी बंद होने से किसानों के साथ आढ़तियों व मजदूरों को नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि चावल निर्यातकों की सरकार से बातचीत चल रही है। जल्द ही इस संबंध में कोई निर्णय लिया जाएगा। वहीं, मंगलवार को मंडल के पदाधिकारियों ने बैठक कर मंगलवार से मंडी खोलने का निर्णय लिया है। ताकि किसानों की धान की खरीद हो सके। साथ ही आढ़तियों और मजदूरों को हो रहे नुकसान से बचाया जा सके। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष विनोद पहलवान ने की। इस दौरान जिला अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष मूलचंद, संजय सिंघल, राहुल सिंह और दीपक गर्ग समेत अन्य मौजूद रहे। दूसरी ओर स्याना मंडी अध्यक्ष विनय अग्रवाल ने बताया कि मगंलवार को मंडी में धान की खरीद नहीं होगी।

व्यापारियो ने प्रदर्शन कर पालिका अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

बस्ती। बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने लाइसेंस शुल्क के वृद्धि और अन्य समस्याओं को लेकर नगर पालिका पर प्रदर्शन कर नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा को सौंपा ज्ञापन। जिलाध्यक्ष आनंद राजपाल के नेतृत्व में सैकड़ों व्यापारियो ने जुलूस निकालकर नारेबाजी करते हुए नगर पालिका पहुंचे। व्यापारियों ने लाइसेंस शुल्क, हाउस टैक्स, वाटर टैक्स के वृद्धि तथा पालिका की दुकानों के किराये बढ़ाने का विरोध किया। कहा कि पालिका प्रशासन को इस निर्णय पर पुनर्विचार करे। अन्यथा व्यापक रूप से विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। शहर में वाहन पार्किंग की कोई व्यवस्था नही है। रोडवेज तिराहे पर टूटा कूड़ादान पड़ा है। वहा आने जाने वालो लोगा को काफी कठिनाई होती है। उसे तुरंत हटाने की मांग किया। पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा को ज्ञापन दिया। अध्यक्ष नेहा वर्मा ने कहा कि यह महत्वपूर्ण समस्या है इसे बोर्ड की बैठक में रखा जायेगा।, जितना संभव होगा उसका समाधान जल्द से जल्द किया जायेगा। इस मौके पर महामंत्री सूर्य कुमार शुक्ल,सुनील कुमार गुप्ता, संदीप कुमार जायसवाल, आशुतोष पाण्डेय, ऋषभ गुप्ता, हर्षित अग्रवाल, अशोक निगम, नीरज कसौधन, नौशाद, शम्भू, लाला साहू, मो. एहसानुल्लह कैफ सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

एंटी भूमाफिया पोर्टल-एक माह आई में 487 शिकायतें

वाराणसी। एंटी भूमाफिया पोर्टल पर शिकायतों का अंबार है। कागजों में तो मामलों का निस्तारण कर दिए जाता है, लेकिन पुनः फीडबैक लेने पर शिकायतकर्ता असंतुष्ट होने पर गुहार लगाते हैं। साफ है कि अधिकारियों द्वारा प्रकरण का सही तरीके से निस्तारण नहीं किया जा रहा है। बैरिया तहसील क्षेत्र में विभिन्न ग्राम पंचायतों से एंटी भूमाफिया पोर्टल पर इस वित्तीय वर्ष में 487 शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी हैं। किसी मामले का निस्तारण संतोषजनक नहीं हुआ है। अधिकतर लोग फीडबैक में असंतोष व्यक्त किए है। प्रदेश सरकार भले ही भूमाफियाओं पर सख्ती की बात कर रही है, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर अमलीजामा नहीं पहनाया जा रहा है। विभिन्न गांवों में ग्राम समाज की भूमि तालाबों, पोखरों व विद्यालयों की भूमि पर कब्जा है या फिर कब्जा का प्रयास कर रहे हैं। इस संबंध में नवका गांव के प्रधान रवि प्रताप सिंह, गंगापुर के प्रधान प्रतिनिधि प्रमोद यादव, रामपुर के हृदयानंद सिंह, सोनबरसा के अरुण चौबे सहित अन्य लोगों ने भूमाफिया पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा शिकायतों का निस्तारण पोर्टल पर कर दिया गया है। इससे कई शिकायतकर्ता संपूर्ण समाधान दिवस व थाना समाधान दिवस का चक्कर लगा रहे हैं।

अमरमणि त्रिपाठी को गिरफ्तार कर पेश करें एसपी बस्ती, गैर जमानती वारंट जारी

बस्ती। वरिष्ठ जेल अधीक्षक गोरखपुर ने अमरमणि को जेल से रिहा होने की रिपोर्ट प्रस्तुत की तो न्यायालय ने उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने और एसपी को विशेष पुलिस टीम का गठन करके वारंट को तामील कराने और गिरफ्तारी का आदेश दिया। कवियत्री मधुमिता शुक्ला हत्याकांड में कुछ हफ्ते पहले जेल से रिहा हुए पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी की मुश्किलें फिर बढ़ गई हैं। 22 वर्ष पहले व्यापारी धर्मराज के बेटे के बहुचर्चित अपहरण कांड में बस्ती की एमपी-एमएलए कोर्ट ने अमरमणि के खिलाफ सोमवार को गैर जमानती वारंट जारी किया है। अदालत ने एसपी बस्ती को निर्देश दिया है कि वारंट को तामील कराने और उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के लिए विशेष टीम का गठन करें। साथ ही केस में गैरहाजिर नैनी शर्मा और शिवम उर्फ रामयश को फरार घोषित करने का आदेश भी पुलिस को दिया है।

इससे पहले न्यायालय ने वरिष्ठ जेल अधीक्षक गोरखपुर को अमरमणि त्रिपाठी को न्यायालय में पेश कराने का निर्देश दिया था। इस पर सोमवार को सुनवाई के दौरान गोरखपुर के वरिष्ठ जेल अधीक्षक की तरफ से आख्या दी गई कि 25 अगस्त 2023 को उत्तर प्रदेश शासन कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 के आदेश पर अमरमणि त्रिपाठी पुत्र कृष्ण नारायण त्रिपाठी को कारागार से रिहा किया जा चुका है। रिहाई के बावजूद न्यायालय में हाजिर न होने पर अदालत ने सोमवार को गैर जमानती वारंट जारी किया। छह दिसंबर 2001 को हुए अपहरण कांड में न्यायालय ने अमरमणि सहित तीन वांछितों को कई बार गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने का आदेश पारित किया, लेकिन पुलिस उसे गिरफ्तार करने में नाकाम रही। काफी दिनों तक वह मधुमिता शुक्ला हत्याकांड केस में लखनऊ, गोरखपुर समेत विभिन्न जेलों में बंद रहा। इस दौरान न्यायालय ने वरिष्ठ जेल अधीक्षक को तारीख पर उसे हाजिर करने का निर्देश दिया, लेकिन बीमारी आदि का बहाना बनाकर उसकी पेशी टलती रही। 24 अगस्त को अदालत की ओर से गोरखपुर सीएमओ से मेडिकल बोर्ड गठित कर अमरमणि के स्वास्थ्य की रिपोर्ट मांगी गई थी। 11 सितंबर को सीएमओ स्तर से गठित पांच सदस्यीय बोर्ड की रिपोर्ट में अमरमणि को अवसाद की बीमारी बताते हुए उसका इलाज राज्य चिकित्सा परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देश के अनुसार चलने की बात कही गई थी। कोर्ट ने मेडिकल रिपोर्ट पर टिप्पणी करते कहा है कि मात्र अवसाद के आधार पर किसी अभियुक्त को कोर्ट आने से अवमुक्त नहीं किया जा सकता।

पुल का बीम गिरने के प्रकरण की जांच जारी, लिए गए सैंपल

वाराणसी। फिरोजपुर-कथरिया के बीच मगई नदी पर बन रहे पुल के बीम गिरने की जांच लगातार जारी है। इस मामले में सेतु निगम के परियोजना प्रबंधक के निलंबन के बाद निचले क्रम के अधिकारियों की धड़कनें तेज हो गई हैं। शनिवार को भी आला अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर मामले की जांच की और गिरे हुए बीम में प्रयोग की गई सामग्रियों का नमूना लिया। टीम में सेतु निगम के अलावा लोक निर्माण विभाग के अधिकारी शामिल थे। मगई नदी पर फिरोजपुर-कथरिया के बीच 8.15 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन पुल का बीम 8 अक्तूबर को जमीन पर आ गया। इस घटना के बाद सेतु निगम में खलबली मच गई। अगले दिन ब्रिज कॉरपोरेशन लखनऊ के एमडी राकेश कुमार सिंह, आजमगढ़ के तकनीकी सलाहकार एके सिंह, मुख्य परियोजना प्रबंधक दिनेश कुमार मौके पर पहुंचे और पुल का निरीक्षण किया। इनकी रिपोर्ट के आधार पर शासन ने परियोजना प्रबंधक देवराज सिंह को निलंबित कर दिया। इसके बाद शनिवार को एक बार फिर लखनऊ पीडब्ल्यूडी के महाप्रबंधक राजेंद्र सिंह, सेतु निगम गोरखपुर के मुख्य परियोजना प्रबंधक संतराज व उप परियोजना प्रबंधक ज्ञानेंद्र वर्मा के साथ टेक्निकल टीम फिरोजपुर पहुंची ओर नीचे गिरे बीम एवं पुल का टेक्निकल मुआयना किया। सेतु निगम के इंजीनियरों से पूछताछ कर जानकारी ली। टेक्निकल टीम ने गिरे बीम में ग्रील मशीन से छेद कर प्रयोग की गई गिट्टी, छड़, बालू, सीमेंट को निकाल कर नमूना लिया। इसके अलावा मौके पर मौजूद सरिया गिट्टी और बालू का भी टीम ने सैंपल लिया।

जेई ने पिटाई तो उपभोक्ता ने धमकी देने का आरोप लगाया

वाराणसी। कस्बे के बिंद टोली में चेकिंग के दौरान ग्रामीण बिजली विभाग के जेई पर हमलावर हो गए। वाद-विवाद में उत्तेजित ग्रामीणों ने जेई एवं उनके सहयोगी कर्मियों की पिटाई कर दी। किसी तरह जेई ने वहां से भागकर खुद को बचाया। बाद में दोनों पक्ष आरोप-प्रत्यारोप के साथ तहरीर लेकर थाने पहुंच गए। पुलिस जांच कर रही है। सोमवार को बिजली विभाग के अवर अभियंता सद्दाम हुसैन अपने सहयोगी कर्मियों के साथ स्थानीय कस्बे के बिंद टोली में कांबिंग करने के लिए गए थे। उपभोक्ता मुरारी बिंद पुत्र घमड़ी स्थानीय निवासी से कनेक्शन संबंधित कागजात की मांग की। आरोप है कि कागजात दिखाना तो दूर उल्टे पैसे लेने का आरोप जेई पर लगाने लगे। जेई सद्दाम हुसैन ने बताया कि विभाग द्वारा प्रत्येक गांव में कांबिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस पर पैसा लेने का झूठा आरोप लगाते हुए हमलावर हो गए और पिटाई कर दी।

13 साल पहले मृत किसान को दे दिया 60 हजार का कर्ज

वाराणसी। बड़ौदा यूपी बैंक शाखा रुद्रपुर गायघाट के जिम्मेदारों की मिलीभगत से 13 वर्ष पूर्व मृत किसान के नाम पर कूटरचित दस्तावेज पर अवैध तरीके से करीब 60 हजार का ऋण जारी करने का मामला सामने आया है। बैंक मैनेजर संतोष कुमार सिंह की शिकायत पर पुलिस ने तत्कालीन प्रबंधक रहे काशी प्रसाद, वीके चौधरी, वीएन सिंह व जागेश गुप्ता सहायक प्रबंधक के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई।

इसकी खबर लगते ही बैककर्मियों में हड़कप मचा है। बैंक के नियमों को ताक पर रख कर तत्कालीन प्रबंधकों ने 13 वर्ष पूर्व मृतक शुक्ल छपरा निवासी स्व. शैलेंद्र कुमार के फर्जी कागजात पर 13 दिसंबर 2016 को 60,500 रुपये का केसीसी ऋण जारी कर दिया। इसके तीन माह पूर्व फर्जी कागजात पर बचत खाता शाखा हल्दी में खोला गया। मार्च 2022 में ऋण अदायगी नहीं होने के कारण खाता एनपीए हो गया। ऋण वसूली के लिए शाखा द्वारा ऋणी को लोक अदालत की नोटिस जारी होने के बाद फर्जीवाड़े का खुलासा।

पुत्र राघवेंद्र शुक्ल को नोटिस मिला तो वह लोक अदालत के माध्यम से समझौते में भाग लेते हुए रुपये 20,000 जमा किए एवं शेष धनराशि जमा करने के लिए समय की मांग की गई। इस बीच राघवेंद्र द्वारा बकाया धनराशि जमा करने के पूर्व ऋण पत्रावली का मुआयना किया तो होश उड़ गए। उन्होंने बैंक के प्रबंधक को सूचित किया कि ऋण पत्रावली में दर्ज फोटो एवं अन्य दस्तावेज आधार कार्ड एवं मतदाता पहचान पत्र उनके पिता स्व. शैलेंद्र नाथ शुक्ल के नहीं है, बताया कि केसीसी ऋण वितरित होने के 13 वर्ष पूर्व पिता की मौत हो चुकी है। इसकी खबर लगते ही प्रबंधक संतोष कुमार सिंह ने मामले की जानकारी उच्चाधिकारी देने के बाद पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गए। सभी साक्ष्य एकत्र करने के बाद दोषियों के खिलाफ तहरीर दी।

सेवानिवृत तीन प्रबंधक सहित चार पर मुकदमा

शुक्ल छपरा निवासी किसान स्व. शैलेंद्र कुमार के फर्जी कागजात पर तत्कालीन चार प्रबंधकों पर मुकदमा दर्ज हुआ है। लोन पास होने के तीन माह पूर्व शाखा हल्दी में बचत खाता खुलने के समय तत्कालीन शाखा प्रबंधक काशी प्रसाद एवं सहायक प्रबंधक जागेश गुप्ता थे। वर्तमान समय में दोनों सेवानिवृत हो चुके है। ऋण पास करने व वितरण के समय शाखा प्रबंधक रुद्रपुर गायघाट वीके चौधरी थे। तीन वर्ष बाद ऋण खाते का रिवाइवल 29 नवंबर 2019 को हुआ था, रिवाइवल के समय शाखा प्रबंधक रुद्रपुर गायघाट बीएन सिंह थे, जो वर्तमान समय में सेवा निवृत हो चुके है।

ससुराल में फंदे पर लटका मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

बाराबंकी। कोतवाली इलाके में रविवार की शाम ससुराल में पत्नी से झगड़ा होने के बाद घर से निकले युवक का शव संदिग्ध हालात में फंदे पर लटका मिला। उसके घुटने जमीन से सटे हुए थे। परिजनों व ग्रामीणों ने हत्या किए जाने की आशंका जताई है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर निवासी जाबिर (30) पुत्र फारुख का विवाह करीब डेढ़ वर्ष पूर्व फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मिठवारा निवासी सहीर की पुत्री आलिया के साथ हुआ था। बताते हैं कि करीब एक सप्ताह पूर्व वह पत्नी के साथ मिठवारा अपनी ससुराल आया था और यहीं रह रहा था। सोमवार की सुबह युवक का शव घर से कुछ दूरी पर स्थित मस्जिद के निकट लगे नीम के पेड़ पर रस्सी के सहारे फंदे से लटका हुआ था। इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। जाबिर की मां व मामा गयासुद्दीन ने दबी जुबान से हत्या किए जाने की आशंका जताई, हालांकि अभी कोई तहरीर नहीं दी है। इंस्पेक्टर डीके सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जमीन पर थे मृतक के दोनों घुटने, गले में पतली रस्सी

मौके के हालात इस पूरे घटनाक्रम को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहे थे। मृतक के दोनों घुटने जमीन पर थे। गले में पतली रस्सी कसी थी, जिसके सहारे फांसी लगाने की संभावना कम ही नजर आ रही थी। मृतक के दाहिने घुटने के नीचे उसका संतुलन बनाए रखने के लिए दो ईंटें रखी हुई थीं। उधर, जाबिर के ससुर सहीर के मुताबिक रविवार देर शाम पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था। आक्रोश में जाबिर अपनी पत्नी को तीन तलाक देकर बैग के साथ घर से निकल गया था। शव मिलने के बाद देर शाम तक गांव में चर्चाओं का बाजार गर्म रहा। सूत्रों की मानें तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग की पुष्टि हुई है, हालांकि अभी पुलिस इसकी पुष्टि नहीं कर रही है।

निजी और सरकारी जमीन पर बनेंगे औद्योगिक पार्क

बाराबंकी। सफेदाबाद के निकट भूहेरा के पास पड़ी निजी और सूत मिल की जमीन पर औद्योगिक पार्क बनाए जाएंगे। सोमवार को जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने मौके पर पहुंच कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने तहसीलदार को अप्रोच मार्ग के गाटों का अभिलेखीय व स्थलीय निरीक्षण कर आख्या तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट 2023 के दौरान जिले के निवेशकों की ओर से किए गए एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए भूमि की आवश्यकता है। इससे निवेशकों को आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने के लिए निजी क्षेत्र में सफेदाबाद के निकट भूहेरा के पास 10.87 एकड़ तथा यूपीसीडा की ओर से बंद पड़ी सूत मिल की लगभग 69.86 एकड़ भूमि पर औद्योगिक पार्क विकसित किया जाना है।

सभी वार्ड फुल, स्ट्रेचर तक मिलना मुश्किल

बाराबंकी। जिला अस्पताल आने वाले बुखार के मरीजों को इलाज मिलना मुश्किल होता जा रहा है। अस्पताल से लेकर इमरजेंसी तक सभी वार्ड मरीजों से फुल हैं। ओपीडी में प्रतिदिन 1700 से लेकर 1800 मरीज पहुंच रहे हैं, लेकिन अस्पताल प्रशासन कुछ नहीं कर पा रहा है। स्थिति इतनी ज्यादा खराब होती जा रही है कि एक स्ट्रेचर पर दो से तीन मरीजों को लिटाकर उपचार किया जा रहा है। ये हाल तब है, जब अभी हाल में ही जिलाधिकारी ने अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए थे। इसके बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं दिख रहा है। जिला अस्पताल में डेंगू और बुखार के मरीजों को बेहतर इलाज मिले, इसे लेकर जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने हाल में ही जिला अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए थे। लेकिन यहां की स्थिति सुधरने के बजाय और बिगड़ती जा रही है। सोमवार को ओपीडी में करीब 1700 मरीज देखे गए। इनमें सबसे ज्यादा 355 मरीज बुखार के रहे। ओपीडी में भीड़ इतनी ज्यादा थी कि पैर रखने तक जगह नहीं थी। दवाई लेने से लेकर जांच कराने तक में मरीजों और तीमारदारों को पसीना छूट गया। इमरजेंसी का हाल तो इससे भी बदतर नजर आया। यहां एक स्ट्रेचर पर दो से तीन मरीज लिटाए गए थे। लखपेड़ाबाग निवासी निगहत और सरफराज को एक ही स्ट्रेचर पर लिटा ग्लूकोज चढ़ाया जा रहा था। बजहा के वीरेंद्र, करपिया के गोपाल और केशव को एक स्ट्रेचर पर लिटाया गया था। वहीं रामकुमार, देवकी, बब्लू, राजू फर्श पर बैठे हुए थे। इन लोगों ने बताया कि वह बुखार से पीड़ित हैं, लेकिन इमरजेंसी में भी बेहतर उपचार की सुविधा नहीं मिल पा रही है।

कूड़े के ढेर पर मिलीं आयरन और कीड़े की दवाएं

हैदरगढ़ (बाराबंकी)। स्कूली बच्चों को सेहतमंद रखने के लिए अभियान चलाकर कीड़ा मारने और आयरन की दवाएं खिलाई जाती हैं। लेकिन इस कार्य में लगे जिम्मेदार कार्यक्रम को लेकर कितना गंभीर हैं इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आयरन और एलबेंडाजोल की दवाएं सोमवार को कूड़े के ढेर पर पाई गईं। इनका वितरण करने का जिम्मा जिसे सौंपा गया था उन लोगों ने ये दवाएं बांटने के बजाए अपने पास ही रख रखी और जब एक्सपायर हो गई तो फेंक दी।

सोमवार को कस्बा के सुबेहा मोड़ के पास कूड़े में 100 से अधिक आयरन एंड फोलिक एसिड सीरप और एलबेंडाजोल की टैबलेट पड़ी मिली हैं। सिरप की एक्सपायरी अक्टूबर 2023 है वहीं एलबेंडाजोल अगस्त 2023 में ही एक्सपायर हो चुकी हैं। दोनों पर सरकार की ओर सप्लाई तथा नॉट फार सेल लिखा हुआ है।

स्वास्थ्य कर्मियों की माने तो टीकाकरण के लिए गांवों को जाने वाली टीमों और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को ये दवाएं बच्चों को खिलाने के लिए दी जाती हैं। आरोप है कि जिन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई उन्होंने अपनी जिम्मेदारी का निवर्हन करने के बजाए दवाओं का वितरण नहीं किया और जब एक्सपायर हो गई तो इन दवाओं को कूडे में फेंक दिया। इस बाबत हैदरगढ़ सीएचसी अधीक्षक डॉ. ओपी कुरील कहते हैं कि मामला संज्ञान में आया है जांच कराई जा रही है।

लो वोल्टेज से परेशान किसानों ने की नारेबाजी

बांदा। बिजली की अघोषित कटौती और लो वोल्टेज की समस्या से परेशान किसानों ने सोमवार को बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। उग्र आंदोलन की चेतावनी देते हुए एसडीएम नमन मेहता को ज्ञापन सौंपा। भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले किसान तहसील परिसर पहुंचे। तहसील अध्यक्ष बृजराज सिंह यादव ने कहा कि धान की फसल में पानी लगना है, लेकिन बिजली विभाग लगातार उदासीन है। बिना शेड्यूल बिजली की कटौती की जा रही है। जितने समय बिजली रहती है, लो वोल्टेज रहती है। इससे नलकूप नहीं चल पाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन अन्ना पशुओं पर अंकुश नहीं लगा पा रहा है। जो छुट्टा गोवंश घूम रहे हैं, उन्हें गोशाला में नहीं रखा जा रहा है। खेतों में घुसकर गोवंश फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। किसानों ने सहकारी समितियों में यूरिया और डीएपी की भी दिक्कतें बताईं।

आंधी, बारिश और ओलावृष्टि ने मचाई तबाही

बाराबंकी। मौसम में सोमवार शाम अचानक हुए बदलाव से जिले भर में जैसे तबाही आ गई। फतेहपुर व रामनगर तहसील क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश हुई और सिरौलीगौसपुर में ओले गिरे। तेज आंधी के कारण दर्जनों स्थानों पर पेड़ गिर गए। फतेहपुर में बारिश के दौरान ट्रैक्टर पलटने से बुजुर्ग की मौत हे गई एवं पिता -पुत्री जख्मी हो गए। जबकि एक अन्य हादसे में टिनशेड गिरने से बुजुर्ग घायल हो गया। बदोसराय में पेड़ गिरने से बाइक सवार चोटिल हो गया। देवा में रोडवेज बस पर पेड़ गिरा, हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ। खराब मौसम से जिले भर की बिजली व्यवस्था बेपटरी हो गई।

अधिक बारिश एवं ओलावृष्टि वाले स्थानों पर धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। सोमवार की शाम करीब चार बजे से ही आसामान में काले बादल छाने लगे। शहर में शाम ढलते-ढलते अंधियारा छाने लगा और धूलभरी तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। पुलिस लाइन चौराहे के निकट पेड़ गिरने के बाद शहर की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। वहीं बीएसएनएल की ब्रॉडबैंड सेवाएं भी ध्वस्त हो गईं। करीब एक घंटे बाद बिजली आपूर्ति तो शुरू हुई, लेकिन बीएसएनएल की सेवाएं करीब तीन घंटे बाद शुरू हो पाईं। फतेहपुर के ग्राम बरौलिया निवासी बेचेलाल (60) अपने पुत्र अनिल कुमार (40) व पोती सपना (10) के साथ खेत जोतकर ट्रैक्टर से लौट रहे थे। रास्ते में आंधी-बारिश के कारण ट्रैक्टर पलटने से बेचेलाल की मौत हो गई, जबकि पिता-पुत्री को गंभीर चोटें आईं। दोनों को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं ग्राम करसा में पौत्र के मुंडन में शामिल होने आए मोहम्मदपुर खाला के छंगू पुरवा निवासी हनुमान प्रसाद (65) टिन शेड गिरने से घायल हो गए।

बदोसराय में कोटवाधाम-सनावा मार्ग पर अर्जुन का पेड़ गिरने से सवार अमित कुमार निवासी परसा घायल हो गया। देवा इलाके में फतेहपुर मार्ग पर काशीराम कॉलोनी के निकट रफ्फू धर्म कांटा के सामने सड़क पर पेड़ गिर गया एवं ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई। सलारपुर के निकट वैष्णवी आलू कंपनी के सामने रोडवेज बस पर पेड़ गिर गया, जिसके बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया और कूदकर बाहर निकले। हादसे के कारण यहां जाम देर रात तक लगा रहा। जिले भर में कई स्थानों पर दुर्गा पंडाल भी आंधी के कारण क्षतिग्रस्त हो गए। सिरौलीगौसपुर के मरकामऊ व आसपास के गांवों में बारिश के साथ ओले गिरे। रामनगर व फतेहपुर में मूसलाधार बारिश होने से किसानों की धान की फसल बड़े पैमाने पर नष्ट होने की आशंका है।

निजी हाथों में सरकारी दस्तावेज, दफ्तरों में कर रहे काम

बाराबंकी। जिले के महत्वपूर्ण सरकारी विभागों में निजी कर्मचारियों का दबदबा चलता है। फरियादी तो दूर सरकारी कर्मचारी भी इन्ही के सहारे नौकरी करते देखे जा सकते हैं। आलाधिकारी भी जानकर अनजान बने रहते हैं। इससे जहां फरियादियों को मनमानी का शिकार होना पड़ता है। वहीं सरकारी दस्तावेज लीक होने की संभावना रहती है। जिला कलेक्ट्रेट के प्रमुख कार्यालय हों या फिर तहसील मुख्यालय राजस्व से जुड़े पटल, जहां सरकारी कर्मचारी की जगह निजी कर्मी काम करते रहते हैं। अमर उजाला ने सदर तहसील में स्थित दो पटल का निरीक्षण किया तो वहां यह तस्वीर खुलकर सामने आ गई। यह हालात तब हैं जब जिले की हैदरगढ़ तहसील में एक निजी कर्मचारी द्वारा पैसे लेने की फटकार पर परिसर में ही आग लगाकर आत्महत्या कर ली गई थी। इसके बाद सख्ती हुई तो निजी मुंशी और कर्मचारी कुछ दिन के लिए भूमिगत हो गए। मगर फिर यह जाल पूरी तरह से फैल चुका है। ऐसे में कौन सा महत्वपूर्ण दस्तावेज किसके पास पहुंच जाए यह कहा नहीं जा सकता। सोमवार को सदर तहसील के आरके दफ्तर में निजी कर्मचारी काम कर रहे थे तो कई कर्मचारी लेखपाल संघ कार्यालय में फरियादियों की समस्याएं सुन रहे थे।

स्थान-आरके कार्यालय सदर तहसील बाराबंकी

सदर तहसील का आरके कार्यालय जहां पर सभी परगना के राजस्व से जुड़े से सभी दस्तावेज रखे हैं। मुकदमों से जुड़ा रिकॉर्ड भी यहां रहता है। इस कार्यालय में तीन कर्मचारी जो निजी बताए जाते हैं, काम करते मिले। यह कोई आज नहीं प्रतिदिन यहीं काम करते हैं और इनके पास अलमारियों की चाबी और सरकारी दस्तावेज पर कब्जा रहता है।

स्थान- लेखपाल संघ कार्यालय सदर तहसील बाराबंकी

सदर तहसील के लेखपाल संघ कार्यालय में कई राजस्व अधिकारियों के निजी मुंशी और कर्मचारी बैठे ही नहीं मिले, बल्कि उनके क्षेत्र में आने वाले फरियादियों की समस्याओं को सुनकर निपटाने का भरोसा भी देते रहे।

जिन लोगों ने निजी कर्मियों को रखा था उन सबको हटा दिया गया है। सभी कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि यदि किसी के पास या कार्यालय में कार्य करते पाए गए तो सभी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

– विजय कुमार त्रिवेदी एसडीएम सदर

देवर की खुदकुशी प्रकरण में आरोपी महिला गिरफ्तार

बांदा। अतर्रा कोतवाली क्षेत्र के लाल थोक मोहल्ले में एक महिला द्वारा रिश्तेदार युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। इससे क्षुब्ध होकर युवक ने आत्महत्या कर ली थी। कोतवाली पुलिस आरोपी महिला को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि लाल थोक मोहल्ले के रहने वाले विजय कुमार (38) ने शनिवार को जहर खाकर खुदकुशी कर ली थी। इस घटना को लेकर मृतक की मां ने रिश्तेदार महिला पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और झूठा दुष्कर्म का आरोप लगाने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें तांत्रिक के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया था। सोमवार को कोतवाली पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पांच साल की बच्ची से दरिंदगी, चीज दिलाने के बहाने ले गया युवक, पड़ोस के घर में किया दुष्कर्म

बरेली। अलीगंज कस्बे में पड़ोसी युवक मासूम बच्ची को चीज दिलाने का झांसा देकर अपने साथ ले गया। उसके साथ दुष्कर्म किया। बच्ची रोते हुए घर आई और अपनी मां को घटना के बारे में बताया। बरेली के अलीगंज कस्बे में पांच साल की बच्ची से दरिंदगी की गई। पड़ोसी युवक मासूम बच्ची को चीज दिलाने का झांसा देकर ले गया। उसने एक घर में उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित बच्ची को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित बच्ची की मां ने आरोपी यशपाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला ने बताया कि उनकी बेटी सोमवार शाम करीब सात बजे घर के सामने दुकान के बाहर खेल रही थी। तभी आरोपी यशपाल ने उसे चीज दिलाने का झांसा दिया। उसे पड़ोस के मकान में ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया।

बच्ची के कपड़ों पर लगा था खून

काफी देर बाद मासूम बच्ची रोते हुए घर पहुंची। मां के पूछने पर उसने बताया कि यशपाल भैया ने उसके साथ गलत हरकत की। बच्ची के कपड़ों पर खून लगा हुआ था। महिला बच्ची को लेकर थाने पहुंची। आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली। घटना की सूचना पाकर रात में ही एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान, एसपी ग्रामीण मुकेश चंद्र मिश्रा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। अलीगंज थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी यशपाल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

आरएसएम डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर के पुत्र की बेंगलुरू में मौत

बिजनौर। आरएसएम डिग्री कॉलेज धामपुर के राजनीतिक विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर अमित कुमार सिंह के पुत्र अस्तित्व सिंह ओशो (19) की बेंगलुरू में स्विमिंग पूल में नहाते समय सिर में चोट लग जाने मौत हो गई। परिवार में कोहराम मचा है। मुरादाबाद मार्ग स्थित न्यू धामपुर सिटी कॉलोनी निवासी प्रोफेसर डॉ. अमित कुमार सिंह आरएसएम डिग्री कॉलेज में राजनीतिक विभाग के विभागाध्यक्ष हैं। बकौल डॉ. अमित कुमार सिंह, उन्हें शनिवार को बेंगलुरु से फोन से सूचना मिली कि उनके बेटे को चोट लगी है। वह आकर मिल लें। बताया गया कि सूचना पर डॉक्टर अमित कुमार सिंह अपनी पत्नी के साथ बेंगलुरु गए। तो वहां पता लगा कि बेटे की स्विमिंग पूल में चोट लग जाने के कारण मौत हो गई। उनका बेटा बेंगलुरु में बीटेक कर रहा था। बेटे की मौत की घटना से वह बेहोश हो गए। उन्होंने अपने पुत्र का बेंगलुरु में ही अंतिम संस्कार कर दिया। सोमवार को आरएसएम डिग्री कॉलेज में शोक सभा हुई। डॉ. अमित कुमार सिंह के दो पुत्र हैं। छोटा बेटा बनारस में पढ़ाई कर रहा है।

तय समय से देरी से चल रही महानंदा एक्सप्रेस, यात्री परेशान

बिजनौर। खुर्जा जंक्शन। रेलवे स्टेशन पर आने वाली महानंदा एक्सप्रेस पिछले तीन दिन से अपने निर्धारित समय से देरी से चल रही है। रविवार शाम को दिल्ली से अलीपुर द्वार जाने वाली ट्रेन 11 घंटे बाद सोमवार सुबह पांच बजे स्टेशन पर आई। ऐसे में बिहार जाने वाले यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पूछताछ केंद्र कर्मचारी ने बताया कि महानंदा के अलावा कटिहार से चलकर अमृतसर जाने वाली आम्रपाली एक्सप्रेस तय समय से नौ घंटे, हावड़ा से दिल्ली जाने वाली कालका तीन, अलीपुरद्वार से दिल्ली जाने वाली महानंदा तीन और नई दिल्ली से लखनऊ जाने वाली गोमती एक्सप्रेस तीन घंटे देरी से चल रही है। स्टेशन अधीक्षक घनश्याम मीणा का कहना है कि जो ट्रेनें देरी से चल रही हैं। उनकी सूचना समय-समय पर ट्रेन पर प्रसारित की जा रही है। यात्रियों से अपील की गई है कि वह ऑनलाइन समय देखने के बाद ही स्टेशन पर आएं।

पत्नी को घायल हालत में मायके के बाहर छोड़कर पति फरार

बिजनौर। पत्नी के साथ मारपीट कर घायल करने के बाद पति उपचार कराने के बजाए पत्नी को मायके के बाहर छोड़कर फरार हो गया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव लुहाकर निवासी राजेश ने बताया कि उसकी शादी झाझर रोड वृद्धविहार कॉलोनी थाना खुर्जा देहात निवासी प्रमोद के साथ हुई थी। शादी के बाद से पति अकारण उसे प्रताड़ित करते हुए चला आ रहा है। उसके साथ मारपीट करता है। तीन दिनों तक पति उसके साथ लगातार मारपीट करता रहा। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उसका उपचार कराने के बजाए पति उसके मायके के गांव के बाहर कार से फेंककर कार्रवाई करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। थाना प्रभारी अजीत सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर आरोपी पति प्रमोद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बरेली में दीनानाथ लस्सी वालों ने महिला समेत तीन लोगों को दौड़ाकर पीटा

बरेली। दूरदराज के शहरों तक बरेली की मशहूर दीनानाथ लस्सी वालों ने सोमवार को पानी लेने गई महिला से अभद्रता के बाद उसके परिजनों की पिटाई कर दी। बीच चौराहे पर हुई घटना से भगदड़ मच गई। पुलिस ने दुकान मालिक समेत तीन लोगों को हिरासत में लेकर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पीड़ित महिला मंजू ने बताया कि दुकान पर पानी लेने पर काउंटर पर बैठे व्यक्ति ने उससे अभद्रता की। उन्होंने विरोध किया तो दुकानवाले गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि दुकान मालिक और उसके कर्मचारियों ने लाठी-डंडों से उन्हें, उनके भाई संतोष और उसके साथी दीपक को बुरी तरह पीटा। उन लोगों ने जान बचाकर भागने की कोशिश की लेकिन हमलावर दौड़कर पीटते रहे। संतोष व दीपक का गला दबाने की कोशिश की, मंजू के गले में पड़ी चेन तोड़ ली।

सुनील ढाका हत्याकांड में आरोपी कपिल कटार बरी

बिजनौर। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एमपी सिंह ने सुनील ढाका हत्याकांड में आरोपी कपिल उर्फ सोनू को हत्या का आरोप सिद्ध नहीं होने पर बरी कर दिया है। थाना चांदपुर के गांव शादीपुर मिलक निवासी अरविंद कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 26 अप्रैल 2007 को रात्रि लगभग 11 बजे उसका भाई सुनील ढाका अपने साथी संजीव कुमार निवासी झालू के साथ कार से घर वापस आ रहा था। बिजनौर में खन्ना पेट्रोल पंप के सामने मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों ने कार को रुकवाया व सुनील ढाका व उसके साथी संजीव कुमार पर गोलियां चला दी, दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सुनील ढाका की अस्पताल ले जाते हुए मौत हो गई। संजीव को इलाज के लिए मेरठ ले जाया गया। इस हत्याकांड में पुलिस ने कपिल उर्फ सोनू निवासी मौजमपुर उर्फ इनामपुरा थाना मंडावर को दो मई 2007 को गिरफ्तार किया था। तथा उसके कब्जे से सुनील ढाका की हत्या में प्रयुक्त रिवाल्वर भी बरामद किया गया था। पुलिस ने इस मामले में कपिल कटार उर्फ सोनू के विरुद्ध चार्जशीट न्यायालय में दाखिल की थी। इस हत्याकांड की सुनवाई के दौरान सभी प्रमुख गवाह पक्ष द्रोही घोषित हो गए। वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल चौधरी के अनुसार अदालत ने इस हत्याकांड में अभियोजन पक्ष द्वारा अपना केस साबित नहीं कर पाने पर संदेह का लाभ देते हुए कपिल उर्फ सोनू को बरी कर दिया है।

डेढ़ वर्ष में एक चौथाई भी पूरा नहीं हुआ पीएचसी का निर्माण कार्य

भदोही। क्षेत्र के बसनी गांव में ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने के उद्देश्य से लगभग 2,75,00000 रुपये की लागत से पीएचसी का निर्माण कराया जा रहा है। लगभग डेढ़ वर्ष से कच्छप गति से चल रहे निर्माण कार्य से अब तक चौथाई काम भी पूरा नहीं कराया जा सका है। इससे क्षेत्रीय लोगों में नाराजगी जाहिर की है। क्षेत्र के बसनी में लगभग 2,75,00000 रुपये की लागत से 18 बेड का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण डेढ़ वर्षों से कराया जा रहा है। हाल ये है कि अभी तक सिर्फ नींव ही रखी जा सकी है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के लोगों के अथक प्रयास के बाद यहां पीएचसी का निर्माण मंजूर हुआ लेकिन विभागीय अधिकारियों की लापरवाही से कार्य की गति अत्यंत धीमी है। निर्माण मार्च तक पूरा करने का लक्ष्य है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण में घटिया किस्म का मैटेरियल प्रयोग किए जा रहे हैं। अगर यह अस्पताल मानक के अनुरूप समय से बनकर तैयार हो जाता तो इसका लाभ क्षेत्र के एक दर्जन गांवों के गरीब परिवारों को मिलता।

माता-पिता के संबल से कठिन परिस्थितियों से जूझकर निखरी आरती

भदोही। कठिन परिस्थितियों ही प्रतिभा को निखारती हैं और व्यक्ति को प्रेरणा से भर देती है। भदोही ब्लॉक के फत्तूपुर निवासी आशाराम यादव व गायत्री देवी की आठ बेटियों में तीसरे नंबर की बेटी आरती यादव कठिन परिस्थितियों से जूझी और प्रेरणा से भर गई। हॉकी खिलाड़ी के रूप में निखर कर सामने आई। मध्यप्रदेश के जबलपुर में स्पेशल ब्रांच में तैनात आरती ने सोमवार को अमर उजाला से बताया कि आठ बेटियों को पालना किसी भी मां-बाप के लिए पहाड़ जैसा हो सकता है, लेकिन उनके माता-पिता ने पहाड़ से टकराकर बेटियों का पालन पोषण अच्छे से किया। बताया कि उन्होंने 2008 में हॉकी खेलना शुरू किया। माता-पिता ने भरपूर सहयोग दिया। इसका नतीजा रहा कि उन्होंने कभी भी पीछे मुड़ कर नहीं देखा। अभिभावक के संबल से उन्होंने हर परिस्थिति का डटकर सामना किया। साई धार एमपी का ट्रायल दिया और मध्यप्रदेश महिला हॉकी टीम के लिए उनका चयन हो गया। इसके बाद आरती मध्यप्रदेश की ओर से मैच खेली। छह वर्ष में ही वह राष्ट्रीय स्तर पर हॉकी खिलाड़ी के रूप में कीर्ति पाई गई।

निजी अस्पतालों में डेंगू इलाज से जेब ढीली, सरकारी में एक रुपये में पूरा इलाज

बांदा। डेंगू के बढ़ते मामलों ने प्राइवेट अस्पतालों की चांदी कर दी है। डेंगू की जांच से लेकर पूरे इलाज की सुविधा का दावा कर रहे प्राइवेट अस्पतालों में डेंगू के एक मरीज पर 10 से 12 हजार रुपये का खर्चा आ रहा है। उधर, सरकारी अस्पतालों मसलन जिला अस्पतालों व मेडिकल कॉलेज में महज एक रुपये के पर्चे पर डेंगू जांच से लेकर पूरा इलाज किया जा रहा है। जिले के प्रत्येक प्राइवेट नर्सिंग होम में प्रतिदिन पांच से 10 मरीज भर्ती कराए जा रहे हैं। जिला अस्पताल में एक रुपये के पर्चे में डेंगू और वायरल फीवर जैसे रोग का इलाज होने के बावजूद कुछ लोग निजी अस्पतालों में डेंगू का इलाज कराने को ज्यादा अच्छा मान रहे हैं। हालांकि प्राइवेट में इन्हें अपनी जेब ढीली करनी पड़ रही है। जिले के नर्सिंग होमों में डेंगू इलाज का पूरा पैकेज मौजूद है।

बालिका से छेड़छाड़ में अधेड़ को पांच साल की सजा

बिजनौर। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट प्रकाशचंद शुक्ला ने घर में घुसकर एक नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ करने का दोषी पाते हुए इसरार को पांच वर्ष के कारावास व 70 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड की राशि में से 60 हजार रुपये पीड़िता को दिए जाने के आदेश दिए हैं। शासकीय अधिवक्ता योगेंद्र सिंह के अनुसार थाना नांगल क्षेत्र में एक व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ वैवाहिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 12 मई 2022 को गया था। घर पर उसकी 12 वर्षीय पुत्री व छह वर्षीय पुत्र अकेले थे। दोपहर दो बजे इसरार उसके घर में घुस आया उसके पुत्र को पैसे देकर कुछ खाने का सामान लेने भेज दिया। इसरार ने घर में उसकी अकेली पुत्री को बुरी नीयत से दबोच लिया। लड़की के साथ अश्लील हरकतें करने लगा।

अदालत ने इस मामले में 60 वर्षीय इसरार निवासी मेहनिशापुर को घर में घुसकर बालिका के साथ गलत हरकतें करने का दोषी पाते हुए पांच साल की सजा सुनाई है।

बीस करोड़ की लागत से होगा नगीना रेलवे स्टेशन का सुंदरीकरण

बिजनौर। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से नगीना रेलवे स्टेशन को सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त अंतराष्ट्रीय स्तर का विकसित रेलवे स्टेशन बनाने का कार्य रेलवे ने प्रारंभ कर दिया है। शुरुआत में प्लेटफार्म नंबर दो के सुंदरीकरण व चौड़ीकरण का कार्य प्रारंभ हो गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुधीर सिंह ने बताया कि करीब 20 करोड़ रुपये से भी अधिक लागत से नगीना रेलवे स्टेशन को अंतराष्ट्रीय स्तर का विकसित रेलवे स्टेशन बनाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। नगीना रेलवे स्टेशन के सुंदरीकरण में होने वाले नए कार्यों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति) यशवंत सिंह के मार्गदर्शन में कार्य प्रारंभ हो रहा है। वह बताते हैं कि इस योजना मे नगीना रेलवे स्टेशन की इमारत में सुधार, स्टेशन को शहर के दोनों तरफ से एकीकृत करना, मल्टी- मॉडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित ट्रैक का प्रावधान रहेगा। इसके अलावा आवश्यकता के अनुसार रूफ प्लाजा, दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर का निर्माण, रैंप सहित 12 फीट चौड़े फुट ओवर ब्रिज का प्रावधान, प्लेटफार्म का पुनः सतहीकरण, पार्किंग क्षेत्र का प्रावधान, प्लेटफार्म आश्रय का प्रावधान, वातानुकूलित वेटिंग हॉल का प्रावधान, दिव्यांगों को शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराना, प्रवेश द्वार का प्रावधान, एक स्टेशन एक उत्पाद, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, कार्यकारी लाउंज, व्यावसायिक बैठक के लिए नामांकित स्थान, भूनिर्माण आदि जैसी योजनाएं, रेलवे स्टेशन तक आसान पहुंच, सर्कुलेटिंग एरिया, प्रतीक्षालय हाल, आवश्यकता अनुसार लिफ्ट/एस्केलेटर, मुफ्त वाई-फाई आदि सुंदरीकरण प्रस्ताव कार्य योजना में शामिल हैं।

धमाके की आवाज सुनकर महिला ने पहली मंजिल से लगाई छलांग

बिजनौर। कांशीराम कॉलोनी में खाना बनाते हुए रसोई गैस का पाइप फटने से तेज धमाका हुआ। धमाके की आवाज सुनते ही पहली मंजिल से एक महिला ने छलांग लगा दी, जिसमें वह घायल हुआ है। दरवाजे की लकड़ी टूटने की वजह से एक सफाई कर्मी भी घायल हुआ है। शहर की कांशीराम कॉलोनी में ब्लॉक 45 के भूतल पर तेजपाल का आवास है। सोमवार सुबह तेजपाल के घर की रसोई में खाना बन रहा था। इसी बीच गैस चूल्हे का पाइप तेज आवाज के साथ फट गया और धमाका हुआ। धमाके की आवाज सुनकर तेजपाल के आवास के ऊपर प्रथम तल पर रहने वाली महिला पूजा (26) पत्नी रोहित राजपूत ने छलांग लगा दी। कूदने की वजह से महिला नीचे गिरकर घायल हो गई। उधर, तेजपाल के आवास के दरवाजे की लकड़ी टूट कर नाले की सफाई कर रहे पालिका कर्मचारी नफीस के ऊपर गिर गई। जिसमें नफीस भी घायल हुआ। दोनों को उपचार के लिए निजी अस्पताल भर्ती कराया गया।

किसानों ने कलक्ट्रेट में प्रदर्शन कर दिया धरना

बिजनौर। अपनी मांगों को लेकर संयुक्त किसान मजदूर संगठन के कार्यकर्ता, किसानों ने कलक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया और धरना देकर बैठ गए। बारिश में भी किसान धरने पर डटे रहे। जुलूस के दौरान नुमाइश चौराहे पर ट्रैक्टर को लेकर पुलिस से बहस हुई। बाद में दो वाहनों के साथ किसान, ग्रामीण कलक्ट्रेट पहुंचे। बाद में संगठन की ओर से मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम सदर को सौंपा। संयुक्त किसान, मजदूर संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम पंडित, जिलाध्यक्ष चौधरी छत्रपाल सिंह के नेतृत्व में अनेक किसानों का ट्रैक्टरों पर सवार होकर गढ़ी चक्कर चौराहे से जुलूस निकला। किसान नुमाइश ग्राउंड चौराहे पर पहुंचे, वहां तैनात पुलिस ने उन्हें रोका। इस दौरान नेताओं व पुलिस अफसरों के बीच बहस हुई। बाद में कलक्ट्रेट जाने को दो वाहनों को ले जाने दिया। वहां प्रदर्शन कर धरना दिया। धरने को संबोधित करते जिलाध्यक्ष चौधरी छत्रपाल सिंह सेक्रेटरी ने कहा कि किसान, ग्रामीणों का उत्पीड़न नहीं होने दिया जाएगा नवलपुर व हेमराज कॉलोनी के ग्रामीणों वन विभाग व पुलिस उत्पीड़न कर रहे हैं। उन्होंने बिलाई चीनी मिल का बकाया भुगतान दिलाने, गन्ने का भाव पांच सौ रुपये प्रति क्विंटल घोषित करने की मांग की। संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम पंडित ने कहा कि किसान, मजदूर की आवाज उठाने और उन्हें उनका दिलाने के लिए खड़ा हुआ है।

किसान, मजदूर का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होंने गंगा नदी द्वारा काटी जमीन का किसानों को मुआवजा दिलाने, नवलपुर, हेमराज कालोनी के ग्रामीणों को न्याय कारोबार उपलब्ध कराने या उनके कारोबार को चलने देने की मांग की। इस मौके पर जिलाध्यक्ष चौधरी छत्तर सिंह सेक्रेटरी, धूम सिंह, विट्टू प्रवक्ता, देवेंद्र सिंह, कोमन सिंह आदि उपस्थित रहे।

नहर में पानी की मांग को लेकर डटे रहे किसान

भदोही। नगर के सिविल लाइन स्थित ज्ञानपुर नहर प्रखंड कार्यालय के बाहर उत्तर प्रदेश किसान सभा के सदस्य नहर में पानी की मांग को लेकर डटे रहे। धरना के चौथे दिन सोमवार को किसानों ने कहा कि जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होगा। आंदोलन समाप्त नहीं होगा। आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। किसान नेता इंद्रदेव पाल ने कहा कि चुनाव के समय है तो जनप्रतिनिधि किसानों की समस्या का समाधान करने की बात करते हैं लेकिन सत्ता मिलने के बाद नहर में पानी के लिए चक्कर लगाना पड़ता है। चार दिनों से किसान धरने पर बैठे हैं। अब तक कोई जिम्मेदार अधिकारी भी नहीं पहुंचा है। इस समय धान का फसल का समय है। धान की बाली पूरी तरह से तैयार हो चुकी है, यदि अब फसल को पानी नहीं मिला तो फसल खराब हो जाएगी। बताया कि धरना शुरू करने से पूर्व अधिशासी अभियंता को समस्या से अवगत कराया गया। उनका आश्वासन पूरा नहीं होने पर विवश होकर हम लोग धरने पर बैठे हैं। कहा कि जब तक भदोही रजवाहा में टेल तक पानी नहीं पहुंच जाता तब तक धरना जारी रहेगा। इस दौरान रमापति यादव, हृदयलाल यादव, श्रीराम सरोज, घनश्याम, सुखनंदन, लालमणि यादव, राजनारायण यादव, रामचंद्र यादव, प्रेम बहादुर, अवधेश कुमार मौजूद रहे।

कारपेट सिटी फेज दो की कवायद तेज, सलाहकार की नियुक्ति जल्द

भदोही। जनपद में मोरवा नदी के पूरब की तरफ प्रस्तावित कारपेट सिटी फेज-2 को लेकर कवायद तेज हो गई है। जिलाधिकारी गौरांग राठी के बीडा का पदभार लेने के बाद कार्य में तेजी आई है। भदोही औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) इसके लिए सलाहकार नियुक्त करने जा रहा है।

नियुक्त सलाहकार कारपेट सिटी फेज-2 की प्रासंगिकता के साथ उसके आंतरिक ढांच की रिपोर्ट तैयार करेगा। जिसके बाद आगे की प्रक्रिया शुरू होगी। जिले में चौरी रोड पर मोरवा नदी के पश्चिम में बीडा ने कारपेट सिटी बसाई है। कारपेट सिटी फेज-1 सफल होने के फेज-2 पर भी मंथन शुरू हो गई।

बीडा की ओर से डेढ़ वर्ष पूर्व मोरवा नदी के पूरब में खाली पड़ी 32 हेक्टेयर भूमि पर नई कारपेट सिटी (फेस टू) बसाने की योजना बनाई गई। 32 हेक्टेयर में प्रस्तावित कारपेट सिटी फेज-2 में 25 हेक्टेयर भूमि किसानों से ली जानी है। जिसका चिन्हांकन बीडा की ओर से काफी पहले ही किया जा चुका है। इस बीच भूमि के प्रस्तावित दरों के खिलाफ किसानों के मुखर होने के बाद कुछ महीनों तक कारपेट सिटी फेज का मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। भूमि दर व मूल्यांकन समिति की कई बैठकों के बाद डीएम गौरांग राठी ने सभी पक्षों की सहमति से भूमि की दरें निर्धारित कर मंडलायुक्त को संस्तुति के लिए भेजी थी। जिस पर मंडलायुक्त की सहमति तो मिल गई, लेकिन उसी बीच बीडा के तत्कालीन सीईओ प्रेम रंजन सिंह का तबादला हो गया और कवायद लगभग सुस्त पड़ गई। हालांकि अब जिलाधिकारी गौरांग राठी ने बीडा सीईओ का पदभार ग्रहण कर लिया है। जिसके बाद कारपेट सिटी फेज-2 के कार्य में तेजी आई है। जिलाधिकारी फेज-2 के क्रियान्वयन को लेकर सलाहकार नियुक्त करने जा रहे हैं। सलाहकार कारपेट सिटी द्वितीय फेज की प्रासंगिता, कितने भवन, प्लांट, कामर्शियल संस्थान बनाए जाएंगे और बीडा उसे कितने में बेच सकेगी।

इन बिंदुओं पर रिपोर्ट तैयार करेंगे। इसके बाद बीडा आगे की प्रक्रिया शुरू करेगा।

डॉक्टर से 60 लाख की रंगदारी मांगने वाला मुठभेड़ में घायल, गिरफ्तार

आजमगढ़। शहर कोतवाली पुलिस और बदमाश के बीच शनिवार की सुबह मुठभेड़ हो गई। जिसमें एक शातिर अपराधी घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर ली है। घायल बदमाश एक डॉक्टर से 60 लाख की रंगदारी मांग रहा था। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बदमाश के पास से तमंचा व कारतूस बरामद किया है।

शहर कोतवाली के गुलामी का पुरा मुहल्ला निवासी डॉ. संजय कुमार यादव ने तहरीर दी थी कि नौ अक्टूबर को एक अज्ञात नंबर से उनके मोबाइल पर फोन आया। फोन करने वाले से 60 लाख की रंगदारी मांगा। इसके बाद 10 व 11 अक्टूबर को पुनः फोन पर 40 लाख की रंगदारी मांगी गई। न देने पर जान से मारने की धमकी दी गई। डॉ. संजय यादव की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना में जुट गई। शनिवार की अलसुबह ही मुखबिर से पुलिस को सूचना मिली कि डॉक्टर से रंगदारी मांगने वाला बदमाश पूर्वांचल एक्सप्रेस वे सर्विस लेन पकड़ कर उकरौड़ा से बनकट की तरफ जा रहा है। इस सूचना पर पुलिस टीम उकरौड़ा पुलिया पर पहुंच गई। कुछ ही देर में एक बाइक सवार आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो बदमाश ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया।

पुलिस द्वारा जवाबी कार्रवाई करने पर बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी और उसकी पहचान अम्मार उर्फ निजाम निवासी बनकट थाना मुबारकपुर के रूप में की गई। उसके पास से पुलिस ने तमंचा-कारतूस, बाइक व मोबाइल बरामद किया है। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पूछताछ में उसने बताया कि मेरे पिता सुभान अहमद डॉ. संजय यादव के घर फर्नीचर आदि का काम किए थे। बनकट में डॉ. संजय का फार्म हाउस की बाउंड्री आदि का भी काम कर रहे थे। पिता द्वारा डॉ. संजय के यहां काम करने से उसका भी वहां आना जाना था। डॉ. संजय की संपत्ति देख कर मैंने सोचा कि इन्हें डरा-धमका कर पैसों की मांग की।

जिले में दौड़ रही अनफीट एंबुलेंस, जिम्मेदार अनजान

भदोही। जिले में खटारा एंबुलेंसों से मरीजों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। इससे स्वास्थ्य विभाग अनजान है। एंबुलेंसों में सुविधाओं का अभाव है। ज्यादातर एंबुलेंस टूटे दरवाजे के साथ सड़क पर दौड़ रहे हैं। इससे मरीजों की जान राम भरोसे है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक जनपद में 41 एंबुलेंस है। जिसकी मदद से मरीजों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया जाता है। सोमवार को भदोही-चौरी मार्ग पर फर्राटा भर रही डायल 102 की एंबुलेंस का नंबर प्लेट ही गायब दिखा। एंबुलेंस का पिछला गेट पूरी तरह से जर्जर था। हर साल एंबुलेंस के मेंटनेंस के नाम पर लाखों पर रुपये खर्च किए जाते हैं। इसके बाद भी जिले की सड़कों पर दौड़ रही एंबुलेंसों की हालत काफी खस्ता है।

पीएम आवास का लटका डीपीआर, नवशहरी लोगों को करना पड़ेगा इंतजार

भदोही। नगर पालिका के छह हजार नवशहरी लोगों को आशियाने के लिए महीनों इंतजार करना पड़ेगा। एक साल पहले शहरी प्रधानमंत्री आवास के तहत आए आवेदनों को संबंधित विभाग ने सत्यापित कर दिया है। लेकिन डीपीआर न होने से आवास की स्वीकृति लटक गई है। जिले में दो नगर पालिका भदोही और गोपीगंज के अलावा पांच नगर पंचायत ज्ञानपुर, सुरियावां, नई बाजार, खमरिया, घोसिया हैं। सातों नगर निकायों में अब तक 27 हजार से अधिक लोगों को पीएम आवास योजना के तहत आवास निर्माण की मंजूरी मिल चुकी है। इनमें 20 हजार से अधिक आवास बन गए हैं, जबकि सात हजार पात्रों के आवास निर्माणाधीन है। करीब दो साल पूर्व भदोही नगर पालिका के आसपास की 28 ग्राम पंचायतों को सीमा विस्तार में नगर में शामिल किया गया था। शुरू के एक साल में इन इलाकों में कोई विकास कार्य नहीं हुआ लेकिन धीरे-धीरे संपर्क मार्ग, पेयजल की सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। पालिका में शामिल इन ग्राम पंचायतों में आवास के लिए छह हजार लोगों ने आवेदन किया। विभागीय स्तर से सत्यापन कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है, लेकिन अब तक डीपीआर को लेकर कोई दिशा-निर्देश नहीं मिल सका है प्रधानमंत्री आवास के जिला कार्यक्रम अधिकारी दीपक कुमार ने बताया कि भदोही पालिका में शामिल 28 गांवों से छह हजार आवेदन प्रधानमंत्री आवास के लिए आए हैं। इनका सत्यापन कार्य हो चुका है। डीपीआर न बनने से अभी तक कोई प्रस्ताव नहीं जा सका। शासन से स्वीकृति मिलने पर डीपीआर बनेगा। इसके बाद ही आवास मंजूरी की कार्रवाई होगी।

लाठी-डंडे से लैस दर्जनभर बदमाशों ने युवक को किया अधमरा

भदोही। सुरियावां कोतवाली क्षेत्र के बनकट गांव स्थित एक धर्मकांट पर एक दर्जन से अधिक संख्या में पहुंचे बदमाशों ने धर्मकांटा संचालक के 22 वर्षीय बेटे को मारपीट कर अधमरा कर दिया। आरोप है कि बदमाशों ने धर्मकांटा पर रखे पैसे भी लूट लिए हैं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची सीसीटीवी की मदद से मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। वहीं दूसरी तरफ मारपीट से गंभीर रूप से घायल युवक को वाराणसी रेफर कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक कस्तूरीपुर निवासी पूर्व जिला पंचायत रमापति यादव बनकट गांव में शांति धर्म कांटा संचालित हैं। उनके भाई राजेश यादव का 22 वर्षीय बेटा विजय यादव सोमवार की शाम धर्मकांटा पर अकेले ही बैठा था। जहां धर्मकांटा स्थित है, उसे अगल-अगल बगल कुछ दूर तक बस्ती नहीं है। बताया जा रहा है कि देर शाम लाठी-डंडे से लैस एक दर्जन से अधिक बाइक सवार बदमाश धर्मकांटा पर पहुंचे और विजय को बुरी तरह पीटने लगे। बदमाशों की पिटाई से बुरी तरह से घायल हो गए। इस बीच आसपास के गांव के लोगों हल्ला मचाते हुए पहुंच गए। जिन्हें देख बदमाश भाग गए। इधर बदमाशों की पिटाई से बुरी तरह से घायल विजय को सुरियावां सीएचसी पहुंचाया गया। जहां से उसे वाराणसी रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती सहित कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पूछताछ में लोगों का आरोप था कि बदमाश लूट की नियत से वहां पहुंचे थे। हालांकि पुलिस फिलहाल सीसीटीवी के माध्यम से मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि कुछ युवक लाठी डंडे से धर्मकांटा पर पहुंचते हैं और युवक की पिटाई शुरू कर देते हैं।

रायपुर गांव में हुई चोरी का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

बस्ती। परशुरामपुर पुलिस ने सोमवार सुबह करीब 4:30 बजे सिकन्दरपुर-धेनुगांवा मार्ग से चोरी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। तीसरा आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। पकड़े गए युवकों की पहचान थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर बाजार निवासी रबी मौर्य व मोनू सोनी के रूप में हुई। एसएचओ परशुरामपुर रामश्रय यादव ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों ने 11/12 अक्तूबर की रात रायपुर गांव के राजकुमार के घर में चोरी की थी। राजकुमार की तहरीर पर अज्ञात चोरों पर केस दर्ज कर पुलिस चोरों की तलाश कर रही थी। गिरफ्तार आरोपियों से तलाशी के दौरान एक जोड़ी चांदी का पायजेब और 4360 रुपये बरामद किया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में सिकंदरपुर चौकी प्रभारी उप निरीक्षक उमेश चंद वर्मा, कांस्टेबल संदीप पाल तथा गुलशन राय शामिल रहे।

दुष्कर्म के आरोप से आहत युवक ने जहर खाकर दी जान, मां की तहरीर पर दो के खिलाफ रिपोर्ट

बांदा। कोतवाली प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि आरोपी महिला व तांत्रिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। बांदा जिले में परिवार की एक महिला रिश्तेदार की ओर से दुष्कर्म का आरोप लगाए जाने से क्षुब्ध युवक ने जहर खाकर जान दे दी। मृतक की मां ने कोतवाली में रिश्तेदार महिला व तांत्रिक के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मां रम्मी ने तहरीर में बताया कि अतर्रा कोतवाली क्षेत्र के लाल थोक निवासी विजय कुमार (38) मजदूरी करता था। शनिवार शाम सात बजे के करीब वह नरैनी रोड स्थित गली के अंदर बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान देर रात उसने दम तोड़ दिया। मां ने बताया कि परिवार की एक महिला के पेट में गांठ हो गई थी। काफी दिनों से उसका इलाज एक तांत्रिक कर रहा है। वह तांत्रिक रात में घर में रुकता है, जिस पर विजय ने आपत्ति जताई थी। कई बार इसका विरोध भी किया। उसके विरोध करने पर महिला ने विजय पर दो बार छेड़खानी का आरोप लगाया। दुष्कर्म का आरोप लगाकर की थी शिकायत

कार्रवाई न होने पर दो दिन पहले 13 अक्टूबर को महिला ने विजय पर दुष्कर्म का आरोप लगाकर ऑनलाइन पुलिस पोर्टल में शिकायत की थी। शनिवार दोपहर पुलिस जांच करने घर आई, तब विजय मजदूरी के लिए गया था। जब उसे पता चला, तो आहत होकर उसने खुदकुशी कर ली।

एक माह बाद बनने वाला था पिता

विजय कुमार एक माह बाद ही पिता बनने वाला था। उसकी पत्नी सावित्री आठ माह की गर्भवती है और जब यह घटना हुई तब वह नरैनी के मुतियारी गांव अपने मायके में थी। पति की मौत की खबर से उसका रो-रोकर बुरा हाल है।

ज्ञान विज्ञान प्रतियोगिता में विद्या मंदिर रामबाग के विद्यार्थी अव्वल

बस्ती। सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुल्तानपुर में आयोजित क्षेत्रीय ज्ञान विज्ञान मेले में सरस्वती विद्या मंदिर रामबाग के विद्यार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन कर प्रथम स्थान हासिल किया है। 12 से 14 अक्टूबर तक आयोजित क्षेत्रीय विज्ञान प्रतियोगिता में संस्कृति ज्ञान प्रश्न मंच बालक वर्ग में आयुष ओझा, हिमांशु पटेल तथा प्रियांशु शुक्ला ने प्रथम, गणित पत्र वाचन में आकाश पांडेय प्रथम और विज्ञान मॉडल में हिमांशु मिश्रा प्रथम स्थान प्राप्त किया। गणित मॉडल में अभिमन्यु वर्मा, देवांश प्रताप पाल द्वितीय स्थान पर रहे। संस्कृति ज्ञान प्रश्न मंच में विद्यालय का द्वितीय तथा वैदिक गणित प्रश्न मंच में विद्यालय के विद्यार्थियों ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों की सफलता पर प्रधानाचार्य गोविंद सिंह ने विजेताओं को सम्मानित किया। अखिल भारतीय प्रतियोगिता के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

कंटेनर की टक्कर से दो छात्रों की मौत, हंगामा कर दो घंटे हाईवे किया जाम

बुलंदशहर। कोतवाली क्षेत्र में गढ़ स्टैंड पर बाइक सवार दो छात्र समेत तीन लोगों को तेज रफ्तार कंटेनर ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में दोनों नाबालिग छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि, बाइक चला रहे एक मृतक छात्र के पिता की हालत गंभीर है। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने हंगामा करते हुए स्टेट हाईवे पर करीब दो घंटे तक जाम लगा दिया। सूचना पर पहुंची एसडीएम और सीओ ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर जाम खुलवाया। कोतवाली क्षेत्र के गांव नयाबांस निवासी धर्मपाल सिंह अपने पुत्र गौरव (15) व उसके साथी आरजू (15) को सोमवार सुबह बाइक पर बैठाकर नगर स्थित उनके स्कूल स्वामी सत्यानंद इंटर कॉलेज छोड़ने जा रहे थे। दोनों छात्र स्कूल में कक्षा 9 में पढ़ते थे। बताया गया कि जैसे ही बाइक सवार गढ़ स्टैंड के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में आरजू व गौरव सड़क पर जा गिरे और कंटेनर से कुचलकर उनकी मौके पर ही मौत हो गई। धर्मपाल सिंह दूसरी ओर जाकर गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास काम कर रहे लोगों की घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। आनन-फानन में 108 एंबुलेंस से तीनों को सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों छात्रों को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर मृतकों के परिजन व अन्य ग्रामीण भी सीएचसी पहुंच गए। जहां से गुस्साए परिजनों ने सीएचसी से शवों को वापस लाकर गढ़ स्टैंड पर रख जाम लगा दिया और हंगामा करते हुए प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने करीब दो घंटे तक शवों को वहां से नहीं उठने दिया। साथ ही वह आरोपी चालक की गिरफ्तारी और मदद की मांग पर अड़े रहे। सूचना पर एसडीएम प्रियंका गोयल व सीओ भास्कर कुमार मिश्रा भी मौके पर पहुंच गए। काफी मशक्कत के बाद परिजनों को समझा बुझाकर शांत किया और जाम खुलवाया। परिजनों को सरकार से आर्थिक मदद दिलाने का आश्वासन दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद देर शाम दोनों के शव परिजनों को सौंप दिए। गांव में शव पहुंचने के बाद परिजनों में चीख पुकार मच गई। इसके बाद दोनों का गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

घर की माली हालत नहीं है ठीक

ग्रामीणों ने बताया कि दोनों छात्रों के घर की माली हालत ज्यादा अच्छी नहीं है। आरजू के पिता एक डेयरी फर्म में मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। आरजू स्कूल के साथ-साथ बीते कुछ समय से गांव में ही घर पर सब्जी बेचता था। वह अपने चार बहन भाइयों में तीसरे नंबर का था। गौरव के पिता गांव में ही इलेक्ट्रिशियन का काम करते हैं। गौरव भी इस काम में उनका हाथ बंटाता था। गौरव से बड़े एक भाई और एक बहन है। गौरव सबसे छोटा था।

तेज रफ्तार से गुजरते हैं वाहन, पुलिस बेखबर

भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी बड़े वाहन चालक तेज रफ्तार से गुजरते हैं। गढ़ स्टैंड, बुगरासी चौराहा, चांदपुर चुंगी व बुलंदशहर अड्डा के आसपास जाम की स्थिति बनी रहती है। बड़े वाहन चालक प्रेशर हॉर्न पर हाथ रखकर तेजी से निकल जाते हैं, जो हादसों का सबब बनते हैं। बुगरासी चौराहे पर पुलिस पिकेट होने के बाद भी बड़े वाहन चालकों की रफ्तार कम नहीं होती। यदि पुलिस वाहन चालकों के चालान करे तो तेज रफ्तार कम हो सकती है।

पढ़ने में तेज थे दोनों

सड़क हादसे के शिकार हुए गौरव व आरजू के सहपाठियों ने बताया कि कक्षा 9 के अन्य छात्रों की अपेक्षा दोनों पढ़ने में तेज थे।

946 ग्राम पंचायतों में ऑनलाइन मिलेगी परिवार रजिस्टर की नकल

बुलंदशहर। परिवार रजिस्टर की नकल के लिए ग्रामीणों को अब ग्राम पंचायत अधिकारी और ब्लाक के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। जल्द ही एक क्लिक करते ही नकल आपके सामने होगी। जिले के सभी 946 ग्राम पंचायतों के परिवारों का ब्योरा कंप्यूटर में फीड होगा। जिला पंचायत राज अधिकारी डॉ. प्रीतम सिंह ने बताया कि जिस तरह एक क्लिक करते ही खतौनी की नकल मिल जाती है। उसी तरह अब सभी ग्राम पंचायतों के परिवार रजिस्टर की नकल भी मिलेगी। इसके लिए परिवारों का पूरा विवरण कंप्यूटर में फीड कराने की तैयारी चल रही है। इस सुविधा के शुरू होने के बाद लोगों को ऑनलाइन जनसुविधा केंद्र से परिवार रजिस्टर की नकल मिलेगी। इससे पहले परिवार रजिस्टर को अद्यतन किया जाएगा। इसमें नाम, पता व उम्र के साथ-साथ जाति, धर्म, साक्षर, निरक्षर जैसे सभी 12 कालम में सूचनाएं दर्ज करना अनिवार्य होगा। हालांकि अभी तीन से चार कालम नहीं भरे जाते थे। परिवार रजिस्टर अद्यतन करने की प्रक्रिया पूरी करने के साथ डिजिटलाइजेशन प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा। इसके लिए सभी ब्लॉक के एडीओ पंचायत को निर्देश जारी किए गए हैं।

रसूलपुर के पांच घरों को चोरों ने खंगाला, गांव में मचा हड़कंप

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव में रविवार की रात चोरों ने जमकर तांडव मचाया। वहां पांच लोगों में घुसकर करीब 30 रुपये के जेवरात और लगभग 13 लाख नकदी पर हाथ साफ कर दिया। सोमवार की सुबह जानकारी होते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गई। पुरानी बस्ती पुलिस के साथ डाग स्क्वायड व फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई और छानबीन शुरू कर दी। रसूलपुर के बड़का पुरवा के राम स्वरूप चौधरी अपनी पत्नी सीमा व 11 दिन की बेटी के साथ एक कमरे में सोए थे। उनका कहना है कि उनकी मां बिंदू चौधरी बाहर बरामदे में सो रही थीं। पीछे रास्ते छत पर पहुंचे चोर सीढ़ी के पास लगे लोहे के चैनल का ताला तोड़कर अंदर घुस गए। पांच कमरों में रखी दो अलमारी, चार बक्से, चार सूटकेश में रखे करीब 18 से 20 लाख रुपये के जेवरात व 55 हजार रुपये नगद चोर उठा ले गए।

उसी गांव के शिवम चौधरी के घर में भी छत के रास्ते पहली मंजिल पर बने कमरे में घुसे चोर अलमारी में रखे करीब 10 लाख रुपये नगदी और 10 लाख से अधिक के जेवरात उठा ले गए। उस कमरे में बहू व पत्नी तारा देवी के रहने रखे थे। गांव के चौधरी का पुरवा निवासी फूलचंद चौधरी के घर में बरामदे के पास रखे तख्त को उठाकर चोर घर के पीछे ले गए और इसकी मदद से ऊपरी हिस्से में लगी खिड़की का लोहा का ग्रिल निकाल कर अंदर घुस गए।

फूलचंद के अनुसार कमरे में रखी अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखे 2.35 लाख रुपये नगद व अन्य सामान चोर उठा ले गए। उनकी पत्नी शांति देवी और दोनों बेटे सत्यम पटेल व नवीन पटेल अलग-अलग कमरे में सोए थे। इनमें से किसी को चोरों की भनक तक नहीं लगी। उसी गांव के राम प्रकाश चौधरी के घर में भी छत के रास्ते घुसे चोर एक बक्सा और एक सूटकेश उठा ले गए। सोमवार की सुबह छत पर खुला हुआ खाली सूटकेश मिला। कुछ दूर धान के खेत में बक्सा फेंका मिला। रामप्रकाश के मुताबिक उसमें सोने का हार, लॉकेट, झुमकी, पायल, अंगूठी व एक हजार रुपये नगद चोरी हुआ है। वहीं गांव के बसन्त चौधरी पुत्र लालता चौधरी के घर का ताला तोड़कर चोर अंदर तो घुसे, लेकिन वहां से कुछ चोरी करके नहीं ले जा पाए।

रात में आई चक्रवर्ती तेज आंधी से विद्युत पोल गिरा महिला की गई जान

अलावल देवरिया (गोंडा)। सोमवार की देर शाम तेज आंधी और बारिश महिला पर कहर बनकर टूटा और महिला की जान ले ली। चक्रवर्ती आंधी और बारिश से मौसम के बिगड़े मिजाज ने एक 40 वर्षीय ? महिला की जान ले ली। आंघी तूफान की चपेट में आकर बिजली का पोल महिला के ऊपर गिर गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गयी। आनन फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। खोंडारे थाना क्षेत्र के गौरा बुजुर्ग गांव की रहने वाली शांति देवी (40) अपने मायके धान की कटाई करने बनघुसरा आई हुई थी। सोमवार की देर शाम मौसम के मिजाज में बदलाव के कारण वह तेज आंधी तूफान में धान की फसल बटोरने में फंस गयी। तूफान के चलते एक नीम का पेड़ टूटकर बिजली पोल पर जा गिरा। पेड़ की डाल गिरने से बिजली का पोल धराशायी हो गया और शांति देवी बिजली पोल की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उन्हें लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनजोत ? पहुँचे जहां डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतका शांति के पति की पहले ही मौत हो चुकी है। शांति की मौत से उसके दोनो बेटे हिमांशु यादव (15) प्रियांशु यादव (10) वर्ष अनाथ हो गए। सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर तरुण मौर्या ने बताया कि अस्पताल पहुँचने से पहले ही महिला की मौत हो चुकी थी।

अविवि के 28 वें दीक्षांत समारोह को लेकर कुलपति ने संयोजकों के साथ समीक्षा बैठक की

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने 28 वें दीक्षांत समारोह को लेकर संयोजकों एवं अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मंगलवार को अपराह्न विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में कुलपति ने बताया कि 29 नवम्बर को विश्वविद्यालय का 28 वां दीक्षांत समारोह होगा। इसमें कुल 123 स्वर्ण पदक प्रदान किए जायेंगे। इसके अलावा लगभग 700 उपाधियां प्रदान की जायेगी। बैठक में कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति व राज्यपाल करेंगी। बैठक में कुलसचिव डॉ0 अंजनी कुमार मिश्र, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ला, परीक्षा नियंत्रक उमानाथ, प्रो0 अजय प्रताप सिंह, प्रो0 संत शरण मिश्र, प्रो0 आशुतोष सिन्हा, प्रो0 जसवंत सिंह, प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह, प्रो0 गंगाराम मिश्र, प्रो0 नीलम पाठक, प्रो0 एसके रायजादा, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, प्रो0 अनूप कुमार, प्रो0 शैलेन्द्र वर्मा, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ला, डॉ0 पी0के0 द्विवेदी, उप कुलसचिव दिनेश कुमार मौर्य, सहायक कुलसचिव मोहम्मद सहील, अभियंता आरके सिंह मौजूद रहे।

राष्ट्रीय आपदा मोचक बल NDRF ने कलेक्ट्रेट में आपदा से बचाव हेतु दी ट्रेनिंग

निज संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा के निर्देश पर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा राष्ट्रीय आपदा मोचक बल हृछक्रऋ के द्वारा कलेक्ट्रेट, जिला प्रोबेशन कार्यालय, निर्वाचन, खनन, के अधिकारी/ कर्मचारियों को अपर जिलाधिकारी एवं मुख्य राजस्व अधिकारी की अध्यक्षता में आपदा से बचाव हेतु ट्रेनिंग दिया गया। राजस्व विभाग में ट्रेनिंग, कार्यशाला मॉकड्रिल का आयोजन किया गया, जिसमें वज्रपात से बचने के लिए दामनी एप का प्रयोग करे सर्पदंश में क्या करे क्या न करे के बारे में बताया गया भूकंप से बचाव हेतु क्या करे क्या न करे शीतलहर में क्या करे क्या न करे स्कूलों में बच्चों को किस आपदा में क्या करे क्या न करे के बारे में बताया गया।

अपर जिलाधिकारी सुरेश कुमार सोनी ने बताया कि पूरे जनपद में आपदा से संबंधित जागरूकता किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि आपदा से बचने के लिए क्या क्या कार्य किया जाय।

इस कार्यक्रम में आपदा से बचाव हेतु मॉकड्रिल कराया गया। बैठक में कलेक्ट्रेट के सभी अधिकारी व कर्मचारीगण सहित आपदा लिपिक मौजूद रहे।

कंपोजिट विद्यालय भटपुरवा वजीरगंज में शिक्षा चौपाल का किया गया आयोजन

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। स्कूली शिक्षा महानिदेशक विजय किरण आनंद एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गोण्डा प्रेमचंद यादव द्वारा प्रदत्त निर्देश के क्रम में कम्पोजिट विद्यालय भटपुरवा शिक्षा क्षेत्र वजीरगंज में शिक्षा चौपाल का आयोजन विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुरेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ ए आर पी धीरेन्द्र प्रताप सिंह, अशोक कुमार मौर्य एवं राधेश्याम तिवारी द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से किया गया।कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के सहायक अध्यापक संजय विश्वकर्मा के द्वारा किया गया। विद्यालय के बच्चों ने सरस्वती वंदना ,स्वागत गीत एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक सुरेंद्र प्रताप सिंह द्वारा उपस्थित अभिभावकों एवं आम जनमानस को बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत शासन द्वारा विद्यार्थियों के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर चर्चा की गई तथा सभी बच्चों को नियमित स्कूल भेजने के लिए अभिभावको को प्रेरित किया गया। एआरपी धीरेन्द्र सिंह द्वारा निपुण भारत मिशन के अंतर्गत आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका आधारित शिक्षण, प्रिंट रिच सामग्री, निपुण लक्ष्य,निपुण तालिका, निपुण सूची, गणित विज्ञान किट के बारे में उपस्थित जन समुदाय का उन्मुखीकरण किया गया। एआरपी अशोक कुमार मौर्य के द्वारा लाइब्रेरी बुक,डिजिटल कंटेंट, कक्षा कक्ष के रुपांतरण एवं छात्रों की नियमित उपस्थिति के बारे में चर्चा की गयी। चंदापुर के नोडल संकुल राधेश्याम तिवारी के द्वारा बेसिक शिक्षा के अंतर्गत किए जा रहे नवाचारों,आई सी टी आधारित शिक्षण, दीक्षा एप, रीड एलोन्ग एप, निपुण लक्ष्य एप आदि के प्रयोग द्वारा तथा क्यू आर कोड के माध्यम से शिक्षा प्रदान किए जाने की जानकारी प्रदान की। सहायक अध्यापिका मधु सिंह ने चौपाल को संबोधित करते हुए अभिभावकों से डी बी टी से प्राप्त धन से ड्रेस , जूता मोजा, बैग खरीदने एवम अपने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया। चौपाल का मुख्य आकर्षण समस्त स्टाफ द्वारा लगाई गई टी एल एम प्रदर्शनी रही, जिसकी सभी आए हुए अभिभावकों एवं अतिथियों ने प्रशंसा की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा मित्र बृजेश कुमार,उमाशंकर पॉल ने मिशन कायाकल्प के अंतर्गत विद्यालय में कराए गए कार्य एवं आगे कराए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी ग्रामवासियों को दी।इस अवसर पर ए आर पी धीरेन्द्र सिंह एवं अशोक कुमार मौर्य द्वारा विद्यालय की सहायक अध्यापिका मधु सिंह द्वारा स्वराचित पुस्तक ब्लेंडिंग/डिकोडिंग शिक्षण हेतु हस्तपुस्तिका का विमोचन किया गया। सहायक अध्यापिका निशा रानी एवम शिक्षा मित्र ममता सिंह ने टी एल एम का प्रस्तुतिकरण करते हुए बताया कि टी एल एम द्वारा शिक्षण कार्य किस प्रकार प्रभावी होता है। अंत में प्रधानाध्यापक द्वारा सभी आए हुए अतिथियों एवम ग्रामवासियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया और कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की गई।

कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय हुआ अपग्रेड अब 12 तक होगी पढ़ाई

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। विधान सभा क्षेत्र गौरा में क्षेत्रीय विधायक प्रभात कुमार वर्मा के अथक प्रयास से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बभनजोत में शैक्षिक भवन के अपग्रेड की स्वीकृति के उपरांत शैक्षिक भवन का शिलान्यास किया गया। क्षेत्रीय विधायक प्रभात कुमार वर्मा ने बताया कि यह विद्यालय अभी तक कक्षा 1 से 8 तक चल रहा था अब यह विद्यालय ऊँचीकृत होकर कक्षा 1 से 12 तक चलेगा।

इस बालिका विद्यालय के अपग्रेड होने से जहां एक तरफ लड़कियों की शिक्षा को बल मिलेगा। वहीं दूसरी तरफ क्षेत्र में पिछड़े शिक्षा व्यवस्था को नया आयाम मिलेगा। क्षेत्र में लड़कियों के लिए आवासीय विद्यालय न होने से लड़कियां उच्च शिक्षा से दूर हो जाती थी। क्षेत्र में इंटरमीडिएट तक आवासीय विद्यालय हो जाने से लड़कियों को फ्री शिक्षा मिलने में महत्वपूर्ण कदम होगा। यह शैक्षिक भवन का निर्माण लगभग 65 लाख की लागत में बनेगा। जिसका शिलान्यास गौरा के लोकप्रिय विधायक प्रभात कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर विक्रम ,अनिल वर्मा प्रधान, सोहरथ वर्मा, पप्पू शुक्ल,जेई अभिनव श्रीवास्तव, बीआरसी राम विलास वर्मा,राम खेलावन, बनारसी गुप्ता, पप्पू सिंह,शेषधर यादव,केदार वर्मा, मनीष पांडे,महादेव जयसवाल, दशरथ वर्मा, चन्द्र भान पटेल, श्याम नारायण वर्मा, सुशील वर्मा, बाबूलाल प्रधान,राम शुख, गुड्डू वर्मा,मो0 इरसाद,पिन्टू वर्मा आदि लोग भारी संख्या में मौजूद रहे।

शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर मिशन शक्ति अभियान के चतुर्थ चरण का हुआ शुभारंभ

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकरनगर। महिला सशक्तिकरण की जागरूकता हेतु निकाली गयी रैली, जिसमें महिला आरक्षी और शिक्षिकाएं एवं छात्राएं बढ़-चढ़कर हुई शामिल। उत्तर-प्रदेश सरकार द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान मिशन शक्ति फेज 4.0 त्यौहार दुर्गा पूजा/दशहरा के दृष्टिगत चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-04 शक्ति दीदी अभियान के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण रैली में %चुप्पी तोड़ो, खुल कर बोलो% का सन्देश लेकर जनपद में महिलाओं /बालिकाओं/ छात्राओं को नारी सुरक्षा,नारी स्वावलंबन एवं नारी सम्मान की दिशा में जनपद की महिला बीट *पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने बीट क्षेत्र/ग्राम पंचायत/वार्ड/मोहल्लों के पूजा पंडालों में पी0ए0 सिस्टम/ एल0सी0डी/जिंगल गीत के माध्यम से जाकर प्रतिदिन लघु फिल्म, नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रैली के माध्यम से महिलाओं/बालिकाओं/ छात्राओं को महिला सुरक्षा संबंधी विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ साइबर अपराध व निराश्रित विधवा पेंशन योजना जननी सुरक्षा योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना बेटी बचाओ-बेटी पढाओ मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना आदि विभिन्न योजनायों के प्रति किया गया जागरूक।

मिशन शक्ति दीदी अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी जलालपुर देवेन्द्र कुमार मौर्या द्वारा रेडिएंट इंटर कॉलेज जलालपुर की छात्रा को दो घण्टे के लिये क्षेत्राधिकारी बनाया गया जिनके द्वारा जनसुनवाई कर जनता की शिकायतों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। मिशन शक्ति दीदी अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक जलालपुर द्वारा रेडिएंट इंटर कॉलेज जलालपुर की छात्रा को दो घण्टे के लिये थानाध्यक्ष बनाया गया जिनके द्वारा जनसुनवाई कर जनता की शिकायतों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। छात्राओं में आया आत्मविश्वासमिशन शक्ति दीदी अभियान के दृष्टिगत महिलाओं/ बालिकाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दुर्गा पूजा पंडालों में महिला हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। मिशन शक्ति दीदी अभियान के दृष्टिगत स्कूलों और कालेजों में पोस्टर बैनर लगाकर छात्राओं को जागरुक किया गया।

जनपद अम्बेडकरनगर के समस्त क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारी व थानों की एन्टीरोमियो टीमों द्वारा शासन द्वारा जारी महिला सुरक्षा संबंधी विभिन्न हेल्पलाइन 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइन्, 102-स्वास्थ्य सेवा आदि नंबर युक्त पैंपलेट वितरित कर निरन्तर जागरूक किया जा रहा है।

इसी क्रम में जनपद के विभिन्न थानों की एन्टी रोमियो टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर मनचलों द्वारा छेड़छाड़ व महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के दृष्टिगत सतत निगरानी करते हुए अभियान चलाया गया एवं संदिग्धों की चेकिंग की गयी। वर्तमान में बढ़ रहे साइबर फ्रॉड के सम्बन्ध में जागरुक करते हुए बताया गया कि किसी अन्जान व्यक्ति से अपना ओटीपी शेयर न करें। यदि किसी के साथ साइबर फ्रॉड होता है तो वह तत्काल साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर सम्पर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करायें

जिला अस्पताल में आयोजित हुआ विधिक साक्षरता शिविर

गोण्डा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गोण्डा के निर्देश पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 जय गोविन्द की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला अस्पताल गोण्डा के सभागार में महिलाओं के सशक्तिकरण एवं स्वास्थ्य विषय पर विधिक जागरूकता व साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता कर रहे अपर मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा शिविर में उपस्थित एएनएम तथा आशा बहुओं को सम्बोधित करते हुये जानकारी दी कि महिलाओं के सशक्तिकरण एवं संरक्षण, सर्वाइकल कैंसर, लिंग समानता के बारे में जागरूक किया। उन्होने एएनएम एवं आशा बहुओं को कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्र की बालिकाओं एवं महिलाओं को वैक्सीन लगवाने एवं स्क्रीनिंग कराने के लिये प्रेरित करें।

इसके अतिरिक्त अपर मुख्य चिकित्साधिकारी ने शिविर में उपस्थित एएनएम एवं आशा बहुओं को जानकारी देते हुये बताया कि महिलाओं को लैंगिक समानता हेतु केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विभिन्न नियम बनाये गये हैं, जैसे कि बालिकाओं को बालकों के समान शिक्षा का अधिकार, समान कार्य के लिये समान वेतन, बालिकाओं की शिक्षा हेतु आवासीय शैक्षिक संस्थाओं, सरकारी नौकरियों में महिलाओं को आरक्षण इत्यादि, इसके अलावा नगरीय एवं पंचायत चुनाव में महिलाओं की भागीदार बढ़ाने हेतु सीटें आरक्षित की गयी है। इसके अतिरिक्त महिलाओं के लिये विभिन्न सरकारी योजनाएं यथा महिला सुमंगला योजना, महिला हेल्पलाइन 1090, मिशन शक्ति, महिला साइबर सेल, निराश्रित महिला पेंशन, प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन बनायी गयी हैं। आप सभी लोग अपने-अपने क्षेत्रों की महिलाओं को उपरोक्त के बावत जानकारी प्रदान करें ताकि वे उक्त योजनाओं का लाभ उठाकर अपने जीवन स्तर का उत्थान कर सकें।

जर्जर सड़क निर्माण के लिए आम आदमी पार्टी ने प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

गोंडा। कचेहरी रेलवे क्रासिंग के निकट जर्जर सड़क के निर्माण हेतु आम आदमी पार्टी गोंडा सदर प्रभारी अजय कुमार मिश्र उर्फ अज्जू पंडित जी के नेतृत्व में प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर राजकुमार बरवार प्रदेश उपाध्यक्ष छुट्टन , रमेश कुमार पांडेय कोषाध्यक्ष झंझरी ब्लाक, महेश नारायण तिवारी संगठन मंत्री कटरा बाजार, प्रवीण मिश्र, शेष नारायण मौर्या,राधाकृष्ण मिश्र,करन गुप्ता सहित अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस ने दुर्गा पूजा स्थल का किया निरीक्षण दुर्गा पूजा दशहरा शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की

जनक राम वर्मा

अलावल देवरिया गोंडा। चल रहे नवरात्रि के अवसर पर चौकी क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर चौकी प्रभारी द्वारा अपने हमराही सिपाहियों के साथ पहुँचकर दुर्गा पूजा स्थल का किया निरीक्षण लोगों से नवरात्र दुर्गा पूजा दशहरा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की अपील की। जनपद गोंडा के थाना परसपुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पुलिस चौकी पसका के चौकी प्रभारी सोम प्रताप सिंह ने मंगलवार को चौकी क्षेत्र के उल्टाहवा माझा चांदपुर किटौली धौलरन पुरवा तथा गोहरी गणेश बाग मे पहुँचकर सभी स्थानों पर रखे दुर्गा जी की मूर्ति के आसपास निरीक्षण कर क्षेत्र के लोगों व दुर्गा पूजा समिति के लोगों तथा भक्तों से नवरात्रि दुर्गा पूजा दशहरा को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की। इस दौरान सभी स्थानों पर चौकी प्रभारी सोम प्रताप सिंह द्वारा निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया और सभी लोगों को जागरूक किया गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग में जलालपुर में विभिन्न स्थानों पर मारा छापा, पांच नमूने जांच के लिए भेजे गए

अंबेडकरनगर,खाद्य सुरक्षा विभाग, उ.प्र.शासन व ज़िलाधिकारी तथा एस.के .त्रिपाठी,सहायक आयुक्त (खाद्य) के निर्देश पर नवरात्रि/दशहरा पर्व पर जनपद में के.के.उपाध्याय मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी , के नेतृत्व में चल रहे अभियान में - जमालपुर चौराहा,जलालपुर में अमरनाथ डेयरी का निरीक्षण कर दूध का नमूना व राहुल किराना स्टोर का निरीक्षण कर मूँगफली दाना का नमूना संग्रहित कर जाँच हेतु भेजा ।

जलालपुर में ही श्याम किराना स्टोर का निरीक्षण कर किशमिश का नमूना संग्रहित कर जाँच हेतु भेजा । नेवादा बाज़ार में जे के ग्रोसरी मार्ट का निरीक्षण कर किशमिश का नमूना संग्रहित कर जाँच हेतु भेजा । रामगढ़ रोड जलालपुर में हरिश्चंद्र किराना स्टोर का निरीक्षण कर मूंगफली दाना का नमूना संग्रहित कर जाँच हेतु भेजा । आज कुल 5 नमूने जाँच हेतु भेजे गए । कार्यवाही में खाद्य सुरक्षा अधिकारी हंसराज प्रसाद , चंद्र प्रकाश यादव ,आदर्श प्रताप,मनीषा सिंह व पुरन्दर यादव शामिल रहे ।

सादुल्लाह नगर मे विशाल मां भगवती जागरण का आयोजन

सुशील श्रीवास्तव

सादुल्लह नगर(बलरामपुर)। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्री सिद्धेश्वर नाथ सेवा समिति के तत्वाधान में विशाल जय मां भगवती जागरण का आयोजन किया जा रहा है। आगामी दिन बृहस्पतिवार को सादुल्लह नगर बाजार मे स्थित हाजी इस्माइल इंटर कालेज के प्रांगण में श्री सिद्धेश्वर नाथ सेवा समिति के आयोजन मे किया जाएगा।जिसमे श्री बाला जी जागरण ग्रुप भक्तिमय परिवार के शिवाजराव इंटरनेशनल झांकी ग्रुप बरेली से पधार रहे हैं।जिसमे मुख्य गायक गगनदीप सिंह व लेडीज सिंगर दीपका मिश्रा अपनी सुरीली आवाज से भक्तों एवं दर्शक श्रोताओं को मंत्र मुग्ध करेंगे। समिति के लोगों ने बताया कि इस बार सजावट व मां का दरबार हर बार की भांति अलग रहेगा।दरबार बनाने वालों को इस बार बाहर से बुलाया गया है ।जिसकी तैयारियां पिछले कई दिनों से चल रही है ।जिसमें क्षेत्रवासी एवं बाजार वासी पहुंच कर जागरण कार्यक्रम का आनंद उठाएंगे और अपने जीवन को धन्य बनाएंगे।

थाना प्रभारी दिनेश सिंह ने सुरेश चंद्र मिश्रा के पदोन्नति पर उन्हें स्टार लगाकर किया सम्मानित

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। थाना प्रभारी खरगूपुर दिनेश सिंह ने बुधवार को पिपरा चौकी पर तैनात हेड कांस्टेबल सुरेश चंद्र मिश्रा के पदोन्नति पर उन्हें स्टार लगाकर सम्मानित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। जिस पर लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी।

पदोन्नति होने के बाद थाना प्रभारी खरगूपुर ने सुरेश चंद मिश्रा को स्टार लगाकर उनका उत्साह वर्धन करते हुए उन्हें सम्मानित किया। जिस पर थाना पर तैनात सभी उप निरीक्षक महिला व पुरुष आरक्षी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी। इसमें थाना प्रभारी खरगूपुर दिनेश सिंह, थाना प्रभारी उमरी बेगमगंज संजीव वर्मा, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर संजय कुमार गुप्ता, प्रभारी निरीक्षक कटरा बाजार करुणाकर पाण्डे, प्रभारी निरीक्षक कर्नलगंज चितवन कुमार,चौकी प्रभारी पिपरा बाजार मृत्युंजय सिंह , चौकी प्रभारी जानकी नगर दिवाकर मिश्रा, चौकी प्रभारी आर्यनगर दिलीप सिंह, चौकी प्रभारी बडगांव मनोज कुमार सिंह, चौकी प्रभारी एससीपीएम महेंद्र प्रताप सिंह,हेड मोहरी सुनील गौतम, हेड कांस्टेबल धनंजय सिंह, दीवान शिव शंकर ,आरक्षी नीतीश तिवारी, आरक्षी अरुण कुमार, आरक्षी जगदीश कुमार, आरक्षी रवि खरवार, आरक्षी सुशील सिंह , आरक्षी अभीलोक कुमार मौजूद रहें।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन नोटिस सं०-08 / 2023

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा०), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से ई-ऑक्शन आमंत्रित की जाती है :- **क्र० सं० : 01, लॉट सं० :** PnU-LJN-RMBG-Toi-25-23-1 (Pay and Use -Toilets), **कार्य का विवरण :** रामघाट हॉल्ट स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु। **क्र० सं० : 02, लॉट सं० :** PnU-LJN-BRK-Toi-23-23-1 (Pay and Use – Toilets), **कार्य का विवरण :** बहराईच स्टेशन के प्लेटफॉर्म-1 पर स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु। ● निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई-ऑक्शन में भाग ले सकते है। आईआरईपीएस पोर्टल पर दिये गये तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई-ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होंगी। ● सभी लॉट के लिये ई-ऑक्शन दिनांक- 03-11-2023, 15.00 बजे प्रारंभ होकर 03-11-2023, 15.40 बजे बंद होगी। ● इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। ● अर्नेस्ट मनी की राशि (5%) का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे- डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। ● विज्ञप्ति सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा, नियम व शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाईट **www.ireps.gov.in (E-Auction module)** पर उपलब्ध है।

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), लखनऊ
मुजाधि/वा०-153

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गोण्डा

भवन की आवश्यकता

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हेतु बड़गांव पुलिस चौकी (झूलेलाल चौराहा) से गोण्डा बलरामपुर मुख्य मार्ग पर शहरी क्षेत्र में लगभग 2400 वर्ग फुट युक्त भूतल पर आठ कमरों युक्त (सूर्य प्रकाश एवं हवादार) दो शौलाचय, मरीजों के बैठने युक्त वेटिंग एरिया एवं स्टाफ मरीजों के वाहन तथा 108 एवं 102 एम्बूलेन्स खड़े होने हेतु वृहद पार्किग स्थल बिजली पानी युक्त नवीन भवन की आवश्यकता है। अधिकतम किराया पच्चीस हजार प्रति माह की दर से दिया जायेगा। इच्छुक भवन स्वामी भवन का वैध पेपर नक्शा युक्त प्रस्ताव 15 दिन के भीतर कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी गोण्डा के यहां पंजीकृत डाक द्वारा भेजें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
गोण्डा

अवध विवि की कुलपति ने नौ दिवसीय कैनवास एक्रेलिक पेन्टिग कार्यशाला का शुभारम्भ किया

कार्यशाला अवध की सांस्कृतिक एवं पौराणिक तथ्यों को चित्रित करेगी: कुलपति

डा0 नरेन्द्र बहादुर सिंह

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक सभागार में मंगलवार को अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा ललित कला विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अवध की कलात्मक धरोहर विषय पर नौ दिवसीय कैनवास एक्रेलिक पेन्टिग कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। इस कार्यशाला का शुभारम्भ विवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो0 गोयल ने कहा कि यह कार्यशाला अवध की धरोहरों को संरक्षित करने का एक व्यापक आधार है।

विभाग के शिक्षक एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राएं निश्चित रूप से आकर्षक एवं मनमोहक कलाकृतियों का सृजन करते हुए अवध की सांस्कृतिक एवं पौराणिक तथ्यों को चित्रित करेगी। उन्होंने कहा कि कौटिल्य आर्ट गैलरी अपने सृजनात्मक स्वरूप में तैयार होते ही सामान्य जन मानस को अपनी ओर आकर्षित करेगी। विश्वविद्यालय के केन्द्र में स्थित इस आर्ट गैलरी में निश्चित रूप से लोककला की विभिन्न विधाओं को प्रदर्शित करने वाली अनूठी कृतियाँ होगी जिसके लिए ललित कला विभाग के सभी छात्र-छात्रायें बधाई के पात्र है। कार्यशाला में कुलपति प्रो0 गोयल ने कहा कि अवध विश्वविद्यालय में कौटिल्य आर्ट गैलरी को तैयार किया जा रहा है जिसमें श्रीराम के साथ अवध की कलात्मक धरोहर का भी समावेश किया जाएगा तथा अवध क्षेत्र के विभिन्न विशिष्ट कलाकारों का व्यक्ति चित्र इस गैलरी में प्रदर्शित किया जाएगा। जिससे समस्त जन आकर्षक कलाकृतियों के साथ अवध का मान बढ़ाने वाले सभी कलाकारों एवं सांस्कृतिक धरोहरों का अवलोकन भी कर सकेंगे।

कार्यशाला में कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो0 आशुतोष सिन्हा ने बताया कि फाईन आर्ट्स विभाग की छात्र-छात्रायें निरन्तर एक से बढ़कर एक सृजन करते रहे है। जिसमें छात्र-छात्राओं की लगनशीलता, कठिन परिश्रम एवं उनके शिक्षको का सर्वोत्कृष्ट योगदान रहा है। विश्वविद्यालय को सांस्कृतिक एवं पौराणिक प्रतिमान पर स्थापित करने में विभाग का अतुलनीय योगदान रहा है जिसके लिए सभी छात्र-छात्राये बधाई के पात्र है। कार्यशाला में कुलसचिव, डॉ0 अजंनी कुमार मिश्र ने बताया कि इस कार्यशाला के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन हर संभव सुविधा प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में दीपोत्सव के नोडल अधिकारी प्रो0 संतशरण मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जो कलाकृतियाँ कलाकार द्वारा निर्मित की जा रही है वे नयनाभिराम होने के साथ ही आत्मिक शान्ति भी प्रदान करती है।

ललित कला (फाइन आर्ट्स) विभाग के समन्वयक प्रो0 विनोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया की नौ दिवसीय पेन्टिग कार्यशाला में फाईन आर्ट्स के शिक्षको के साथ आवश्यकतानुसार बाह्य विशेषज्ञ शिक्षको का निर्देशन प्राप्त करते हुए कौटिल्य आर्ट्स गैलरी का भव्य स्वरूप सृजित किया जायेगा जो विश्वविद्यालय आने वाले लोगो के लिए रमणीक कौतूहल पैदा करेंगा। इस आर्ट् गैलरी में प्रदर्शित कलाकृतियों को प्रत्येक छः माह में फाईन आर्ट्स विभाग द्वारा नई-नई कला कृतियों से आच्छादित किया जायेगा।

नौ दिवसीय पेन्टिंग कार्यशाला की सयोजिका डॉ0 सरिता द्विवेदी ने बताया कि कौटिल्य आर्ट् गैलरी 145 फिट के दायरे में मनमोहक कलाकृतियों के साथ प्रदर्शित होगी। जिसमें 2म2.50 फिट के कैनवास लगभग 54 कलाकृतियाँ प्रथम चरण में प्रदर्शित की जायेगी, जोकि निश्चित रूप से सामान्य जन मानस को अपनी ओर आकर्षित करेंगी। इस अवसर पर फाईन आर्ट्स विभाग के शिक्षको द्वारा निर्मित 4म4 फिट आकार की मनमोहक रिलीफ पेन्टिंग कुलपति को भेंट की गई। कार्यशाला का संचालन प्रो0 विनोद कुमार श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 सरिता द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर आयोजन सचिव श्रीमती रीमा सिंह, आयोजन समित के सदस्य प्रो0 मृदुला मिश्रा, डॉ0 अलका श्रीवास्तव, डॉ0 प्रिया कुमारी, श्रीमती सरिता सिंह, श्री आशीष प्रजापति, श्री कविता पाठक, के साथ अंजली, विमल, सूरज, सुमन, विजमा, पायल, आयुषी, संयुक्ता, आकर्ष, ऐश्वर्य गैर शैक्षणिक कर्मचारी, दिलीप पाल, विजय कुमार शुक्ला, हीरा लाल यादव, शिवशंकर यादव एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

अंबेडकरनगर को विकास कार्यक्रमो में मिला तीसरा स्थान

अंबेडकर नगर। शासन स्तर से विकास कार्यक्रमों की जारी नवीन रैंकिंग में जिलाधिकारी अविनाश सिंह के नेतृत्व में विकास कार्यक्रमों में जनपद अंबेडकर नगर प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त कर अपना पंचम लहराया है। तथा कानून व्यवस्था में जनपद अंबेडकर नगर प्रदेश में 13वां रैंक प्राप्त किया है। प्रदेश के ओवरऑल विकास में जनपद अंबेडकर नगर का आठवां रैंक प्राप्त हुआ है। अवगत कराना है कि शासन स्तर से सेक्टर वार तीन दिवस में रैंकिंग जारी की जा रही है।और ओवरऑल रैंकिंग भी जारी की जा रही है। जिलाधिकारी ने इसका श्रेय अधिकारियों ,कर्मचारियों तथा जनप्रतिनिधियों के सहयोग को दिया। और आशा है कि हमारा जनपद सदैव इसी तरह शीर्ष स्थान पर बना रहेगा।

RNI No. 46071/85

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक **टी.रजा रिज़वी** ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।

गोण्डा कार्यालय

फोन / फैक्स-05262-230683
मो0- 09415120085
लखनऊ कार्यालय-
फोन- 0522-4028445
मो0- 09415249085
:- E-mail :-
trigutdainik@gmail.com